007 जेम्स बॉण्ड

बॉण्ड की गुमनाम रातें

× × ×

ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का ख्याति प्राप्त जासूस जेम्सबाण्ड, अपने किस्म के सेक्स के लिए कुख्यात है। कहा जाता है, बाण्ड एक सफल अश्वारोही की तरह औरत को काबू में लाने के सैकड़ों क्या हजारों हथकण्डे जानता है। जहां सैकड़ों हजारों औरतें इसके नाम से भयभीत हो उठती हैं। वहां ही, ऐसी भी औरतों की कमी नहीं, जो इसके नाम की माला जपती हैं। याद आ जाने पर करवटें बदलती हैं। और अपने गाड से मनाती हैं कि कभी उनका भी सामना बाण्ड से हो। बाण्ड उन्हें अपनाये।

पिछले दिनों बाण्ड जब 'जिब्राल्टा के प्रेत' काण्ड का सफाया करके स्वदेश वापस आया तो ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के समस्त कार्यकर्ताओं ने एकबार फिर बाण्ड की पूरी-पूरी प्रशंसा की। स्वयं 'एम' ने, बाण्ड के कन्धे थपथपाये और पिता तुल्य ने प्यार देकर बाण्ड के हौंसले बढ़ाये।

यह कार्यक्रम शाम पांच बजे, लन्दन के डेनबरा हाल में रखा गया था। और इसमें सीक्रेट सर्विस तथा पुलिस के ही खास लोग आमन्त्रित थे। आमन्त्रित गणों की पुत्रियां तथा पत्नियां भी खास तौर पर ही आई थीं।

कार्यक्रम खत्म हुआ करीब सात बजे। अब तक ताहर, रात का गहरा अन्धेरा घिर आया था। और मौसम खराब होने की सूचना अभी-अभी आकाश में बिजली चमक कर मिल चुकी थी। लगता था बर्फीली आंधी आयेगी। हवा का रुख तेज हो गया था।

कार्यक्रम खत्म होते ही तमाम लोग अपनी-अपनी कारों की तरफ बढ़ गये थे। कुछ ही देर में वहां मैदान साफ था। बाण्ड

'एम' की सेक्रेटरी से उलझा हुआ था। वह पूछ रही थी—

—'बाण्ड, जिब्राल्टा का प्रेत था कैसा ?'

बाण्ड को शराब में डूबी उसकी आंखें प्यारी लग रही थीं। लगने की वजह भी थी। असल में आज उसने कुछ अधिक ही पी ली थी। वरना वह भी अच्छे से जानती है कि बाण्ड के मुंह लगना अपनी कयामत बुलाना है।

आखिरकार बाण्ड कहां मानने वाला था, मौका पाते ही उसने दाव फिट कर दिया।

'जिब्राल्टा का प्रेत बेहद रोमेंक्टिम और मासूम था।'

'व्हाट ?' वह बुरी तरह चौंकी।

'यस...शायद तुम विश्वास ना करो...जब वह एक रात मुझसे टकराया तो उसने अपनी पहली इच्छा जानती हो क्या व्यक्त की थी ?'

'क्या ?' आंखें फैलाकर सेक्रेटरी ने पूछा।

'उसकी पहली ख्वाहिश थी कि मैं, एक रात उसके साथ बिताऊं।'

'सिली !' सेक्रेटरी ने बफरकर कहा—'तुम मुझे क्या बच्ची समझते हो मिस्टर बाण्ड ?'

बाण्ड हंसा और हंसते हुए बोला—

'यदि बच्ची समझता होता तो कदापि ऐसी बात ना करता। भला किसी बच्ची से ऐसी बात करने से क्या फायदा ?'

यकायक बाण्ड को याद आया कि सभी जा चुके हैं और वह दोनों शराब की पिनक में अभी तक खड़े हैं।'

सेक्रेटरी मिस रूबी भी तभी चौंकी—'ओह मायगाड।'

उसने साथ ही घड़ी देखी। और दरवाजे की तरफ भाग खड़ी हुई। बाण्ड ने बल्कि उसे रुकने के लिये आवाज भी दी लेकिन वह रुकी नहीं। हां, हाल के प्रमुख द्वार से बाहर निकलने के पूर्व उसने बाण्ड को हाथ हिलाकर विदा मांगी।

बाण्ड मुस्कराकर उस ओर देखता रहा। और दरवाजे की

ओर चला। चलते वक्त वह सोच रहा था। सम्भवतः वह इस हाल से बाहर निकलने वाला लास्ट मेन था।

अभी वह दरवाजे पर आ ही सका था कि हवा का तेज झोंका सीधे उसके मुंह पर धूल धक्कड़ छोड़ गया। उससे बचने के लिये उसने अपना मुंह हथेलियों में छुपा लिया और साथ ही मुंह भी फिरा लिया।

तभी आकाश में बिजली कड़की। बाण्ड ने पलटकर देखा। काले स्याह आकाश में बिजली की नीली चमक, सारे वातावरण को एक रहस्यमयी पर्त से जैसे ढक गई।

और ऐसे ही रहस्यमय वातावरण में कम्पाउण्ड से घने दरख्तों से नीचे किसी कार की घरघराहट ने उसका ध्यान अपनी ओर खींचा। बाण्ड ने घरघराहट की दिशा में देखा। लेकिन घने अन्धेरे के कारण वह देख नहीं सका।

इन्सानी फर्ज के नाते वह अपनी कार की तरफ जाकर घने दरख्तों की छाव की ओर तेज कदमों से दौड़ गया। तभी आकाश में एकबार फिर बिजली चमकी और करीबी वातावरण को रहस्यमय बना गई। साथ ही पानी की तेज बौछारों ने उसे दौड़ने के लिये विवश कर दिया।

गेट से घने दरख्तों की छांव करीब सौ फिट दूर अवश्य थी। रास्ता आधा भी, बाण्ड तय नहीं कर सका था कि उस इमारत का व्यवस्थापक चीखा—

—'सर, प्लीज स्टाप···सर···प्लीज स्टाप···।' उसकी आवाज में भय था।

बाण्ड के कदम रुके। उसने आवाज देते मैनेजर की तरफ देखा। वह हाल के प्रमुख द्वार पर खड़ा व्यग्रता से एक ही रट लगाये हुए था—

'सर···प्लीज स्टाप···सर···प्लीज स्टाप।'

बिजली तभी एकबार फिर चमकी। बिजली की नीली रोशनी में सहसा बाण्ड की नजर घरघराहट बिखेरती कार की

तरफ गई। वहां, छरहरे बदन की व्हाइड स्कर्ट में कोई नवयुवती थी।

उसने भी सिगरेट पीते हुए तभी बाण्ड की तरफ देखा था। दोनों की नजरें टकराई भी थी।

यह सब पल दो पल में ही हो गया था। पानी बौछार के के साथ ही बरसने लगा था। अभी बाण्ड कुछ सोच पाता, कह पाता कि मैनेजर उसकी ओर तेज कदमों से भागा।

बाण्ड उसके करीब आने का इन्तजार करने लगा। तभी बांड के कानों में उस नवयुवती की हंसी गूंजी। उसकी हंसी से साफ जाहिर था जैसे उसने व्यक्त किया हो कि—

—'कायर, तू क्या आयेगा मेरे पास ?'

अभी बाण्ड उस नवयुवती की तरफ पुनः देख पाता कि मैनेजर करीब आकर बोला—'सर, आपको फौरन वापस होना है।'

'क्यों ?'

'इसका जवाब मैं, यहा नहीं दे सकता।'

'क्यों ?'

'मैं आपसे प्रार्थना करता हूं···प्लीज, आप फौरन ही वापस हो जायें। और किसी प्रकार का जवाब तलब ना करें।'

बाण्ड को उस पर गुस्सा भी आ रहा था और आश्चर्य भी हो रहा था कि आखिर···

—'लेकिन मैनेजर···।'

—'सर, आप पछतायेंगे।'

—'मिस्टर,···।' उस नवयुवती की आवाज गूंजी।

मैनेजर कांप सा उठा। आकाश में नीली रोशनी बिखेरती बिजली कौंधी। मैनेजर का चेहरा सफेद सा पड़ गया और वह अबाधगति से भागकर उस इमारत के प्रमुख द्वार से भीतर चला गया। जाते वक्त उसने दरवाजा भी बन्द कर लिया।

कुछ भी समझ में ना आ रहा था मैनेजर···?

उस नव युवती की आवाज ने ब्राण्ड का ध्यान फिर आकृष्ट किया—'मिस्टर···।'

लड़खड़ाती नजरों से बांड ने उसकी ओर देखा। साथ ही उसके मुंह से निकला भी—'यस···!'

बांड वहां अंधेरे में सिर्फ एक काला साया देख रहा था। चमकता हुआ सिगरेट का गुल! उसके होठों पर अंगारों की तरह धधक उठता था।

सिगरेट का गुल! चिंगारी की तरह नीचे की ओर गिरा। साथ ही उसने कहा—

'क्या आप मेरी मदद करेंगे? मेरी गाड़ी स्टार्ट नहीं हो रही है।'

'क्यों नहीं?'

बांड आगे बढ़ा। उसकी नजरें इस साये पर···जो यकीनन स्त्री का साया था, पड़ रही थीं। वह स्थिर खड़ी थी। अब वह काफी करीब पहुंच गया था। उसका व्हाइट स्कर्ट चमक रहा था।

बांड को याद आया उसकी जेब में जेबी टार्च है। उसने टार्च निकाली और रोशनी उस ओर फैंकी।

वह एक खूबसूरत नवयुवती थी। उसके पतले होंठ रसीले थे। नाक नक्श तीखे तथा आंखें चमकीली। छरहरा बदन होने से चाल में अवश्य रवानगी होगी। बांड ने मन में सोचा।

'क्या सोच रहे हैं जेन्टल मैन···और ये···ओफो···रोशनी हटाइये···मेरे चेहरे पर रोशनी मत डालिये।'

बांड और आगे बढ़ गया। रोशनी का गुच्छा कार की ओर घूम गया। कोई पूराना माडल था।

ऐसी हसीन नवयुवती और बाबा आदम के जमाने का माडल बांड हंसना चाहा। तभी उस युवती ने करीब आते हुये कहा—'प्लीज, जरा इंजिन देखिये।'

और बांड खुले हुये इंजिन पर झुक गया। फौरन ही

खराबी मिल गई। साथ ही उसे शक भी हुआ। लेकिन उसने उस शाम को शक को जब्त किये रखा।

एक वायर जो बैटरी से अटैचज्ड होता है अलग था। उसे उसने जोड़ दिया।

—लीजिये, गाड़ी स्टार्ट कीजिये।'

वह ड्राईविंग सीट पर बैठी और गाड़ी स्टार्ट करते ही बोली—'थैंक्यू···' रियैली आय एम लकी।' वह ऊंची आवाज में बोल रही थी। परन्तु उसकी मीठी आवाज इंजिन की घरघराहट में डूब जाती थी।

बांड करीब आ गया। खिड़की पर दोनों कुहनियां टेककर उसकी तरफ देखा, बोला—'एनीथिंग योर ?' साथ ही होंठो में मुस्कराया।

उसने भी प्यारी चितवन से उसकी ओर देखा तथा अपनी सुडौल नासिका पर अंगुली फिराकर बोली—'शाम से ही मौसम कितना खराब हो गया है। अब रात कैसे कटेगी ?'

बांड को ऐसे डायलाग की उससे उम्मीद नहीं थी। उसने खींचते हुये पूछा—'व्हाट ?'

वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। गाड़ी के भीतर फैली हल्की रोशनी में उसका सुडौल सुन्दर चेहरा और भी आकर्षक लग रहा था।

वह देखता ही रह गया।

अदा के साथ उसने अपने हाथ स्टेयरिंग व्हील पर रखे थे। तथा सीट से पीठ टिका रखी थी और देखे जा रही थी बांड की तरफ !

बांड ने भी उसकी आंखों में आंखें डाल दीं।

कुछ देर के बाद···

उसने गहरी मुस्कराहट के सा- नजरें झुकालीं। फिर एक गहरी सांस लेते हुये बोली—

'थैंक्यू फार दिस ट्रवल।'

'ब···स···!'

'जी !'

'नथिंग—।' साथ ही बांड ने कंधे उचकाये। आगे बोला—'अच्छा मैडम···गुडनाइट···एण्ड गुड बाय।'

—'वर्नथिंग योर !' वह बोली।

—'यस···।'

—'इफ यू डोन्ट माइन्ड···।'

—'ओफो, बोलिये ना।'

—'आप ००७ जेम्स बांड हैं ना ?'

—'यदि मैं यस···कहूं तो···?'

—'तब मैं···।' शरमाते हुये उसने अपने मुंह में जीभ को घुमाया तथा आगे बोली—'···मैं, आपसे पूछना चाहूंगी कि आप आज की रात क्या कर रहे हैं ?'

—।आज तो मैं, फुल्ली रैस्ट के मूड में हूं। क्यों ?'

वह हंस दी। फिर लजाते हुए ही बोली—'कुछ नहीं, यूं ही पूछ रही थी।'

'आज की यह रात बड़ी ही कातिल है। ठण्ड कुछ-कुछ बढ़ गई है। ऐसे में अकेलापन चुभता सा है।'

—'आखिर आप चाहती क्या हैं ?'

—'कुछ नहीं···कुछ भी तो नहीं।' कहते हुये वह अपने-आप में जैसे सिमट सी गई।

उसका यह अन्दाज बांड के दिल को मसोस रहा था।

बहुत दिनों बाद उसकी मन पसन्द औरत उससे टकराई है, लेकिन ये है कौन ?

—'क्या आपका परिचय जान सकता हूं ?'

—'जरूरी है ? मुझे परिचय जानने वाले तो एकदम बेगाने तथा स्वार्थी लगते हैं। चाहत के रास्तों में परिचय बेगानापन आड़े आता है।'

बांड ने कंधे उचकाये। साथ ही ला···के···ली की धुन

बजाकर नेव्हर माइन्ड की बात जाहिर करो।

—'क्या बिना परिचय के हम एक दूसरे को आपरेट नहीं कर सकते ?'

—'एज यू लाइक···।'

वह हंस दी।

पानी की बौछारें अब और तेज हो गई थीं तथा घनी छाया के नीचे होते हुए भी बांड पर टपाटप शुरू हो गई थी।

इंजिन अब भी घरघराकर शोर कर रहा था।

—'मैंने तो सुना था, बांड बड़ा ही दिल फेंक आदमी है।'

—'लेकिन ऐसा नही है ?'

—'वह कैसे ?'

—'वह तो आंख का इशारा भी नहीं समझता।

—'घबराता है कि नहीं···सामने बैठी ताजनीन मेरे किसी आफीसर को···।'

—'ऐसा नहीं है।'

उसके ऐसा कहते ही बांड के दिमाग में घंटिया सी बज उठीं।

—तो फिर ये यहां कैसे आई ?

—आज की इस पार्टी में तो केवल आला अफसर और उनकी फेमलीज हो आई थी।

—'क्या सोचने लगे ?'

—'सोच रहा हूं···आज रात का रेस्ट आपके साथ ही लिया जाये।'

—'वैलकम !'

और उसने अपनी लम्बी कलात्मक अंगुलियो वाला हाथ बढ़ाकर कार का दरवाजा खोल दिया। बांड ने पल भर के लिये कुछ सोचा—

तभी उसने मार्क किया वह नव युवती बांड को भाप रही थी। बांड ने मुस्कराते हुए बात आगे बढ़ाई—'कहां ले चलोगी ?'

—'जन्नत में।'

—'जन्नत !'

—'यस···कभी मैंने सोचा था कि···।' उसने बात अधूरी छोड़ दी—तथा आगे बोली—'वह मैनेजर क्या कह रहा था ? क्या कुछ मेरे बारे में ?'

'ओह ! मैनेजर···नहीं···तुम्हारे बारे में···? नहीं ?'

उसने कार की गति बढ़ाई और तेज गति से उस आलीशान इमारत के डेनबरा के विशाल गेट से बाहर निकल गई।

पानी झमाझम बरस रहा था। तारकोल की सड़क पर स्ट्रीम लाइट धूमिल होकर फैली हुई थी। ढलान होने से उसने कार का इंजिन बन्द कर दिया था। गाड़ी तेजी के साथ लुढ़क रही थी। बांड ने डेनबरा इमारत की ओर निरुद्देश्य हीं देखा—

प्रतीत हुआ इमारत के भीतर तूफान घुस गया है। और उस इमारत को कागज के खोखे की तरह हिला रहा है।

इमारत के भीतर की तमाम रोशनियां जैसे नाच रही थी।

एक बार फिर बांड का दिमाग गड़बड़ा सा गया। उसकी आंखो के आगे मैनेजर का चेहरा घूम गया।

—आखिर वह ऐसा क्यों कह रहा था कि···

—'आप कुछ बोलेगे नहीं ?'

बांड कयामत ढाने वाली हसीना की तरफ एक बार फिर देखा। और भूल गया सभी कुछ। सचमुच वह थी ही इस कदर हसीन। यह सच है कुछ सूरतें होती ही हैं ऐसी, जिन्हें देखकर सभी कुछ कुर्बान कर देने में भी हिचक महसूस नहीं होती।

कार चलाते हुए उसने अपना एक हाथ बांड के कन्धे पर रखा। यह स्पर्श बांड के दिल के तारों को जैसे झनझना गया। बांड ने उसके हाथ को अपने हाथ में लेकर चूम लिया। उस हसीना की नासिका थोड़ी सी फूली और फिर सिकुड़ गई।

वासना उभड़नें का यह भी एक प्रतीक है। वह कुछ बांड

की तरफ झुकी और बांड ने उसके गाल पर अपने चुम्बन की सील लगा दी। सिसकार उठी वह !

बांड को भी लगा जैसे उसका दिखलाई देता फूल सा सुन्दर मुलायम गाल पत्थर का बना हुआ हो।

गाड़ी तीर की सी गति से भाग रही थी। बरसात उसी तरह पड़ रही थी। यकायक बिजली चमकी उसकी नीली रोशनी में उस हसीना का चेहरा भी नीला हो गया।

उसकी फैली हुई आंखों को देखकर बांड ने पूछा—

—'व्हाट हेयन डार्लिंग ?'

—'नथिंग…।' वह मुस्कराई। मुस्कराते हुए उसने कार की गति कुछ और बढ़ा दी।

कार की गति इस कदर तेज थी कि बाहर के दृश्य केवल एक अन्धेरी चादर के रूप में दिखलाई दे रहे थे।

लहराती हुई कार ने जाने कितने मोड काटे। कितना लम्बा रास्ता पार किया। बांड को कुछ भी पता नहीं।

यकायक कार रुकी। कार का दरवाजा खोलने के पूर्व उसने बांड की ओर भर नजर देखा। मुस्कराई। फिर दरवाजा खोल कर बाहर निकलते हुये बोलीं—

—'वैलकम—'

बांड उसके पीछे उतरा। चारों तरफ अन्धेरा। झाड़ियां झंखाड़ियां। वीराना। अभी वह कुछ कह पाता कि वह ही बोली—

'इन झाड़ियों के पीछे मेरा मकान है। आइए।' कहते हुए वह चल दी बांड चाह कर भी कुछ ना कह सका।

उसके पीछे चलते हुए वह इस वक्त दहशत सी अनुभव कर रहा था। उसके पैर कहीं के कहीं पड़ रहे थे। परन्तु वह हसीना ऐसे चल रही थी जैसे उसकी आंखों में हजार-हजार व्हाट के बल्ब जल रहे हो।

बांड ने एक दो बार उसके पीछे चलते हुए उसे पुकार कर

कुछ कहना चाहा लेकिन कह नहीं सका।

एक खण्डहर नजर आते ही वह बोली—'यह रहा मेरा मकान।'

बांड के भीतर दहशत सी भरती चली गई। खण्डहर देख कर स्पष्ट था कि यहां कोई शरीफ आदमी रहने से रहा।

वह वास्तव में आलीशान हवेली नुमां मकान था। उसका बहुत सा भाग गिर चुका था। हवेली के ठीक सामने एक विशाल गेट था जो थोड़ा सा खुला था। उसी में से उसने प्रवेश करते हुए कहा—

'वैल कम!'

हवेली में अन्धेरा था। घना अन्धेरा। ऊपर से पड़ी बारिश ने यहां का जर्रा-जर्रा धो दिया था। हवा का रूख ज्यों का त्यों था, हां पानी गिरना बन्द हो चुका था।

बांड भी उसके पीछे दाखिल हो गया।

हवेली के सामने की प्रमुख लान पानी से तर थी। और उस पर पड़ा कूड़ा करकट बुरी तरह भीगा हुआ था। लान से लगा दरवाजा था खुला हुआ। वह वहां खड़ी होकर बांड की तरफ देखी। तभी बांड ने टार्च की रोशनी की।

—'घबराइयेगा नहीं, भीतर एकदम फर्स्ट क्लास है।'

बांड ने मुस्करा दिया लेकिन वह मुस्कराहट संदिग्धताओं से भरी हुई थी।

एक लम्बा सा गलियारा सा लाघकर जब ये दोनों आगे बढ़े तो एक जीना जमीन के भीतर उतरा हुआ था। वह जीना उतरने लगी। एक दो घुमाव उतर कर फर्श के तीन ओर तीन दरवाजे नजर आये। एक पर परदा झूल रहा था। और दूसरी ओर हल्की रोशनी चमक रही थी।

अभी वह परदा हटाकर बांड को आमंत्रित कर पाती कि बांड की नजरों ने देखा—

कोई तो भी परदा हटते ही वहां से तेजी के साथ हटा पर

प्रतीत हुआ कोई अपसरा थी जिसकी मदमस्त आंखों ने बांड को देखा और दहशत भाग गई ।

ठगा सा खड़ा रह गया बांड !

—'व्हाट हेयन ?' हसीना ने पूछा ।

—'भीतर कोई और भी है ?'

—'वह मुस्करायी बोली—'नहीं, क्यों ?'

—'मुझे ऐसा लगा ।' बांड ने कहा ।

वह खनखनाकर हंसी । और भीतर दाखिल हो गई ।

बांड की नजरें फटी की फटी रह गई । भीतर का साजो सामान आज से हजार या दो हजार पूर्व के बासिन्दों की तरह था । नक्काशीदार पलंग, पलंग पर बिछावन तथा दीवारों पर टंगी पेन्टिगस ! एक ओर को जल रही बहुत ही मोटी मोमबत्ती ।

यहां आते ही उसका दिमाग बुझ सा गया था । जैसे सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो गई थी ।

वह, बांड की परेशानी पर एक बार फिर खनखनाकर हंसी उसकी इस हंसी ने बांड का दिमाग खराब कर दिया । वह गुर्रा कर बोला—

'युवर नेम ?'

'एलिजा बेथ ?'

'व्हाट ?'

'यस···ऐलिजा बेथ !'

बांड घूर कर देखता रहा । कुछ देर बाद बोला—'काम ?'

'मिस्टर बांड, जासूसी की आदत हर जगह अच्छी नहीं होती प्यार के सिलसिले में भी जासूसी···तो···तो···जायका ही बिगाड़ देती है । सोचो जरा···।'

वह पलंग पर बैठ उई । बैठकर उसने अपने आपको तकिये के सहारे टिका कर टांगे फैला दीं । टांगे फैलाने से स्कर्ट कुछ टंगा सा रह गया ।

मासल पिंडलियों से लेकर जंघाओं तक का भाग चमकता हुआ दिखलाई दिया।

बांड देखकर भीतर ही भीतर मोम की तरह पिघलने लगा आंखों की पुतलियां जंघाओं पर जाकर टिक गई।

एलिजा ने नजाकत के साथ लम्बी आवाज में कहा—'ओह…बांड…कम टू मी डियर।'

उसने दोनों हाथ फैलाये !

बाण्ड आगे बढ़ा। लेकिन आगे बढ़ते हुए उसके रोंगटे खड़े हो गये।

उसे लगा, वह भीतर ही भीतर छटपटा रहा है।

ऐसा तो उसके साथ कभी नहीं हुआ?' फिर आज क्यों ?

—'प्लीज आओ ना…।'

—'एलिजा…।'

—'यस…।'

—'कुछ पिलाओगी नहीं।'

—'ओह ! सिली…मेरे सामने रहते हुए भी तुम्हें पीने की जरुरत होगी ?'

—'फिर भी…।'

—'मैं तो पूरी…तरह नशे में हूं। गाफिल हूं।'

बाण्ड सिर्फ उसकी तरफ देख रहा था। चलते हुए उसके मस्तिष्क में मैनेजर की तस्वीर उभर रही थी। उसकी हिदायत गूंज रही थी। उसने भी तो पूछा था—

कि मैनेजर उसके बारे में क्या कह रहा था ?

आखिर इसने ऐसा क्यों पूछा था ?

वह, उठी और परदा हटाकर दूसरी तरफ चली गई। बाण्ड ने अपने सिर को एक गहरा झटका दिया। और उसके पीछे झपटा।

परदे को थोड़ा सा हटा कर बांड ने उस पर अपनी नजरें फिक्स की।

वह अलमारी खोलकर शराब की बोतलें निकाल रही थी अलमारी बाबा आदम के जमाने की थी। और ऐसा लग रहा था जैसे सदियों से उसे खोला ना गया हो। बांड की नजरें तभी कांप कर रह गई। एलिजा का जिस्म बुरी तरह कांप रहा था। बांड को लगा। एलिजा हड्डियों का एक पिंजर है। और उस पर स्कर्ट आदि कपड़े टांग दिये गये हैं।

वह घूमी !

उसकी आंखों में चमक थी लेकिन हिंसक पशु जैसी चमक ! हालांकि बांड इस बीच वापस आकर पलंग पर बैठ गया था। लेकिन वह डर रहा था। जैसे उसकी चोरी पकड़ ली गई हो।

बांड ने नजरें उठा कर उस पर्दे की ओर देखा—

जहां से वह आने वाली थी।

बांड ने देखा—

हाथ में ट्रे लिये खड़ी एलिजा उसी की ओर देख रही थी। उसकी आंखों की चमक जो हिंसक थी इस वक्त पूरी तरह बांड पर फिक्स थी।

बांड ने तुरुप चली—'डार्लिंग एलिजा खड़ी क्यों रह गई ?'

'मिस्टर बांड, मुझे अविश्वास कतर्क पसन्द नहीं।'

'लेकिन मैनेजर ने तुम पर अविश्वास तो नहीं किया ?'

'फिर मेरे पीछे क्यों आये थे ?'

'तुम्हारी सुन्दरता ही ऐसी है कि में तुम्हें अपनी आंखो से ओझल करने में असमर्थ हूं।'

वह कटाक्षपूर्ण मुस्कराहट के साथ बोली—'रिअली ?'

—'य···स।' बड़े ही दावे के साथ वह बोला।

उसने ट्रे पलंग पर रखी। ट्रे में आज से हजारों साल पुराने जाम जो स्वर्ण निर्मित थे। शराब का पात्र भी आदि कालीन ही था।

'शराब, काफी पुरानी है।'

'यस···हजारों साल पुरानी। आश्चर्य हुआ होगा। लेकिन आश्चर्य की बात नहीं है।'

बांड सिर्फ देख रहा था।

वह आगे बोली—'मुझे पुराने पल से प्यार है। पुराना दोस्त जितना अजीज है। उतना दुश्मन भी। मैं, उसे छोड़ूंगी नहीं।'

'किसे ?'

वह, बांड के सवाल पर सतह ली। सम्हल कर बोली—'पुराने पन को पुराने पन में ठोस पन होता है ना ?'

'तुम यहां कब से रह रही हो ?'

'एक जमाने से। लेकित तुम्हें ऐसा कुछ नहीं पूछना चाहिये।

'क्यों ?'

'क्योंकि यदि मैंने उस सवाल का जवाब ना किया तो तुम बुरा मान जाओगे। और मैं नहीं चाहती तुम बुरा मानो।'

बांड ने हंसने की कोशिश की।

तभी–एक कड़कदार हंसी की आवाज गूंजी। बांड ने उछल कर खड़े होते हुए कड़कदार आवाज में कहा—

'कौन है ? सामने आओ।'

एलिजा का चेहरा पीला पड़ गया। आंखों की सुन्दरता सूखने लगी। नजरों में कोफ्त और बढ़ गया।

'बांड लो शराब पिओ।'

'अभी यहां कोई हंसा। यहां किसी की हंसी गूंजी।

—'हां, कभी–कभी यहां ऐसा होता है।'

—'क्यों ?'

—'क्या पता ?'

—'तो मुझे यहां आने पर जो ऐसा लगा था कि कोई यहां था तो क्या वह भी सही था। मेरे कहने का मतलब यह कि यहां—क्या ऐसा भी, कभी–कभी होता है।'

—'हां···।'

फिर तुमने उस वक्त इन्कार क्यों किया था ?

'ताकि कहीं तुम डरकर भाग ना जाओ।'

'तुम्हें डर नहीं लगता।'

'नहीं !'

'क्यों ?'

'बाण्ड, मैं यहां रहते-रहते ऐसी बातों की आदी हो चुकी हूं। और फिर मेरा वक्त आ रहा है।'

'कैसा वक्त ?'

'लो शराब पियो।'

'कैसा वक्त ?' बाण्ड का रूख कुछ सख्त हो उठा।

'पहले शराब पियो बाण्ड, मेरी आत्मा की प्यास बुझाओ फिर बताऊंगी। सभी कुछ बताऊंगी।'

कहते हुए उसने जाम, बाण्ड के मुंह के पास अड़ा दिया। बाण्ड ने गौर से उसके चेहरे पर नजरें गड़ाते हुए जाम ले लिया।

जाम में से शराब की खुशबू अजीबोगरीब थी। गजब की मिठास लिए हुए।

वह अधिक देर अपने को नहीं रोक सका। उसने होंठो से जाम लगाया और गटगटाकर पी गया। वह शराब हलक में ज्यों ज्यों उतरती गई त्यों-त्यों बाण्ड को लगता गया कि उसके हाथ पांव पूरा जिस्म कागज का होता जा रहा है।

वह चाहे तो हवा में उड़ सकता है। चांद और सितारों की सैर कर सकता है। बादलों पर बैठकर मनचाही दिशा में उड़ सकता है। वह आदमी नहीं पक्षी है। पंक्षी नहीं एक अजीबो-गरीब जन्तु है।

यह क्या हो रहा है उसे ? यह क्या हो रहा है उसे ?

लेकिन इसके आगे वह नहीं सोच सका। उसकी आंखों के आगे मुस्करा रही थी हसीना एलिजाबेथ।

●●●

बाण्ड की आंख खुली तो वह चौंक पड़ा। उसके मुंह से निकला—

'ओह !'

इस शब्द को सुनते ही तीन-चार नर्सें बांड की ओर झपटकर आईं। उन्होंने बांड को सम्भाल लिया। पहले तो बांड को नर्सों द्वारा ऐसा करना अजीब सा लगा। लेकिन फिर उसे इस बात का एहसास हुआ कि उसे यदि सम्भाला ना जाता तो—

तो शायद वह गिर जाता। और गिरकर शीशे की तरह टुकड़ों में विभक्त हो जाता।

वह लम्बा लेट गया, नहीं लिटा दिया गया। तभी 'एम' ने प्रवेश किया। बांड की पुतलियों पर चिन्ताग्रस्त, परेशान 'एम' की सूरत उभरी।

'बांड, मायसन, हाऊ आर यू ?'

बांड कुछ देर फटी-फटी आंखों से 'एम' की ओर देखता रहा। और फिर उसने अपनी आंखें बन्द कर लीं।

डाक्टर की आवाज बांड ने सुनी—

'मिस्टर 'एम' अभी आपकी ऐसी कोई बात मिस्टर बांड से नहीं करनी होगी जो उसके दिमाग पर बोझ बने।'

'आलराइट डाक्टर !'

—'सही स्थिति में आते ही मैं, आपको फोन करूंगा।'

—'थैंक्यू !'

और फिर 'एम' के जूतों की दूर जाती ध्वनि बाण्ड सुनता रहा।

—'आखिर वह यहां आया कैसे ?'

—'उसे हुआ क्या ?'

—'हां-हां जिब्राल्टा का प्रेत ! वह उस मिशन पर गया था। वहां उसने सभी कुछ तबाह कर दिया था। वह वहां से अकेला ही स्वदेश के लिए वापस हुआ था।'

लन्दन एयरड्रोम पर उसको रिसीव करने स्टाफ के सभी लोग आये थे। उनमें सेक्रेटरी मिस रूबी भी थी। फैली-फैली आंखों से देखते हुए।

उसने एकान्त पाते ही रूबी को छेड़ा था—'मिस रूबी पूरे स्टाफ को मेरी सफलता पर खुशी हुई है। लेकिन तुम्हें नहीं।'

'कहीं घोस्ट भी असफल होते हैं। तुम भी किसी जिन्दा प्रेत से कम हो। बल्कि जिन्दा प्रेत मरे हुए प्रेत की अपेक्षा ज्यादा शक्तिशाली होता है, खतरनाक होता है।'

'तो मैं, खतरनाक हूं ?'

,इसमें क्या शक है ?'

'तब आपकी रात मैं यानि कि जिन्दा प्रेत तुम्हारे फ्लैट पर आ रहा है। सावधान रहना। दरवाजे और खिड़कियां चाहो तो बन्द रखना।'

—'नौ···मिस्टर बांड, नौ···आयएम सौरी।'

—'नौ सौरी !' उसने कहा था और वह आगे बढ़ गया था तेज कदमों से। तभी एक आफिसर ने करीब आकर कहा था—

'मिस्टर बांड, मिस रूबी आपकी ओर भागी आ रही है।'

बाण्ड ने घूमकर रूबी की ओर देखा था। उसके करीब आते ही बांड ने आफिसर से कहा—'आफिसर, जब ऐसी नाजनीनें बांड का ईमान खराब करने के लिये पीछे पड़ी रहें। तब भला बेचारे बांड का क्या दोष ?'

'तो क्या मैं तुम्हारे पीछे पड़ी हूं।'

'आफिसर गवाह है।'

'मैं तो सिर्फ इतना कहने के लिये तुम्हारी तरफ तेजी से आई हूं कि यदि तुमने मेरे फ्लैट पर आने की कोशिश की तो मैं—मिस्टर एम० से तुम्हारी शिकायत जरूर करूंगी। और एम० मेरी शिकायत पर गौर करेंगे ही। क्योंकि माय फादर इज···।

बांड ने उसके होंठो पर अंगुलियां रख दीं। साथ ही बोला—'आय नो युवर फादर।'

बांड आगे बढ़ गया। आफिसर रूबी की सूरत देखता रह गया। और जब रूबी कन्धा उचकाकर एक ओर को चल दी—तो आफिसर खिलखिलाकर हंस पड़ा।

इस बीच बाण्ड ने आंख खोल दी थीं और वह अपने कमरे के वातावरण को देखकर सुन रहा था।

वह यकीनन हास्पिटल में था। और फिर धीरे-धीरे उसकी आंखों के आगे कैडेनबरा इमारत के विशेष हाल में खुफिया विभाग तथा पुलिस के विशिष्ठ लोगों का जमघट याद आ गया। और फिर एक के बाद एक तमाम बातें याद आती चली गई।

और एकबारगी ही शराब की वह मीठी खुशबू उसके दिल दिमाग में गमक उठी।

एक डाक्टर ने प्रवेश किया। करीब आकर सहृदयता तथा सहानुभूति से उसने पूछा—

'हैलो बाण्ड अब कैसे हो?'

'वैल डाक्टर!'

'गुड...!'

'डाक्टर...!'

'य...स!'

'मैं, यहां कैसे आया?'

डाक्टर मुस्कराया। बोला—'मैं तो सिर्फ इतना कह सकता हूं कि तुम्हें पुलिस जीप लेकर आई। और मैं कुछ भी नहीं कह सकता। दूसरी बात मिस्टर बाण्ड, आपको अपने दिमाग पर अभी अधिक जोर नहीं डालना चाहिये।'

'क्यों डाक्टर?'

मिस्टर बाण्ड, इसका जवाब अभी तुम्हारी सेहत के लिये अच्छा नहीं है।'

बाद ही उसने इन्जैक्शन दिया। इन्जैक्शन लगते ही उसे नींद आई। और वह सो गया।

× × ×

हास्पिटल के जिस कमरे में बांड लेटा था उसके चारों तरफ पुलिस का सख्त पहरा था। एक निश्चित डाक्टर तथा स्टाफ था जो मिस्टर बांड की सेवा में था। स्टाफ के अतिरिक्त 'एम' को छोड़कर किसी का भी प्रवेश निषेध था।

हास्पिटल की बाउण्ड्री वाल के करीब, किनारे-किनारे लगे दरख्तों के पीछे छुपकर खड़ा एक युवक इस ओर देख रहा था। दूसरा आदमी बाउण्ड्री वाल के दूसरी ओर खड़ा था।

'कमआन, खड़े-खड़े देखने से कुछ भी नहीं होगा।'

'फिर भी मैं चाहता था कि शायद वह दिख जाये।'

'छोड़ो! मुझे शक है कहीं तुम पर किसी की नजर ना पड जाये।'

वह बाउण्ड्री वाल पर से कूद गया। कूद कर दोनों ने रेस लगा दी।

हास्पिटल के पीछे गली थी। जो एकदम निर्जन थी। इस पतली गली से लगा सरकारी गोदाम था। तथा दूसरी तरफ हास्पिटल की बाउन्ड्री वाल।

एक के बाद एक, दोनों गली से निकलकर सड़क की फुटपाथ पर आ गये। फुटपाथ से लगी एक काली कार खड़ी थी।

दोनों कार की तरफ बढ़े और आराम से उसमें बैठकर चल दिये। कार भाग रही थी।

कार चलाते हुये उनमें से एक ने कहा—

'अब आखिर किया क्या जाये?'

'घबराने की जरूरत नहीं है।'

'अच्छा! गोया यह काम हंसी खेल है।'

—'बिल्कुल···!'

दोनों के बीच कुछ देर मौन बोलता रहा। कार भागती रही। और तभी उनमें से एक चौंक पड़ा—'थामसन···।'

कार ड्राइव करते थामसन ने उस मिरर में देखा जिसमें

पीछा करती हसीना नजर आ रही थी।

गौरे चेहरे पर बड़े-बड़े गिलासों वाला चश्मा । सुडौल नासिका और पतले होंठ । वह बाकायदे कार का पीछा कर रही थी ।

—'विक्टर...क्या इरादे हैं ?'

'चीज जोरदार है। क्यों ना थोड़ी सी मुहब्बत की है ?'

—'मैं भी ऐसा ही सोचता हूं। तो ले लूं अपने एरिये में।'

विक्टर ने मुस्कराते हुए मिरर मैं उसे एक नजर देखा। और तभी थामसन ने कार का रूख लन्दन की उस घनी बस्ती की ओर मोड़ दिया।

जहां नैतिकता और अनैतिकता के बीच अन्तर नाम की चीज रह ही नहीं गई है।

कार सरपट भाग रही थी। सड़क के दोनों ओर पहले तो कार मैकेनिकों की दूकानें फिर घटिया चाय की दूकानें और फिर कच्ची शराब के भभकों वाला इलाका शुरू हो गया।

तभी विक्टर चीखा—

—'अबे रोक...।'

—'वह कहां गई ?'

—'पीछे ही होगी।'

—'खैर ! कार रोक !'

थामसन ने गति कम कर दी। तभी एक अजीबोगरीब वाकया गुजरा। थामसन की आंखें फटी की फटी रह गईं। उसे पूरी ताकत से ब्रेक मार देने पड़े। ब्रेक मारते ही—

विक्टर का सिर सामने स्विच बोर्ड से टकरा गया। अभी वह एक भद्दी सी गाली देना ही चाहता था कि उसके होश जैसे उड़ गये।

ठीक गज भर के फांसले पर खड़ी थी वह हसीना जो इनकी कार का पीछा कर रही थी। वह अपनी ब्राउनकलर गाड़ी से टिकी पाइप पी रही थी।

उसकी बड़ी-बड़ी आंखें चश्मे में से झांक रही थीं। और इन दोनों पर फिक्स थीं। उसने अपने दोनों हाथ पीछे की ओर मोड़ रखे थे। सीना उभरा हुआ था। तना हुआ सीना देखकर दोनों की तबियत कुछ खराब हो उठी थी। परन्तु उसके तेवर खतरनाक थे। खतरनाक इरादों वाली हसीना कौन है?

जहां यह सवाल अहं था। वहीं यह बात भी मद्दे नजर नही की जा सकती थी कि—

ये सिर्फ पीछा नहीं करना चाहती थी। कहीं कुछ पाठ पढ़ाने का भी इरादा रखती थी।

विक्टर और थामसन ने चोरी-चोरी एक दूसरे की तरफ देखा। एक दूसरे को उन्होंने भांपा तब विक्टर उतरकर उसके सामने पहुंचा। अब वह हसीना विक्टर को घूर रही थी।

'मिस, आपने रास्ता क्यों रोक रखा है?'

वह नहीं बोली। सिर्फ देखती रही।

हौंसला कुछ और बढ़ा विक्टर का। उसने ऊंची आवाज में कहा—'मिस, मैं, आपसे कह रहा हूं, रास्ता क्यों रोक रखा है?'

उसी अदा के साथ पाइप का धुंआ उड़ाते हुये उसने अंगुली के इशारे से करीब बुलाया। विक्टर कुछ सिटपिटाया। लेकिन आगे बढ़ा और तभी—

विक्टर के मुंह से एक हल्की चीख फटी। वह गुर्राया। और चक्कर खाकर, जहां खड़ा था वहीं जमीन पर लम्बा हो गया।

थामसन ने यह सब अपनी आंखों से देखा था कि कैसे विक्टर उसके करीब पहुंचते-पहुंचते जमीन पर लम्बा हो गया। उसे पसीना छलछला आया। लेकिन यह सब हुआ कैसे? वह सोच रहा था। हसीना उसी तरह अब भी खड़ी थी। और अब उसका शिकार थामसन था।

उसने अब मुस्कराकर थामसन की ओर देखते हुए अंगुली का इशारा किया।

लेकिन थामसन ने इस बीच कुछ और सोच लिया था। कार का इन्जन चालू था। उसने पूरी स्पीड पर कार बैंक की और सामने खड़ी हसीना को निशाना बनाकर उसने कार छोड़ दी।

कार टकराये कि इसके पूर्व थामसन कार के बाहर था। और जब वह धूल झाड़ते खड़ा हुआ तब तक एक भयंकर एक्सीडेन्ट गुजर चुका था। इस एक्सीडेन्ट में विक्टर की लाश उसकी कार से बुरी तरह कुचल चुकी थी। और सामने खड़ी कार टक्कर से उलटकर फिर सीधी हो गई थी।

और जैसी कि थामसन को उम्मीद थी कि हसीना को उसके किये की सजा मिल चुकी होगी—वैसा कुछ वहां दिखलाई नहीं दिया।

वह हसीना वहां नहीं थी।

अभी थामसन आशंकाओं से घिरा यहां वहां देख ही रहा था कि उसकी पीठ पर एक जोरदार हुद्दा लगा। वह सम्भल नहीं सका और बेलाग गिरा।

अभी वह उठ भी नहीं पाया था कि हसीना ने इत्मीनान से पाइप पीते हुए कहा—

'थामसन, सीधे चलोगे या जोर जबरदस्ती।'

'कहां जाना होगा।'

'यह मुझे पता है।

'लेकिन तुम हो कौन? और मुझे ले जाने से मतलब?'

—'देखो, लोग घरों से निकलकर इस ओर को आ रहे हैं। जल्दी चलते हो, या तुम्हें भी विक्टर के पास पहुंचाऊं।'

थामसन ने देखा, विक्टर क्षत-विक्षत पड़ा था और वह अपनी दुर्गति को कैसे पहुंचा वह समझ भी नहीं सका था।

—'कम आन'''।'

वह आगे चली। करीब से गुजरते हुये उसने कहा—'मेरी तो आंखें पीछे भी हैं। धोखा करोगे तो यहीं मरोगे''कुत्ते की मौत! अन्डर स्टेण्ड?'

थामसन के पास रिवाल्वर भी था, लेकिन वह उसका सहारा भी नहीं ले सका।

वह ड्राईविंग सीट पर बैठी। थामसन पीछे बैठा और कार फिर चल दी।

थामसन की अक्ल खराब थी। इतनी भयंकर टक्कर खाकर भी हसीना की कार ज्यों को त्यों थी। उसी गति से भाग रही थी।

कार ड्राइव करते हुये एक बार हसीना ने मुड़कर घटना-स्थल पर नजर फेंकी—

लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही थी। वह मुस्करा दी। फिर पलटकर थामसन से उसने कहा—

—'डियर, सुल्फा पीते हो।'

वह चौंका—'जी!'

—'सुल्फा पीते हो?' वह कड़ककर बोली।

—'जी! कभी-कभी।

और हसीना ने सिगरेट केस खोलकर एक सिगरेट उसकी ओर उछाल दी।

—'लाईटर तो तुम्हारे पास होगा ही।'

उसने केवल देखा, जवाब किसी भी प्रकार का उसने दिया नहीं। वह, मुस्कराती रहीं और जब थामसन लाईटर निकाल रहा था—

'गलत, एकदम गलत···थामसन। ऐसा इरादा भी मत करना। कोई बात नहीं···रिवाल्वर निकालकर मुझे दो।'

थामसन ने रिवाल्वर निकालकर उसकी ओर बढ़ा दिया। बाद ही उसने सिगरेट सुलगाई। एक लम्बा कश खींचा और कश खींचने के बाद ही—

वह अपनी जगह बेहोश हो गया।

हसीना ने अपने चारों तरफ का वातावरण देखा वह एक बस्ती के नीचे से गुजर रही थी। रास्ते के दोनों ओर गन्दे लोग

आ जा रहे थे। मछली और सस्ते प्रकार के गोश्त पकने की खुशबू, गमक दूर-दूर तक फैली महसूस हो रही थी।

उसने गति कुछ और तेज कर दी।

देखते ही देखते बस्ती छूट गई और कब्रिस्तान नजर आने लगा। अब उसनें कार कब्रिस्तान की ओर जाने वाली कच्ची पगडण्डी पर मोड़ दी।

काफी आगे जाकर सुनसान इलाके के घने दरख्तों की ओट में, उसने कार रोकी। पाइप पीते हुए उसने चारों तरफ दूर-दूर तक देखा—

और फिर थामसन के हाथ पकड़कर उसने उसे कार से बाहर जमीन पर खींचकर डाल दिया। फिर डिक्की खोली। डिक्की खोलकर उसने थामसन को घसीटा और डिक्की में ठूंस दिया।

यह सब करने में उसे अधिक से अधिक पांच मिनट लगे होंगे। डिक्की बन्द करके उसने गहरी सांस ली और ड्राइविंग सीट पर बैठकर पुनः चल दी।

कार चलाते हुये जब वह कब्रिस्तान की ओर से वापस हो रही थी तो सीरियस थी। तेजी के साथ वह सोच रही थी। जैसे किसी खास मुद्दे पर पहुंचना चाहती थी।

× × ×

उसकी आंखें कंजी थीं। चेहरा पतला था और उस पतले चेहरे पर लम्बी, कुछ उठी हुई नाक उसे कुछ और बदसूरत सा बना रही थी। शरीर से वह लम्बा था तथा दुबला होने से और भी लम्बा दिखलाई देता था।

काले रंग के सूट में कीमती शू चमकाता फर्श पर बिछे गलीचे पर टहल रहा था। वास्तव में वह बेचैन था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे ?

कमरे में प्रायः सभी साजो-सामान माडर्न था। लगता था वह धनी व्यक्ति है। वह कमरे से ऊब कर अभी दरवाजे की

तरफ बढ़ा ही था कि फोन की घंटी बज उठी।

वह घूमा और उसने फोन की तरफ देखा। उसकी नजरों में परेशानी झलक रही थी।

घंटी बजती ही चली जा रही थी। उसने कुछ दृढ़ निश्चय किया और तेज कदमों से करीब पहुंचकर उसने फोन रिसीवर उठा लिया।

—'हैलो···स्पीकिंग।'

—'जहां तक मैं समझती हूं तुम राबर्ट हो।'

—'कौन हो तुम ?'

—'इट मीन्स, इट इज स्योर···यू आर राबर्ट ?'

—यू···।' और उसने फोन पटक दिया।

राबर्ट की कंजी आंखें गोल-गोल घूमने लगीं। नथने फड़-फड़ाने लगे। साथ ही जबड़ा कुछ भिंच सा गया, जिससे उसके दांत जो लम्बे थे बाहर को झांकते से दिखलाई दिये।

फोन फिर से खनखना उठा। उसने एक बार फिर घूमकर देखा तथा झटके में रिसीवर उठाकर बोला—'हैलो···।' आवाज उस कुत्ते को मात कर रही थी जो बहुत देर से भौंक रहा हो और अब आऊं···आऊं कर रहा हो।

—'राबर्ट···।' कोई दूसरी तरफ से गरजा।

इस गरजदार आवाज को सुनते ही राबर्ट की पिंडलियां जैसे पस्त पड़ गयीं। वह घिघिया पड़ा।

—ओह ! आप···सर···सौरी···सर, मैं···मैं···कुछ और समझा था।

—'क्या···क्या समझे थे तुम···!'

—'जी कोई बेहूदी जनाना आवाज थी। कोई लेडी···जी हां···कोई लेडी बोल रही थी।'

दूसरी ओर से बोलने वाले को जैसे सांप सूंघ गया था। राबर्ट भी कुछ सोच ही रहा था कि तभी पुनः आवाज गूंजी—

'राबर्ट, मैं समझ गया। तुम अपने भेजे को ठंडा रखकर

काम करो। समझो। मैंने फोन सिर्फ इसलिये किया है।'

—'जी !'

—'वह लड़की कोई और नहीं, वही होगी। समझे जिसने हमारे एक साथी को कुचल डाला तथा दूसरे को ले भागी। बी. केअर फुल।'

रिसीवर रखने की आवाज राबर्ट ने बखूबी सुनी और क्रेडिल पर रिसीवर रख दिया।

वह हताश सा हो उठा—'मेरा नाम राबर्ट है, मैं किसी भी कीमत पर छोड़ूंगा नहीं।'

इन शब्दों के साथ ही कमरे की खिड़की का शीशा खनखनाकर टुकड़े-टुकड़े हुआ। राबर्ट अभी इस ओर देख ही सका था कि दूसरा शीशा ऊंचाई वाला टूटा। उस ऊपर वाले शीशे के चौकोर खाने में एक हसीन सूरत, फ्रेम की तरह जड़ गई तथा नील वाले खाने में रिवाल्वर आकर जैसे फिट हो गया।

रिवाल्वर का रूख राबर्ट की तरफ था। हसीन सूरत पर जो चश्मा चढ़ा था उनमें से झांकती आंखों में क्रोध की चरम सीमा थी।

राबर्ट को पसीना छलछला आया। अब वह अपलक कभी हसीन सूरत की ओर देखता कभी रिवाल्वर की ओर जो आग उगलने के लिये कभी भी तैयार था।

—'कौन हो तुम ?' राबर्ट ने गरजने की कोशिश की।

वह हंसी। और हंसते हुए बोली—

—'राबर्ट, मैं विक्टर की मौत हूं। थामसन की मौत हूं। तुम्हारी भी मौत बन सकती हूं।'

—'मैंने पूछा कौन हो तुम ?' राबर्ट पुनः गरजा।

—'रा···ब···र्ट···कुत्ता सिर्फ भौंकता है। गरजता नहीं। और यदि गरजने की कोशिश करे तो भौंकना भी भूल जाता है।'

'आखिर तुम चाहती क्या हो ?'

'यह तुम्हें पता है राबर्ट ?'

'लेकिन···लेकिन···।' राबर्ट हकलाया।

'राबर्ट !' वह गरजी। साथ ही आगे बोली—'···मैं तुम्हें खत्म नहीं करना चाहती। तुम आदमी समझदार हो। थिंक ओवर दिस मेटर।

और हां शाम सात बजे···पेटूंग गैस्ट में मिलना।'

—'लेकिन···।'

राबर्ट ना तो आगे बोल सका और ना उस हसीना ने सुना। वह पल झपकते खिड़की के चौखटों में से जड़ी हुई तस्वीर की तरह जाने कब निकल गई।

राबर्ट उछलता हुआ आलमारी के पास पहुंचा। उसने उसे एक झटके में खोला—'रिवाल्वर निकाला। और दरवाजा ज्यों ही बाहर निकला लड़खड़ाकर गिरते-गिरते बचा।

सामने खड़ी थी वही हसीना। उसने राबर्ट को घूर कर देखा।

रिवाल्वर की नली उसकी ओर सीधी की ट्रेगर पर अंगुली का दबाव बढ़ा।

राबर्ट घिघया पड़ा—'नो···नो···नो मिस···।'

—'राबर्ट···।' वह गरज कर बोली—'क्यों अपनी मौत का इन्तजाम खुद ही करते हो। अकल से काम लो। जिन्दा रहोगे। जीने का मजा लूटोगे। वरना रिवाल्वर की मुर्दा गोली तुम जैसे जिन्दा आदमी को मुर्दा बनाने के लिये काफी है।'

उसने हाथ बढ़ाया। और राबर्ट के हाथ से रिवाल्वर छूट गया। रिवाल्वर लेकर एक ओर को फेंकने हुए उसने कहा—'अच्छा राबर्ट, बाय बाय···मैं, शाम सात बजे, पेटूंग गैस्ट में इन्तजार करूंगी।'

राबर्ट ठगा सा खड़ा देखता रह गया। और वह हसीना उसकी आंखों के सामने उसे बुझदिल करार देकर गायब हो गई।

× × ×

बांड की हालत अब निरन्तर सुधर रही थी। अनेक बड़े-बड़े डाक्टर उसका निरीक्षण कर रहे थे। एम हर पांच-दस मिनट में बांड की सेहत में सुधार का चार्ट मार्क कर रहा था।

बांड, अब उठ कर तकिये का सहारा लिये बैठा था। हल्की आसमानी नाइट ड्रेस में वह फब रहा था। तभी दरवाजा खुला और डाक्टर ने प्रवेश किया।

बांड की तेवर डाक्टर को देखते ही खिंच गये। उसने तुनक कर कहा—'डाक्टर, युवर नेम प्लीज ?'

—'आय एम सर्जन···व्हीलर···।'

—'व्हाट डू यू वान्ट ?' बाण्ड ने घूरकर उसकी ओर देखा।

—'मैं, आपको एक बार चैक अप करना चाहता हूं।'

—'क्यों ?'

—'मिस्टर बांड···।' डाक्टर का दिमाग कुछ सनसना सा उठा। उसने आगे कहा—'आय एम डाक्टर, प्रोफेसन के मुताबिक जासूसी नहीं है कि आपको···।'

'आम एम वैल···नाऊ यू आर फ्री ?' बांड ने उसका वाक्य पूरा होने के पूर्व ही अपनी बात कही।

डाक्टर पल भर के लिये अवाक सा देखता रह गया। फिर वह बोला—

'लेकिन···आपको चैक अप करना जरुरी है।'

बाहर तभी भगदड़ सी मची। प्रतीत हुआ चार-पांच लोग भाग कर आ रहे हैं।

बांड की नजरें दरवाजे की तरफ घूमीं। दरवाजा खुला। बांड से बात करता डाक्टर फुर्ती के साथ घूमा। और ज्यों ही उसकी नजर एक पुलिस मेन पर पड़ी उसने पूरी गति से उस पुलिस मेन पर छलांग लगा दी।

बांड बैठा नहीं रह सका। वह उठकर तेजी के साथ खिड़की

खोल कर दूसरी ओर कूद गया।

दूसरी ओर लम्बी दालान थी। दालान से लगी वाल थी। वाल पर हाथ टेक कर बांड ने कलाबाजी दिखलाई। वह अब हरी हरी घास पर सीधा खड़ा था। उसकी नजरें अब उस डाक्टर को खोज रही थीं जो पुलिस मेन पर छलांग लगाकर, उसे धराशा ही कर भाग निकला था।

बांड ने देखा वह बूढ़ा सा दिखलाई देता डाक्टर जिसने आंखों पर चश्मा लगा रखा था तथा मुंह और नाक रूमाल से कव्हर कर रखा था। इस समय उछल-उछल कर भागने में जवानों को मात कर रहा था।

बांड के देखते ही देखते वह बन्दर की तरह उछलकर बाउन्ड्री वाल पर चढ़ा। और दूसरी ओर कूद गया।

यह वही पतली गली थी जैसे विकटर और थामसन आये थे तथा गये थे।

गली से बाहर निकलने के पूर्व इस नकली डाक्टर ने अपना व्हाइट कोट उतार फेंका था। तथा वह सफ़ेद कपड़ा जो उसने मुंह और नाक पर बाध रखा था जेब में ठस लिया था। यहां तक कि उसने चश्मा उतार कर भी जेब के हवाले किया। और अब वह सामान्य गति से आम लोगों के साथ भीड़ में भिलकर चल रहा था।

फ़ुटपाथ हर वह सीधा चलता चला गया। चौराहे से वह उस ओर मुड़ गया जिस रोड़ पर ब्लूसाइन होटल था। होटल की तरफ बढ़ते हुए वह सतर्क था। अपने पीछे वह चार-पांच बार देख चुका था कि कोई आ तो नहीं रहा है?

ब्लू साइन के गेट से प्रवेश करते हुए उसने पूरी सतर्कता बरती थी। फिर भी उसका दिल कह रहा था कि—

यदि उसके पीछे कोई नहीं लगा है तो अवश्य ही इसके बैक ग्राउन्ड में कोई ठोस वजह है।

उसने होटल के प्रमुख हाल में प्रवेश करने के पूर्व अपने

चेहरे को रूमाल से रगड़ कर पौंछा। और दाखिल हुआ—

काउन्टर पर एक हसीना काली ड्रेस में बैठी थी। काली भड़कीली ड्रेस में वह फब रही थी। लगता था वह ब्लू साइन के मालिक की बीवी है या फिर प्रेमिका।

एक नजर उठाकर उसने इस भागकर आये नकली डाक्टर की ओर देखा और कुछ फैल गई आंखों से बोली—

'व्हाट हेपन ? पसीना क्यों आ रहा है ?'

'पसीना ! नहीं तो !···ओह ! हां···।' चेहरे पर अंगुलियां फिराते हुए वह बोला—'आज कुछ गरमी है।'

हंस पड़ी काउन्टर पर बैठी हसीना—'गर्मी···!'

—'इसमें, हंसने की क्या बात है ?' वह उखड़कर बोला।

—'डियर, कल रात की बारिश के बाद मौसम में नर्मी आ गई है।

और तुम गरमी की बात कर रहे हो। हंसूगी नहीं ?'

—'फोन दो।'

और हसीना ने हंसते हुए फोन उसकी ओर बढ़ा दिया। अभी वह डायल पर नम्बर मिला ही रहा था कि—

उसकी पीठ पर रिवाल्वर की नली इतमीनान से आकर अड़ गई। वह रिसीवर हाथ में लिए रह गया। उसने गर्दन घुमा कर देखा। साथ ही उसके मुख से निकला—

—'ओह ! यू···कम आन···।' फोन रिसीवर क्रेडिल पर रखते हुए वह बोला—'मैं तुम्हें ही फोन करने जा रहा था।'

'अच्छा !' छरहरे बदन वाले ऊंचे पूरे व्यक्ति ने चले गये। आमने सामने बैठते हुए उस छरहरे बदन वाले आदमी ने पूछा—'मुझे फोन किस खुशी में कर रहे थे ?'

'यह बताने के लिये कि बांड अच्छा हो गया है। और सम्भव है डाक्टरों ने अब तक उसे बाहर निकलने की अनुमति भी दे दी होगी ?'

'तब ?'

'तब क्या ? क्या तुम अपने प्रामिज से मुकर रहे हो ?'

वह हंस दिया ।

'बोलो—' नकली डाक्टर ने पूछा—'...क्या तुम...?'

'मैं, सभी कुछ कर सकता हूं लेकिन याद रहे घोखा नहीं । और तुम एक धोखेबाज इन्सान हो तुम जैसा का साथ देकर मैं स्वयं भी तो धोखा खा सकता हूं ।'

'तुम्हें गलत फहमी है ।'

—'बको नहीं...क्या यह झूठ है कि तुमने बाण्ड को जहर का इन्जैक्शन देकर मार डालने की कोशिश की...।'

—'सी...।' होठों पर अंगुली रखकर उसने ना बोलने के लिये दबाव डाला साथ ही आगे बोला—'नैल्शन...इतनी ऊंची आवाज में बोलना छोड़ दो । अपराधी मैं, नहीं हूं तुम भी हो ।'

'हां हूं...लेकिन...।'

'मेरा नाम...जार्ज है...नैल्शन...मेरी फ्रेन्डशिप का गलत अन्दाजा मत लगाओ । काम करना है तो करो...वरना गुड बाय !'

नैल्शन उसकी बातों से प्रभावित हुआ । बोला—'बोलो क्या काम है ?'

'क्या दुबारा कहना होगा ।'

'हां...पहली बात खत्म...क्योंकि जो काम तुमने मुझे सौंपा था, वह स्वयं ही कर गुजरने की कोशिश में नाकामयाब वापस लौटे हो ।'

नैल्शन की इस बात में जार्ज का दिमाग एक बार फिर गड़बड़ा दिया । फिर भी वह खून के घूंट पीकर रह गया तमतमाये चेहरे से उसने कहा—

'बस...बोलो ।'

'अब मैं इस सहयोग के लिए डबल चार्ज करूंगा ।'

'डबल !'

'यस···!'

'सोच लो नैल्सन !'

'सोचना तुम्हें है जार्ज ! शाम सात बजे यहीं मैं इन्तजार करूंगा।'

वह कह कर उठ खड़ा हुआ। एक हाथ से परदा एक ओर को झटककर बाहर निकल गया।

खोया-खोया सा बैठा रह गया जार्ज !

—आखिर इसे कहां से पता चला कि वह बांड को प्वायजन का इन्जैक्शन देने के लिये चोरी-चोरी हास्पिटल में दाखिल होकर बांड तक जा पहुंचा।

सिवाय शेरन के यह बात किसी को भी पता नहीं थी। तो क्या शेरन ने इसे खबर की ? शेरन इसके गिरोह की है ?

यह सोचकर जार्ज भीतर ही भीतर शरम से गड़ सा उठा। जीवन में पहली बार उसने इतना जबर्दस्त धोखा खाया है। तभी वेटर ने प्रवेश किया। उसे देखते ही उसने कहा—'डबल पैग व्हिस्की।'

वेटर के जाने के बाद वह फिर सोचने लगा। सोचते हुए उसने घड़ी देखी—

'ओह, पांच !

वह उठकर खड़ा हो गया। अभी बाहर निकलना ही चाहता था कि वेटर ने प्रवेश किया। उसने उसकी ट्रे से व्हिस्की का गिलास उठाया। तीन चार घूंटों में उसने उसे खलास किया। और मुंह पोंछता बाहर निकल गया।

× × ×

बांड अभीं भी वीकनेस महसूस कर रहा था। लेकिन इतनी नहीं कि उसे किसी काम में दिक्कत हो। वह हास्पिटल से जार्ज का पीछा करता हुआ ब्लू साइन तक पहुंच गया था।

हालांकि वह चाहता तो जार्ज की गर्दन पकड़ कर, ब्लू-साइन के भीतर किसी भी दीवार से रगड़ें मार-मार कर उसको

भी बुला देता। लेकिन वह कुछ और सोच रहा था। इसीलिये वह इस समय ब्लू साइन के ठीक सामने टैक्सी की पिछली सीट पर धंसा बैठा था।

आराम भी कर रहा था तथा उसकी नजरें जार्ज की प्रतीक्षा भी कर रही थी।

एक चाकलेटी कलर की गाड़ी ज्यों ही गेट से बाहर निकली ड्राइव करते व्यक्ति को बाण्ड ने पहचान लिया। उसने टैक्सी चालक से फोर्स के साथ कहा—

—'फालो दै कार···।'

टैक्सी उसके पीछे लग गई। बांड चालक से तभी कहा—'कामरेड, माइन्ड इट्···यदि कार का पीछा करते रहने में कामयाब रहे तो ईनाम के हकदार भी रहोगे?'

—'थैंक्यू सर,···।' चालक बोला—'आय ट्राय माय बेस्ट··· एन्ड माय लक।'

टैक्सी बाकायदे पीछे लगी थी। और इस ढंग से लगी थी कि जार्ज को इस बात का गुमान भी नहीं हो सका कि उसका पीछा भी किया जा रहा है।'

लन्दन की चौड़ी-चौड़ी सड़के जल्दी ही पीछे छूट गई क्यों कि जार्ज की गाडी की स्पीड़ आम कारों की स्पीड से कम से कम दो गुणी थी।

इस समय गाढ़ी उस बस्ती की ओर भाग रही थी जिस ओर विक्टर तथा थामसन भाग रहे थे। और जिस हसीना को ये अपने चक्कर में लेकर मुहब्बत का स्वाद चखने का इरादा रखते थे उसी ने विक्टर को हंसते-हंसते मौत के घाट उतार दिया था। और थामसन को अपने साथ उड़ा ले गई थी।

जार्ज ज्यों ही सकरी गली को पार कर एक गैराज के मोड़ पर पहुंचा त्यों ही उसकी नजर टैक्सी पर पड़ गई। इसके पूर्व भी वह दो तीन बार इस नम्बर की टैक्सी को देख चुका था। लेकिन उसे शक नहीं हुआ। लेकिन अभी अभी जब उसने इस

टैक्सी की पिछली सीट पर किसी की परछाई सी देखी तो उसे शक हुआ कि कहीं उसका पीछा तो नहीं किया जा रहा।

और उसने गाड़ी फुल स्पीड पर छोड़ दी। गाड़ी गैरेज में तीर की सी गति से घुसी। और दूसरे गेट से बाहर निकल गई।

बस···बांड यहीं धोखा खा गया।

वह टैक्सी रोककर उतरा और पैदल ही गैरज की तरफ बढ़ा। गैरज के गेट मैं प्रवेश करते हुए उसने देखा कि वहां वह चाकलेटी कलर की गाड़ी है ही नहीं। साथ ही नजर गई दूसरे गेट पर। वह फौरन ही वापस हुआ।

टैक्सी में बैठते हुए उसने जल्दी-जल्दी चालक को कुछ समझाया। टैक्सी फुल स्पीड में गैरज में घुसी और दूसरे गेट से बाहर निकल गई। अब टैक्सी अवाधगति से भाग रही थी लेकिन चाकलेटी कलर की गाड़ी का कहीं भी पता नहीं था।

झुंझला उठा बाण्ड! लेकिन सिवाय इसके क्या चारा था कि वह वापस होता। अभी वह टैक्सी चालक से वापस होने के लिये कह पाता कि तभी एक साथ पांच सात फायर गूंजे।

बाण्ड पहले से ही पिछली सीट पर धंसा बैठा था। वह कुछ और धंस गया। चालक भी बाल-बाल बचा। उसने होशियारी से काम लिया। जिस ओर से फायर किये गये थे उसी ओर को उसने वेधड़क गाड़ी मोड़ दी।

गाड़ी की झपेट में एक आ गया। शेष लोग भाग खड़े हुए ड्राइवर ने इस भागते आदमी को छोड़ा नहीं···पूरी स्पीड पर इसके पीछे गाड़ी छोड़ दी।

बांड इस बीच सतर्क होकर इस दृश्य को देख रहा था। करीब पहुंचते ही बांड ने दरवाजा खोलकर भागते आदमी पर छलांग लगा दी।

टैक्सी एक ओर को रुक गई।

बांड और वह आदमी गुत्थम गुत्था काफी दूर तक लुढ़कते चले गये। उठते ही बाण्ड ने उल्टे हाथ का हत्थल उसके थोपड़े

पर पहिना दिया ।

हत्थड़ पड़ते ही खून उसके मुंह से बहा । इस बीच टैक्सी चालक ने आकर उसे एक लात जड़ दी । हाथ पकड़कर मरोड़ तथा एक झापड़ रसीद करते हुये उसने रिवाल्वर छिन लिया ।

बांड देखता ही रह गया चालक की तरफ ।

—'क्या देख रहे हैं सर ?'

—'तुम टैक्सी चालक हो ?'

वह मुस्कराया । उसने स्वीकरात्मक सिर हिलाते हुये कहा–'यस···सर···!'

'नो मिस्टर, नो···यू आरनाट आन्ली टैक्सी ड्राइवर ।'

इस कथन पर बांड और वह टैक्सी चालक आंखों ही आंखों में मुस्कराये । उसने हाथ मरोड़कर धक्का देते हुये कार की पिछली सीट पर उसे जोरदार धक्का दिया ।

वह सिर के बल कार के दरवाजे से टकराया । धच्च की आवाज हुई । और वह पिछली सीट पर औंध गया ।

इस चक्कर बाजी में कार ऊबड़ खाबड़ मैदान में धंसती चली गई थी । पहले तो उसने टैक्सी बैक की । बैक करते समय बांड और वह चालक दोनों सावधान थे । उन्हें पूरी उम्मीद थी कि दुश्मन करीब ही कहीं होगा ।

कार रास्ते पर आ गई । परन्तु फायर करने वालों का कहीं पता नहीं था ।

बांड ने टैक्सी चालक को आर्डर दिया—'कामरेड, वापस चलो ।'

'ओ० के० सर !'

जैसे वह भी बांड का मतलब समझ गया था कि इस पकड़े गये आदमी से सुराग मिल ही जायेगा ।

बांड वापस जरूर हो रहा था लेकिन सैटिस्फाइड नहीं था उन लोगों की ओर से चन्द फायर झोंककर, भाग जाने के पीछे किसी खास वजह का होना लाजिमी था ।

दूसरी बात !

वह नकली डाक्टर जिसका कि नाम जार्ज था और बाण्ड को उसके विषय में कुछ भी पता नहीं था। वह, अचानक गायब कहा हो गया।

तभी टैक्सी लन्दन के प्रमुख मार्ग पर वापस आ पाती कि अनेक रंग बिरंगी कारों के घेरे में बांड की टैक्सी आ गई। उन कारों में बैठे चेहरों पर ज्यों ही नजर पड़ी, बांड समझ गया कि 'एम' ने यह घेरा डाला है। और यकीनन उसे 'एम' की झिड़कियां सुननी पड़ेगी।

काफी लम्बा रास्ता बांड ने इन रंगीन कारों के घेरे में पार किया। एक ट्रैफिक कम रास्ते पर टैक्सी चालक को टैक्सी रोकनी पड़ी।

सामने वाली ब्लू लम्वी कार में से एक सम्भ्रान्त नवयुवती उतरी। बांड के करीब आई। उसने एक छोटी सी पासबुक, बांड की तरफ बढ़ाई। बांड ने पास बुक पर पड़े नम्बरों को तथा कोड को देखा। कन्धे उचकाये और गौर से उसकी ओर देखता टैक्सी से उतर गया।

उस नवयुवती ने इसकी जगह पर बैठते हुये कहा।

'थैंक्यू ?'

बांड उस लागेरियस कार की ओर बढ़ गया। जैसे उसे कुछ याद उसने वापस आकर उस नवयुवती से कहा—'एगिफ्ट, बैक साइड विद यू [एक तोहफा, तुम्हारे पीछे साथ में है] वीकेयरफुल [सावधान]।'

—'आय नो सर !'

और बांड के उस ब्लू कार में बैठते ही वह कार जैसे फलाई कर गई। कुछ ही पलों बाद—सांय···सांय···सांय···करती कार भाग रही थी। देखते ही देखते बांड की कार ने, एक आलीशान सात आठ मंजिली इमारत के सामने कार पार्किंग में प्रवेश किया। और फिर कार पार्किंग को लांघकर कटीले तारों

से घिरे सुरक्षित स्थान में रुकी । वहां करीब बारह फौजी, आटो मेटिक गनों से लैस खड़े थे ।

बांड को देखते ही वह फौजी सावधान की मुद्रा में खड़े रह गये । बांड कार से उतरकर इमारत के फ्लोर पर लिफ्ट द्वार की ओर बढ़ गया ।

आठवीं मंजिल पर, लिफ्ट से उतरकर बाण्ड उस दरवाजे के भीतर दाखिल हुआ जिस पर बोर्ड लगा था—इन्कम टैक्स एण्ड सैल टैक्स एडवाइजर ।

बांड के दाखिल होते ही एक लड़की ने सिगरेट का कश छोड़कर जल्दी से, भीतर की ओर जाने वाले रास्ते के द्वार पर पड़ा परदा हटा दिया ।

—'थैंक्यू···!' बांड ने कहा और तेजी के साथ चला गया ।

एक लम्बा गलियारानुमा स्थान पार करके बांड एक, कमरे में दाखिल हुआ । जो लम्बा ज्यादा तथा चौड़ा कम था । एक कार्नर पर रूबी बैठी टाइप कर रही थी ।

इस समय उसने स्लैटीकलर की ड्रेस पहिन रखी थी । कुछ-कुछ तामियां बाल, आंखों पर चमकदार एनक तथा कानों में पड़े गोल बाले ।

कुल मिलाकर आकर्षक !

बाण्ड पर नजर पड़ते ही टाइप मशीन पर टपटपाती अंगु-लियां रुक गईं । वह कुर्सी छोड़कर खड़ी हो गई । प्यार भरी नजरों से बाण्ड की तरफ देखा । फिर होले से उसने पूछा—'हाऊ आर यू··बाण्ड !'

'आयएम वैल !'

और उसने अपने सीने पर क्रास बनाकर चूम लिया ।

इस वातावरण पर बांड का दिल रूबी के प्रति प्यार से भर गया । उसने करीब जाकर रूबी का हाथ पकड़ा और चूमकर प्यार से सहलाते हुए बोला ।

'रूबी, जब तक तुम जैसी हसीन लड़कियों का प्यार मेरे साथ है। गाड में कोई ताकत नहीं कि वह अपने सामने मुझे बुला सके।'

—यू...न टो...,' मुंह बिदकाते हुए उसने माइक्रोफोन का स्विच आन किया। साथ ही बोली—

'चीफ...मिस्टर बांड इज हियर!'

एम. की आवाज गूंजी—'भेजो रूबी।'

'गो आन...मिस्टर बांड, एम. इज वेटिंग आर यू।'

बांड ने एम के कमरे में प्रवेश किया। देखते ही एम ने उठकर बांड से हाथ मिलाया। साथ ही उसी टोन में शिकायत की—

बांड, बड़ी गलत हरकत है। तुम्हें ऐसा नही करना चाहिये। जानते हो तुम्हें क्या हुआ था?'

बांड ने एम की ओर प्रश्नवाचक नजरों से देखा।

—'तुम्हें प्वायजन दिया गया। साथ ही हिप्टोनिज्म की सबसे आला हिकमत भी तुम पर आजमाई गई।'

'वह कैसे'

'एक पुरानी शराब में प्वायजन दिया गया तथा तुम पर हिप्टोनिज्म की क्रिया की गई। वह क्रिया करीब एक घंटे तक निरन्तर की गई उसी की बजह थी जो तुम शराब में जहर भी पी गये। वरना तुम्हारे शरीर में जो शैल मैंने आपरेशन करके छुपा रखे हैं वे तुम्हें कदापि ना पीने देते।'

बांड को पहली दफा मालूम हुआ कि उसके शरीर में एम द्वारा ऐसी कुछ व्यवस्था भी की गई है।

बांड गम्भीरता से सोचने लगा।

इस पर एम ने कहा—'बांड, अब तुम यह बतलाओ कि कल शाम मीटिंग के बाद तुम कहां गये? रूबी ने मुझे बताया कि वह तुम्हें हाल में छोड़कर तेजी के साथ भाग आई थी। क्योंकि कल शाम उसने अपने फ्लैट पर कुछ दोस्तों को दावत

पर बुलाया था ।'

बांड ने रूबी के जाने के तुरन्त बाद जो कुछ भी हुआ अक्षरशः बयान कर दिया ।

पूरी बात सुनकर एम ने गम्भीरता से कहा—

—'बांड···इसका मतलब यह है कि कल के स्वागत समा-रोह में यकीनन कोई ऐसा व्यक्ति था जो तुम्हें हिप्नटोनाइज्ड कर रहा था ।' कहते हुये एम ने माइक्रोफोन को स्विच आन किया । बोला—'रू···बी···।'

—'यस चीफ···।'

—'कल बांड के लिये जो स्वागत समारोह मनाया गया । उसमें कितने लोग आये थे ।'

—'टू हन्ड्रेड फिफ्टी, सर ।'

—'लिस्ट लाओ !'

—'ओ० के० सर, अभी लाई ।'

'बांड, इसके पहले···मेरा मतलब है कल से पहले कभी तुमने इस नवयुवती को देखा···?'

'मुझे याद नहीं आता चीफ ! फिर भी मैं, स्योर हूं कि मैंने इसके पहले उसे कभी नहीं देखा ।'

रूबी ने तभी दस्तक दी और इस आवाज के साथ ही एम ने कहा—'कम इन !'

सिगार सुलगाते हुए उसने रूबी के हाथ से फाइल लेकर मेज पर रखते हुए एम ने कहा—'ओ० के० यू गो ।'

रूबी चली गई । एम अपनी सूविंग चेअर पर पीछे की ओर टिक गया और सिगार का लम्बा कश लेकर फाइल से पृष्ठ उलटने लगा । फिर कुछ सोचकर बाण्ड की ओर फाइल बढ़ाकर बोला—

—'लो बांड, जरा नजर दौड़ाओ । शायद इनमें से कोई सुराग हाथ आये । रोशनी के नीचे प्रायः अंधेरा छुपा होता ही है ।'

बाण्ड ने फाइल में लगी लिस्ट के पन्ने ज्यों ही उलटने शुरू किये त्योंही एक व्यक्ति की सूरत उसकी आंखो के आगे झूल गई।

उसे याद आया—

एक का ठिगना, शरीर से गठीला व्यक्ति भर नजर बांड को घूरे जा रहा था। बांड ने उसकी ओर तवज्जो नहीं दिया था। तवज्जो ना देने की वजह भी थी—

सैंकड़ों दफा ऐसा होता है कि आदमी तारीफ इतनी सुनता है कि वह कुछ अजूबा खोजना या देखना चाहता है ताकि जो कुछ उसने सुना है वह हकीकत कहे।

लेकिन अब बान्ड की समझ में आया कि छोटी से छोटी से छोटी वारदात भी कभी-२ इस कदर अहं बन जाती है।

यकायक बान्ड बोल पड़ा—'सर मुझे सीट नम्बर नाइन, टेन एन्ड इलैवन नम्बर चाहिये।'

एम. मुस्कराया। उसने अपनी मेज की दराज खोलकर स्विच बोर्ड पर नजर दौड़ाई। फिर उन स्विचों में से एक को आन कर उसने फोन उठाया। फौरन ही दूसरी ओर से कहा गया—

—'यस सर···स्पीकिंग···।'

—'कैंडेनबरा में सीट नम्बर नाइन टेन एन्ड इलैवन यह जो लोग कल बैठे थे उनकी तस्वीरें चाहिए। क्विक। हिअर आय एम. वेटिंग।'

—'ओ. के. सर।'

फोन रिसीवर क्रेडिल पर रखकर एम ने कहा—'बान्ड तुम्हें अचानक ही उस आदमी के पीछे नहीं जाना चाहिए था।'

बान्ड चुप रहा।

एम ही आगे बोला—'वैसे मैं, यह मानता हूं कि तुम्हारी जगह यदि मैं, होता तो वही करता जो तुमने किया है। लेकिन मैं तुम्हारा चीफ हूं ना इसीलिये कह रहा हूं।' और दोनों हं

पड़े ।

हंसते हुये चीफ ने कालबैल दबाई । और अभी एक छूकी सी लेडी भीतर आ पाती कि एम ने आर्डर दिया—

'टू कप काफी, टु मच हाट ।'

तभी फोन की घंटी बजी । रिसीवर उठाकर वह बोला—

'हैलो···!'

'सर मिस्टर डगलस एन्ड मिस्टर लाग फैलों की तस्वीरें तो उपलब्ध हैं लेकिन सर मिस्टर हाबर्ट की तस्वीर नहीं है । आप कहें तो···।'

'वेट···मिस्टर हाबर्ट का एड्रेस···?'

'पाम आभ लाइफ, सेवनटी फाइव स्क्वेयर, किंग रोड ।'

एम. ने उसके बोलने के साथ-साथ नोट किया । नोट करते हुये उसने रिसीवर रख दिया ।

बान्ड ने मन ही मन में एम. द्वारा लिखा गया एड्रेस दुहराया । मैडम न तभी काफी के लबालब प्याले सामने रखे ।

—'टेक इट बान्ड···।'

अभी ये काफी के प्याले होठों से लगा हो सके थे कि रूबी ने प्रवेश किया और दो तस्वीरें एम. की ओर बढ़ाई । एम. ने उन्हें देखते हुए बान्ड के सामने डाल दीं ।

एक ही नजर में बान्ड ने कहा—'नो सर, जैसे मैं चाहता हूं, वह इनमें नहीं है ।'

—'तब तो तुम मिस्टर हाबर्ट को चाहते हो । लेकिन उससे मिलने के लिये तुम्हें—'

बान्ड ने मुस्कराते हुये बीच में ही कहा—'पाम आफ लाइफ जाना होगा—'

एम. ने अपने लिखे एड्रेस की तरफ देखते हुए एम. की तरफ भी देखा ।

बान्ड काफी का एक लम्बा सा घूंट लेकर उठ गया । खड़े होकर बोला—'ओ० के० सर···इजाजत ?'

—'आय विश यू गुडलक।'

और बान्ड तेज कदमों से बाहर निकल गया।

●●●

शाम डूबने को आतुर थी। बान्ड लिफ्ट द्वार की तरफ बढ़ गया। अब वह उछलता हुआ सीढ़ियां उतरता जा रहा था और लारे…ली की धुन बजाता जा रहा था।

फ्लोर के आते ही वह इमारत के पीछे की ओर गया। यहां दरख्तों की भरमार थी। इन्हीं की ओट लेता हुआ वह छोटे से गेट से बाहर निकल गया। वह इस गेट का कभी–कभी ही इस्तेमाल करता था।

गेट एक निहायत की पतली गली में खुलता था जिसकी लम्बाई मुश्किल तीस या चालीस गज होगी। गली के दोनों ओर बने मकानों को पिछवाड़ा था। लोग इस गली में घर का फिजूल सामान फेंकने में किसी प्रकार की हिचक महसूस नहीं करते थे।

बान्ड इस गली को पार कर यकायक रोड पर जा पहुंचा। यहां काफी भीड़भाड़ थी। लोग छोटी-२ दूकानों खरीद फरोख्त कर रहे थे।

बान्ड इसी भीड़ में से गुजर कर प्रमुख सड़क पर आया। और फुटपाथ पर रेंगता हुआ सा टैक्सी स्टैण्ड की तरफ बढ़ गया।

टैक्सी स्टेन्ड के इसी तरफ खाली टैक्सी आकर इसके करीब लगी। चालक ने हार्न बजाकर बान्ड का ध्यानाकर्षित किया।

यह वही टैक्सी चालक था जो कुछ देर पूर्व बान्ड के साथ था और जिसने दुश्मन को लम्बे हाथ दिखलाये थे।

बान्ड उसकी तरफ बढ़ा। और दरवाजा खोलकर उसके बाजू में जा बैठा। बैठते ही कार ने गति पकड़ ली।

'पाम आफ लाइफ, कोवनरी फाइव किंगस रोड।'

'यानि कि आप मिस्टर हावर्ट के यहां जाना चाहते हैं।'

'तो क्या तुम हाबर्ट को जानते हो ?'

'जानता ही नहीं हूं···पहचानता भी हूं।'

'वह कैसे ?'

'मेरा फ्लैट उसकी कोठी के ही करीब है।'

'उसका कद ठिगना और शरीर से वह मजबूत है।'

'जी हां और सामने के मैदान की कुछ घास अक्ल चर गई है।'

दोनों इस बात पर खिल खिलाकर हंस पड़े।

'मिस्टर हाबर्ट करते क्या हैं ?'

'यह पूछिसे सर कि करते क्या नहीं हैं ?'

'मसलन ?'

'सारे दिन बड़े-बड़े लोगों की बड़ी-बड़ी गड्डियां उसके चक्कर काटती रहती हैं। उसके एक इशारे पर नोट नहीं··· नोटों की गड्डियां बरसती हैं। उसने पाम लाइफ की नींव सोने की ईंटें बिछा रखी हैं।'

हंस पड़ा बान्ड—'उपमायें अच्छी देते हो।'

कुछ ही देर बाद एक खुली सड़क पर अब टैक्सी भाग रही थी। टैक्सी चालक ने पूछा—'लेकिन खैर, आपको उससे क्या काम है ?'

—'है···मिस्टर···है एक काम है ?'

—'आप मुझसे छुपा सकते हैं लेकिन हाबर्ट की स्थिति कुछ और ही है। वह तो बिना कहे सभी कुछ जान जायेगा और फिर इस ढंग से बात करेगा कि—।'

लेकिन बान्ड इस बीच कुछ सोचने लगा था। और जब चालक ने देखा कि वह उसकी ओर तवज्जो नहीं दे रहा है तो वह चुप हो गया।

एक गहरा मोड़ लेकर टैक्सी जिस रास्ते पर मुड़ी प्रतीत हुआ दोनों तरफ खुशबू भरे फूलों की वादियां हैं।

बान्ड ने गौर से देखा --

आलीशान कोठियों का एक लम्बा सिलसिला। उन कोठियों के सामने फूलों से लदे गमले, बेले और दरख्त भी।'

—इसे कहते हैं जन्नत। मीन्स पैराडाइज।

टैक्सी की गति कम हुई। और फिर वह किनारे रुक गई। बान्ड बाहर निकला। स्ट्रीट लाइट का पोल टैक्सी से लगा खड़ा था। मरकरी लाइट की रोशनी ठीक उसके सिर पर चमकी।

टैक्सी चालक ने हाथ के इशारे से कहा—'यहां से पांचवीं कोठी मिस्टर हाबर्ट की है।'

—'पांचवीं !···तुमने टैक्सी यहां क्यों रोक दी ?'

—'मैं वहां तक नहीं जा सकूंगा।'

—'क्यों ?'

—'है कुछ बात।'

'ओह !'

—'इफ यू डोन्ट माइन्ड सर, आपके इरादे कुछ सही नहीं हैं।'

—'यह तुमने कैसे जाना ?'

—'सर, यदि आप जेम्स बान्ड हैं तो···मैं···' और उसने जेब से एक डायरी का पृष्ठ खोलकर दिखला दिया।

बान्ड ने देखा और बोला—'मैं जानता हूं। लेकिन फिर भी तुम···?'

'सर, इसमें आपका ही फायदा है ? सम्भव है मेरा सामना हो जाने से गड़बड़ हो जाए।'

बान्ड उखड़े हुए मूड से उसकी ओर देखता रहा। और फिर तेज कदमों से सड़क क्रास करके फुटपाथ पर से उस दिशा में चल पड़ा जिस तरफ हाबर्ट की कोठी थी।

●●●

पेंइंग गैस्ट लन्दन के दीगर होटलों के मुकाबले अपनी शान और अंदाज अलहदा ही रखता था।

इसकी वजह थी—एक तो वह शहर से कुछ हटकर था तथा कास्टली था। लोग कम पहुंचते थे। और जो पहुंचते थे—वो पैसे वाले ही होते थे, शौकीन मिजाज होते थे।

गुलाबी रोशनी पेइंग गैस्ट में थिरक रही थी। प्रमुख हाल में इस वक्त करीब सौ औरतें तथा मर्द थे। इनमें औरतें ज्यादा तथा मर्द कम थे।

इन औरतों और लड़कियों में कुछ तो ऐसी भी थीं जो अपना मनपसंद यार तलाश कर रात बिताने के चक्कर मे आई हुई थीं। आज यहां ऐसी बात कोई नई बात नहीं थी। प्रायः रोज ही ऐसी औरतें यहां आती थीं जो सात दिन तक यहां आकर आठवें दिन अपने मन की मुराद पा जाती थीं—और फिर महीनों का खर्च पानी एक दिन में, एक रात में ही वसूल करके चैन की सांस लेती थी।

और पेइंग गैस्ट! इस मामले में खुली किताब थी। हर चीज की व्यवस्था यहां हो सकती थी।

नाचती, थिरकती गुलाबी रोशनी में हसीन चेहरों पर चौगुना शवाब अठखेलियां करने लगा था। शराब के रंगीन जामों ने गजब की रंगीनी बिखेर रखी थी। सब नजरों ही नजरों में इश्क इजहार करते, सौदा पटाते और पटते ही इधर उधर होकर गायब हो जाते।

एक अजीब सा सैक्स से भरा माहौल! मधुर संगीत की स्वर लहरियों के साथ अंगड़ाई ले रहा था।

ऐसे ही माहौल में प्रवेश किया राबर्ट ने! उसने झिल-मिलाता ग्रीनिश सूट पहिना था। नीचे से ऊपर तक, अपने शरीर के हर हिस्से से अमीरी की छाप छोड़ता हुआ। लोगों ने इसकी ओर देखा और फिर अपने-अपने सिक्खे में मशगूल हो गये।

राबर्ट मेज घेरकर बैठ गया। उसका मूड उखड़ा हुआ था। आंखों में क्रोध था। कुछ देर बैठकर उसने स्वयं ही एक वेटर

को आवाज दी। उसे उसने व्हिस्की का आर्डर दिया। उसके जाने के बाद उसने एक बार फिर हाल में नजर दौड़ाई। लेकिन उसे वह हसीना नजर नहीं आई।

अभी वेटर शराब के पैग भरी ट्रे में एक पैग उतार कर राबर्ट के सामने रख पाता कि राबर्ट के ठीक सामने लकदक ड्रेस में एक नवयुवती आकर खड़ी हो गई।

राबर्ट ने उसकी तरफ देखा—

—'तुम राबर्ट हो ?' उस नवयुवती ने पूछा।

—'यस···।'

—'फालो।'

और वह चल दी। राबर्ट पैग को देखता रह गया। और उठ कर उस युवती के पीछे चल दिया।

होटल से बाहर वह सड़क पर आ गई थी। राबर्ट एकदम उसके करीब पहुंच चुका था। उसने पूछा—'कहां जाना होगा ?'

इस पर उस नवयुवती ने राबर्ट की तरफ तेज नजरों से देखा तथा किसी प्रकार का प्रत्युत्तर दिये बगैर वह रास्ता क्रास करके दूसरी ओर जा पहुंची।

इत्तिफाक से कभी एकादि कार क्रास करती थी—बस ! वरना दूर दूर तक खामोशी···।

सड़क से लगा वीरान मैदान था। मैदान में दरख्त थे तथा झाड़ियां थीं। वह उन्हीं दरख्तों के बीच से धूमिल-धूमिल चमकती पगडण्डी पर चल पड़ी।

राबर्ट भीतर ही भीतर कांपा। लेकिन यह सम्भव नहीं था कि वह वापस हो जाये। वह वापस हो जाये। वह आगे बढ़ता चला गया। अन्धेरे में समाता गया खोता गया।

अब वह नवयुवती मात्र एक साया नजर आ रही थी। और उस साये से राबर्ट को भय लग रहा था। भय लगने की वजह घना अन्धेरा तथा वीरानगी नहीं थी। भय लगने की वजह थी उस नवयुवती की आंखों जो अन्धेरे में भी चमकती हुई दिखलाई

दे रही थीं। उन चमकती हुई आंखों को देखकर लगता था जैसे उससे एक्सरे लाइट निकल रही हो जो उसे भेदकर, भीतर छुपे तमाम रहस्यों को उजागर कर देगी।

अब राबर्ट का साहस नहीं हो रहा था कि वह उस नवयुवती से कुछ पूछ पाता।

—'स्टाप हियर!' वह नवयुवती चीखी सी उसकी आवाज से ही जाहिर था कि वह राबर्ट से घृणा करती है।

राबर्ट रुक गया।

और वह नवयुवती आगे बढ़ती चली गई।

अब राबर्ट अकेला था। अपने चारों तरफ फैले अन्धेरे को घूरता हुआ। खामोशी को किसी तरह पीता हुआ।

तभी उसकी पीठ पर एक जोरदार हुद्दा पडा। वह हिच्च करके गिरा। जबड़ा किसी चीज से टकराया। पूरी बत्तीसी हिल उठी। और जब वह सम्हलकर खड़ा होना चाहा तो उसके मुंह पर एक जोरदार लात पड़ी। वह कुलाटें खाकर घिघयाता सा उठ खड़ा हुआ।

उसके ठीक सामने एक काली परछाई खड़ी थी।

—'राबर्ट···आखिर तुम अपनी जात बतलाने से बाज नहीं आये!'

राबर्ट चुप···फटी-फटी आंखों से देखता हुआ।

तभी उसकी पीठ पर एक जोरदार लात फिर पड़ी। राबर्ट भी पलटी खाया, कराह और घिग्घया पड़ा।

अब वह अपनी आंखों के सामने दो परछाईयां देख रहा था।

'राबर्ट!···' एक जनाना आवाज गूंजी—'तुमसे अकेले आने के लिये कहा था और तुम अपने साथ पांच-सात कुत्तों को भी बांध लाये। सोचा जा रहा था कि राबर्ट अक्ल से काम लेगा लेकिन तुम तो एकदम खच्चर निकले। जाओ··और सीधे अपने बास के पास जाना। अब हम डायरेक्ट उसी से बात करेंगे। पार्सल का ध्यान रखना···तुम्हारी कार की डिग्गी में रखा है।

कीमती है और हां राबर्ट, यह तुम्हें जीने का लास्ट चान्स है। अबकी हरकत करोगे तो···गेट आउट !'

राबर्ट खड़ा हुआ तो वह कांप रहा था। कांपते पैरों से भागा। दो तीन बार गिरा भी।

और जब तक सड़क पर आ ना गया उसे लगता रहा कि मौत किसी भी क्षण उससे जिन्दगी छिपाने का क्रूर मजाक कर सकती है।

वह सीधे अपनी कार के पास आया और ड्राइविंग सीट पर बैठते हुए उसने कार स्टार्ट की और पूरी गति के साथ पेइंग गैस्ट से बाहर निकला।

कार भागते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे कोई प्रेतनी उसकी कार के ठीक ऊपर, अपने गहने फैलाये उड़ती चली आ रही हो।

× × ×

जाने कौन सी जगह थी वह, जहां एकदम घुटे सिर वालों का, दस बारह लोगों का समूह विभिन्न प्रकार के यन्त्रों पर कार्यरत था। सबके सब शरीर से बेहद मजबूत···गौरे तथा गेहुंए रंग के, बड़ी-बड़ी आंखों वाले लोग थे—जिनकी आंखों से शराब छलकती हुई सी दिखलाई देती थी।

हां···होठों पर मूछें थीं लेकिन पतली कथा होठों से करीब दो-दो इंच उठी हुईं।

सभी ने लाल रंग के चोंगे पहिन रखे थे। इन चोगों पर किसी प्रकार का निशानादि नहीं या। जहां ये लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठे थे, वहीं करीब एक मेज पर शराब की पचासों बोतलें रखी थीं। उनमें विभिन्न प्रकार की शराबें थीं।

जितने भी थे सभी उन मशीनों पर व्यस्त थे और ठीक इस प्रकार चुस्ती का सावधानी से कार्य कर रहे थे जैसे एक बहुत बड़ी प्रयोगशाला में आविष्कारों की कतार लगी हो।

यकायक दीवार पर लाल रोशनी एक निश्चित जगह पर

चमकने लगी। सभी की आंखें उस ओर घूम गईं। वह सब के अपने-अपने यंत्रों के स्विचैसों आफ करके उन यन्त्रों पर से ठीक इस तरह उठकर भाग खड़े हुये जैसे उस स्थान पर दुश्मन का बम गिरने वाला है।

और देखते ही देखते……

अब वहां कोई भी नहीं था। सभी कुछ निष्क्रिय कर दिया गया था।

वह लोग उस प्रयोगशाला जैसे स्थान से निकल कर तेज गति से अन्डरग्राउन्ड लम्बे गलियारे में भाग रहे थे। गलियारे में ना के बराबर रोशनी थी।

उन अंधेरी सी सुरंग में भागते हुए वह तमाम घुटे सिर लोग तथा उनकी फरफराती चोंगा टाइप वर्दी बड़ा ही रहस्य छोड़ती जा रही थी?

आखिर यहां यह खतरे का संकेत किया था? कैसा खतरा उत्पन्न हो गया था जिससे इन्हें आगाह किया गया!

ये लोग हैं कौन?' और क्या चाहते हैं?

थोड़ी ही देर बाद ये सब के सब एक वीरान समुन्द्री तट पर खड़े अंधेरे में शैतान की तरह गरजते समुन्द्र की ओर देख रहे थे। ये एक घने दरख्त की छाव में खड़े थे। इसलिये देखने वाला सिर्फ परछाईयों के रूप में पहचान सकता था। हां, इनकी आंखों की चमक से इन्हें गिना भी जा सकता था। इनकी चमकती दस जोड़ा आंखें अच्छे भले आदमी की घिग्गी बंधा सकती थीं।

दूर समुद्र के सीने पर जाने कितनी दूर एक खूनी, धधकते हुए अंगारे की तरह कोई चीज चमक रही थी। और निरन्तर करीब आ रही थी।

इन लोगों की चमकती हुई आंखें इस खून की तरह, एक स्थान पर एक दूसरे के करीब सटे खड़े थे।

अब एक आवाज गूं…का स्वर तेज होता जा रहा था और

उन रहस्यमय, भयानक नजर आते लोगों में भय भरता जा रहा था।

और तभी जमीन को हिलाती गूं ···की आवाज करती एक काली, लेकिन चमकीली एक विशाल पंक्षी के आकार की वस्तु सांय करती हुई निकल गई।

ये दम साधे खड़े रहे।

वह गूं की आवाज जो बेहद कम हो गई थी पुनः तेज होने लगी। वह सब के सब एक बार फिर आकाश में, उस दिशा में देखने लगे जिस ओर वह विशाल पंक्षी गया था।

देखते ही देखते वह पंक्षी इनके ठीक सिर पर से वह पंक्षी समुद्री सीने पर छाये घने अंधेरे में खोता चला गया। और कुछ क्षणों बाद उसकी लाल रोशनी चमकते हुए अंगारे की तरह दिखलाई दी।

यह काली, विद्युतगति की तरह भागती हुई पंक्षी के आकार की वस्तु एक न्यू माडल का प्लेन था। और इसमें दस-बीस नहीं सैंकड़ों तथा हजारों प्रकार की खूबियां थी।

उसे इस वक्त एक हसीन लड़की चला रही थी। तथा उसके ठीक पीछे एक अन्य खूबसूरत लड़की थी जिसके चारों तरफ सितारे से चमक रहे थे। रंगीन, लाल, नीले, पीले, हरे सितारे।

उन सितारों के साथ अटैच्चड़ लाल तथा सफेद एवं काली मिडिल्स अलहदा-अलहदा आंकने बता रही थी।

यकायक उसने अपने दोनों हाथों से सामने रखी मेज पर गूंसे मारे! उसका आकर्षक चेहरा गुस्से से लाल हो उठा वह नागिन की तरह फुफकार उठी।

वह अपने केबिन का दरवाजा खोलकर पायलाट की तरफ बढ़ी। वह प्लेन को नीचे की ओर उतार रही थी। उसकी गति अब कम हो गई थी। और दोनों तरफ एक धुंध, मटमैली धुंध का आभास होता था।

चारों तरफ रेत थीं। रेत का जैसे तूफान मचल उठा था।

और उस मचल उठे तूफान के बीच वह काला विशाल पंक्षी जमीन से करीब सौ या ढ़ेढ़ सौ गज ऊपर उड़ता जा रहा था।

यकायक जमीन का एक रेतीला भाग अपनी जगह धंसता चला गया और वह पंक्षी देखते ही देखते उस धंसते चले गये रेतीले भाग में उतरता चला गया।

कुछ ही देर में वहां···जहां चारो तरफ रेत ही रेत था। ठीक वह एक मरूस्थल था और जहां सैंकड़ों मील चारों तरफ कोई बस्ती या इन्सान नाम की चीज नहीं थी—वहां रेत का यह तूफान जिस प्रकार मचल उठा था, उसी प्रकार शान्त भी हो गया।

वह काला पंक्षी जिस जगह जाकर स्थिर खड़ा रह गया था। उसके तीन तरफ रेत की दीवारें थीं तथा चौथी तरफ रेत की दीवारें थीं तथा चौथी तरफ रेत की लम्बी सुरंग। सुरंग में से ही यह पंक्षी अपने गहने फैलाये यहां तक आ पहूंचा था।

टिमीविप्रस कैंप्रस कानों पर से उतारते हुये पायलाट बोली—

'यस···लिलि क्या कह रही थीं?'

'नथिंग···मेरा सोचना सही है। यकीनन इस ओर कहीं ऐसा रोडार दुश्मन ने फिट कर रखा है जो हमारे उस दिशा में प्रवेश करते ही अपनी गति विधियां एकदम डेंड कर देता है।

'इट् मीन्स हमें इस दिशा में सफर करना ही होगा।'

'अतिरिक्त कोई चारा नहीं।'

एक-एक करके दोनों प्लेन से बाहर आईं।

पायलाट ऊंची पूरी थी। सुन्दर थी और उसके खड़े होने का ढंग ही इस प्रकार था कि जैसे वह एक दिलदार औरत हो। और अच्छे खासे मर्द से मुकाबला करने में भी हिचकिचायेगी नहीं।

इसके पीछे उतरने वाली नवयुवती ने गौर से देखते हुये कहा—'क्या सोच रही हो?'

'सोच रही हूं छोटे-मोटे काम बाण्ड से ही करा लूं।'

सुनते ही वह इस कदर चौंकी जैसे उसने अपने सिर पर बैठा विषधर नाग देख लिया हो ।

'क्या हुआ जीना ।'

'लिलि, माय डार्लिंग···क्या भूल गईं जिब्राल्टा का प्रेत किस नतीजे पर पहुंचा ?'

लिलि हंस हड़ी ।

'तुम हस रही हो लिलि···!'

—'जीना : तू अभी सचमुच उस जगह तक नहीं पहुंच सकती जहां पहुंचाकर मैं, वापस भीं आ जाती हूं ।'

अब लिलि का वह केवल मुख देख रही थी ।

'क्या हुआ ? ऐसे क्यों देख रही है ?'

'देख रही हूं लिलि···यदि ऐसा सम्भव है तो···।'

'जस्ट वेट···मैं समझाती हूं ।'

'नो···समझाने से वक्त खराब करने से कोई लाभ नहीं ।'

लिलि ने जीना के चेहरे पर मुस्कराहट के साथ आंखें गड़ा दीं और फिर हंस पड़ी ।

—'कम आन···।' लिलि ने कहा—'···अभी हम बहुत से काम करते हैं ।'

दोनों हंसती हुई, वहां से एक रेत की दीवार की ओर दौड़ीं और दीवार के करीब पहुंचते ही वह दीवार अपनी जगह से दो भागों में ठीक इस तरह हट गई जैसे पानी में पड़ी काई ! और वह दोनों रेत की दीवारों के बीच गायब हो गईं ।

●●●

वह, घुटे सिर लोगों का समूह दरख्त की घनी छाव से निकल कर फिर चल दिया ।

चलते हुए उनमें से एक ने कहा—'मैं नहीं ससझ पा रहा हूं कि हमें इस तरह बुजदिल बनाकर यहां क्यों कैद कर दिया है ।'

—'हम चाहें तो इस उड़न बखेड़ को एक सेकिण्ड में हमेशा हमेशा के लिये शान्त कर दें ।'

तभी तीसरा बोल पड़ा—'आने के बाद यह 'जहाज वापस नहीं जा सकता, यह मेरा दावा है।'

—'दावा तो मैं भी कर सकता हूं।' चौथा बोल पड़ा—लेकिन ऊपर से ही जब यह नीति अपनाई जा रही है तो हम क्या कर सकते हैं ?'

—'कर सकते हैं।' कोई और बोल पड़ा—'एक ऐसा रास्ता सुझा सकते हैं जिससे इस प्लेन का बेड़ा गर्क भी हो जाये और हम अपना यह अड्डा कायम भी रख सकें।

—'हाऊ इट् इज पासिबिल ?'

—कोई और बोल पड़ा—'नो…नो…डायडी और कोई रास्ता नहीं है। जितने भी रास्ते हैं सभी के सभी उस जगह पहुंचते हैं जहां से हम अपना नुक्सान खाकर ही आ सकेंगे।'

'यस…मैं, भी यही सोचता हूं कि…दुश्मन को पूरा शक हो चुका है कि हमारा खुफिया अड्डा समुद्र के इन सैंकड़ों टापुओं में से किसीं ना किसी टापु पर है। लेकिन…वह हमसे इतनी दूर है कि जब तक वह वहां से चलकर हमारे अड्डे को तलाशने की रेंज में आता है, जब तक हम अपने रोडार की मदद से सभी कुछ डैंड कर सकते हैं। इन मबके बावजूद यदि हमने किसी प्रकार का कोई कदम उठाया तो यह बात और भी पुख्ता हो जायेगी कि…।'

—'राइट यू आर, और मैं तो यहां तक सोचता हूं कि हमने कुछ ना भी किया और भाग्य से दुश्मन की मशीनरी में कुछ खराबी आ गई तो इसे भी हमारी ही हरकत समझी जायेगी।'

—'तब क्यों ना हम कुछ कर ही गुजरें।'

इस बात से सभी एक बार फिर ठिठक कर रूक गये। ये अंधेरे में झाड़ियों के पास रूक गये थे। और सभी एक दूसरे की सूरत देख रहे थे।

—'ओ० के०…।' इनमें से एक ठीक इस प्रकार बोला जैसे

इनका कमान्डर हो—'···मैं, बास से बात करता हूं।'

इस बात पर सभी रेंगते हुए से चल दिये।

× × ×

हाबर्ट अपने कमरे में मेज घेरकर बैठा था। उसके सामने बड़ी मोटी-मोटी पुस्तकें खुली पड़ी थीं। वह एक काले रंग की पुस्तक में उलझा हुआ था। हां, रह-रह कर वह दरवाजे की तरफ देख लेता था।

प्रतीत हो रहा था उसे किसी का इन्तजार है।

किसका ?

और तभी मेज पर रखे पेपर वेट के भीतर लाल रोशनी चमकी। हाबर्ट ने देखा और देखकर पेपर वेट को हाथ में उठा कर पढ़ते हुये जैसे खिलवाड़ करने लगा।

मुस्कराहट उहके होठों पर क्षण भर के लिये चमकी और वह पुनः अध्ययन में तल्लीन हो गया।

तभी दरवाजे पर लगी काल बैल बज उठी। हाबर्ट ऊंची आवाज में कहा—

'कम इन जेन्टल मेन !'

और बाण्ड परदा हटाकर भीतर दाखिल हुआ। उसने चारों तरफ का जायजा उठाते हुए कहा—

'मुझे बाण्ड कहते हैं।'

'जी···००७ जेम्स बाण्ड, ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का एक जाना माना सर्वोच्च जासूस, जिसके बिना ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस की बाडी ही बेकार है और ना हीं चीफ आफ स्टाफ एक का दिमाग ही काबिले तारीफ कहला सकता है।'

बाण्ड उसकी ओर केवल देखे जा रहा था।

हाबर्ट ही आगे बोला—

'प्लीज···वैलकम···बैठिये।'

बाण्ड लम्बे कदमों से उसको भांपते हुये उसके ठीक सामने कुर्सी खींचकर बैठ गया।

'आपको यह सब कैसे पता कि मैं···।'

वह हंसा। बोला—'जेन्टलमेन, आप जैसे व्यक्ति को यदि मैं नहीं जानूंगा तो कौन जानेगा। और फिर मिस लूसी आपकी तारीफ करती अगाधी नहीं है।'

—'मिस लूसी! ये कौन है?'

—'पुलिस सुपर की इकलौती लड़की। गजब की इन्टेलीजेंट लगती है। इन दोनों मेरी शागिर्द है। उसी ने मुझसे आग्रह किया था कि आपके सम्मान में एक पार्टी दी जा रही है। उसमें भी चलूं और आपको करीब से देखने का सौभाग्य पाऊं।'

—'और···।' बाण्ड ने कुछ कहते छोड़ दिया।

—'और! और क्या जेन्टल मेन?'

—'और यह कि हिप्टोनाइज्ड़ भी करूं।'

—'व्हाट?' वह चौंका! उसकी भावभंगिमा एकदम कठोर हो उठी।

—'मिस्टर बाण्ड···।' वह आगे बोला—'आप यह मुझ पर तोहमत लगा रहे हैं।'

बाण्ड एकदम शांति से लेकिन गम्भीरता के साथ उसे घूरे जा रहा था। जैसे हावर्ट को हिप्टोनाइज्ड करने का चांस अब बाण्ड को मिला था।

'तो आपने मुझे हिप्टोनाइज्ड नहीं किया।'

'मैं ऐसी हरकतों को अपने पास फटकने भी नहीं देता।'

'तो मिस्टर हाबर्ट आपने ऐसा नहीं किया?'

'नो···और यदि मैं, ऐसा करता तो यकीनन दावे के साथ आपके सामने बयान भी कर देता।'

'रिअली?'

बाण्ड ने इस ढंग से सुना। जैसे उसकी मखौल उडा रहा हो। यह बात हाबर्ट ने भी फीट की। और एक किस्म से वह खून का घूंट पीकर रह गया। बान्ड की जगह यदि कोई और होता तो सम्भव है हाबर्ट उसे अपने अपमान का मजा भी चखा

देता—

बाण्ड ही आगे बोला—

—'ओ० के० मिस्टर हार्बर्ट, फिर मिलूंगा। लेकिन चलते चलते एक बात पूछना चाहूंगा।'

हार्बर्ट की आंखों में क्रोध था। उसने क्रोधित नजरों से ही देखा। वहा कुछ भी नहीं।

'आपको हिप्नोटिनिज्म आता तो है ना ?'

'नहीं।'

'फिर आप दिल का आने वालों को कैसे बताते हैं ?'

'यह मेरी बिजनेस सीक्रेसी है। यह मैं किसी को भी बताना उचित नहीं समझता। एनीथिंग मोर।'

कंधे उचकाकर कर बाण्ड ने व्यक्त किया कि ठीक है यदि वह नहीं बतलाना चाहता तो ना सही।

बाण्ड ने अपने कदम दरवाजे की तरफ बढ़ाये और दरवाजे पर झूलते पर्दे को हाथ से उछालता हुआ बाहर निकल गया।

जाने क्या बात हुई हार्बर्ट ने गुस्से से पागल होकर अपने हाथ में ली किताब जमीन पर दे मारी। साथ ही वह काफी देर तक उस पर्दे की ओर देखता रहा जो अब भी लहरा रहा था।

× × ×

राबर्ट जब काफी आगे कार भगाता हुआ निकल गया और उसने अपने आपको सुरक्षित अनुभव किया तो उसे अपनी कार की डिग्गी में रखे पार्सल की याद आई।

उसने कार को सड़क के किनारे रोका। कभी एकादि कार करीब से गुजर जाती थी और उसका दिल धक्क से होकर रह जाता था कि कहीं गुजर गई कारों में शैतान हसीना की कोई कार तो नहीं जो उसे चैकअप करती आगे निकल जाये और फिर वापस होकर···?'

डिग्गी खोलने और खोलकर देखने का साहस उसका नहीं हुआ। वह वापस अपनी सीट पर बैठा और चल दिया।

कार ड्राइव करते हुए वह सोच रहा था। उसके दिमाग की खिड़कियां खुलती जा रही थीं।

—'मेरा नाम राबर्ट है। शरीफों की दुनियां का शाजिद बदमाश मुझे माना जाता हैं। और आज मैं इस कदर पंगु कैसे होता जा रहा है ?

क्या हो गया है मेरे दिमाग ?

—नहीं–नहीं, वह इन हसीन चुडैलों से मुकाबला करेगा ? इन्हें एक--एक करके सभी को वह मजा चखायेगा कि ये भी याद रखेगी कि राबर्ट ! राबर्ट है। कोई घास फूस का पुतला नहीं !

और उसने विचारों की उत्तेजना के साथ ही—

कार को सड़क से हटकर अन्धेरे मैदान में उतार दिया। कार रोक कर उसने दरवाजा खोला और डिक्की की तरफ बढ़ा फिर भी उसका मन कांप रहा था।

डिग्गी ज्यों ही उसने खोली वह सिहर उठा। उसके मुंह से भय से भरी चींख फटी। साथ ही उसने उस भयानक सीन जो देखने से बचने के लिये आंखे मूंद ली।

थामसन की लाश इस ढंग से विकृत देखना क्या उसने कभी ऐसा सोचा था ?

विक्टर और थामसन, राबर्ट के जिगरी दोस्त थे। ऐसे दोस्त जिनके बल पर वह अपने आपको दुनिया का माना हुआ दादा मानता था। लेकिन आज एक ही दिन में वह अपने दोनों वफा-दार साथियों से हाथ धो बैठा था।

प्रतीत होता था थामसन को पागल कुत्ते की मौत मार गया था। उसके जबड़े को पकड़ कर किसी चीज से कुचल दिया गया था। उसके दांत बाहर तक भूल गये थे तथा जबड़ा पचक कर एक दूसरे से सट गया था।

पूरा चेहरा क्षत विक्षत हो गया था।

वही दुर्गति उसके साथ किसी बात कों लेकर जोर जबर्दस्नी

की गई। अन्यथा उसकी इतनी दुर्दशा कभी ना की जाती।

भय से थर-थर कांपता राबर्ट इस वक्त अपने तमाम हौंसले भूल चुका था। उसे अपनी शिकस्त यकीनन नजर आ रही थी।

तभी उसकी नजर पड़ी थामसन के सीने पर—

सोने की नक्काशीदार छुरे की मूठ! खून निकल कर कुछ दूर तक कपड़ों को तर करता गया था।

अब तो उसकी आंखें फटी की फटीं रह गई। अन्धेरा होने से उसे गौर से देखना पड़ रहा था। उस मूठ से बंधी मिली चौकोर कागज का एक लेटर।

कांपते हाथों उसे उठा कर राबर्ट ने फैलाया। फिर अपनी सीट पर आया। भीतर स्विच दबाकर रोशनी की पढ़ा—

मिस्टर राबर्ट,

तुम्हारी नस-नस मैं दगाबाजी और मक्कारी भरी हुई है। यह इस बात का प्रूफ है कि तुम लेटर पढ़ रहे हो। और तुम रास्ते में ही रुक कर पार्सल चैक कर रहे हो।

यह सब मुझे पहले ही पता था कि तुम ऐसा करोगे। इस-लिये तुम्हारे पीछे मैंने अपने कुछ खास आदमियों को लगा दिया था। इस वक्त तुम उनकी नजरों में हो। यदि तुमने अपने बास के पास इस पार्सल को ना पहुंचाया तो तुम्हें गोली मार दी जायेगी। और जो हम थामसन का हुआ, उससे कहीं भयानक सलूक तुम्हारे साथ किया जायेगा।

—हसीना

राबर्ट के हाथ से खत छूटते रहा। पसीना उसके चेहरे से चू पड़ा। उसने भराभरी नजरों से अपने चारों तरफ देखा और कार स्टार्ट करके भाग खड़ा हुआ।

× × ×

चारों तरफ अन्धेरा और उस अन्धेरे में हसीनों को एक जत्था बैठा मस्ती की छान रहा है। कोई शराब पी रही है और कोई सुलझा।

नशे की हालत में किसी को कुछ भी जैसे होश नहीं है। एक दूसरे से कुछ नवयुवतियां अश्लील मजाक कर रही हैं। छेड़खानी कर रही हैं।

इनसे हटकर दो, एक टेलीविजन पर नजरें गड़ाये एक भागती हुई कार को देख रहीं हैं।

उन दोनों में से एक सिगरेट पी रही थी। दूसरी पाइप। पीते हुए वह कभी-कभी शराब की चुस्की भी ले लेती है।

पाइप पीती नवयुवती वही है जिसने थामसन 'तथा विक्टर को घेरा था तथा फिर विक्टर का खात्मा कर वह थामसन को अपने साथ जबर्दस्ती कार में उड़ालाई थी।

बाजू में बैठी नवयुवती से पाइप पीती युवती ने कहा—'देखा डार्लिंग, तीर कैसा निशाने पर लगा है।'

सुनते हुए दूसरी चौंकी उसके मुख से निकला—'अरे !'

दोनो की नजरें एक साथ टी० बी० की साइड में रखे दिशा एवं दूरी यंत्र पर गई।

दूसरी भी चौंकी और उसके मुख से निकला—'यह क्या ?'

दोनों की नजरें आपस में टकराई। वह कुछ सोचती रह गई। कार अभी भी भाग रही थी। राबर्ट भगाये जा रहा था।

राबर्ट की कार लन्दन से करीब चालीस कि०मी० उत्तर में उस रास्ते पर भाग रही थी जहा बस्ती नाम की चीज नहीं थी उसने धीरे से स्विच बोर्ड के एक स्विच को आन किया। आन करते ही पीं···पीं···पीं की आवाज गूंजने लगी।

उसने दो-तीन बार पलट पलट कर पीछे की ओर देखा। उसका कोई भी पीछा नहीं कर रहा था।

पीं···पीं···की ध्वनि खत्म होते ही एक आवाज गूंजी—'हैलो···हलो···हैलो।'

आवाज पहचानते हुए राबर्ट ने कहा—'हैलो सर, राबर्ट

स्पीकिंग !'

'राबर्ट क्या बात है ? तुम कुछ घबराये हुए से हो ।'

'सर आपके आर्डर के मुताबिक मैं पेइंगगेस्ट में गया था। वहां मेरे साथ जो सुलूक हुआ, कह नहीं सकता। थामसन को भी खत्म कर दिया गया है। उसकी लाश मैं अपने साथ ला रहा हूं।'

दूसरी ओर से बात करता आदमी एकदम चुप साध कर रह गया। जैसे वह इस खबर से भीतर ही भीतर जल भुन गया हो।

राबर्ट ने आगे कुछ कहना चाहा लेकिन कह नहीं सका। ट्रांसमीटर आफ की आवाज राबर्ट ने सुन ली थी।

राबर्ट की कार इस वक्त सख्त चट्टानों से भरे इलाके में से गुजर रही थी। चारों तरफ काली भयावनी चट्टानें बिखरी हुई थीं। वह कार बड़ी ही सावधानी से ड्राइव कर रहा था।

इन्हीं चट्टानों से घिरे, चट्टानों की कटावदार दीवारों के बीच एक ऊंचा पूरा व्यक्ति दीवार की तरफ मुंह किये खड़ा था। उसके हाथ पीछे की ओर बंधे थे। इसके उसका चौड़ा सीना और भी चौड़ा नजर आ रहा था।

वह जहां खड़ा था उसके चारों तरफ एक खास प्रकार की ध्वनि गूंज रही थी। उस ध्वनि से ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वहीं, कहीं करीब ही कोई वस्तु बड़ी प्रयोग शाला चालू है।

यकायक वह व्यक्ति घूमा। द्रुतगति से अपनी मूविंग चेयर पर बैठा। बैठते ही उसने मेज पर लगे सैकड़ों प्रकार के स्विचों में से एक आन किया। यह माइक्रोफोन स्विच था। वह बोला—

—'राबर्ट को रास्ता दो।'

यह एक वाक्य सुरंग के कोने-कोने में गूंजता चला गया। उधर राबर्ट की कार एक विशाल चट्टान के सामने रुकी।

कार की रोशनी चट्टान की रोशनी से तर किये हुये थी। चट्टान खुरदरी थी। उन खुरदर हिस्सों से एक खास प्रकार की चमक जैसे झर रही थी। उसे देखकर ऐसी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी—

वह तभी अपने स्थान पर हिली। ठीक इस तरह जैसे उस विशाल चट्टान के नीचे भूचाल आ गया हो।

कुछ क्षण कांपकर वह चट्टान दो भागों में विभक्त हो गई। राबर्ट ने पूरी गति पर कार आगे बढ़ा दी।

चट्टान पुनः उस तरह कांपी। और कांपकर अपनी यथा स्थिति में तबदील हो गई।

अब वहां वैसी ही खामोशी थी, वैसी ही वीरानगी थी।

●●●

—'ओह !' पाइप से धुंआ छोड़ती नवयुवती ने अपनी आंखों पर चढ़ा चश्मा उतारकर साफ किया तथा आगे बोली—'तो जनाब, यहां है।'

दूसरी मुस्करा रही थी। मुस्कराते हुये वह बोली—

'अब क्या इरादे हैं ?'

'इरादे !···इरादे साफ हैं ? मुझे अपनी चीज चाहिये।' बात करती इन दोनों नवयुवतियों के बीच एक तीसरी आई उसके शरीर पर सिर्फ एलैस्टिक पट्टी थी। मतलब यह कि उसमें ढाई इन्च की एलैस्टिक पट्टी से कमर और जांघों के बीच घिराव डाल रखा था। तथा वही पट्टी सीने पर लपेट रखी थी।

उसका पूरा शरीर मांसल था। मांसल शरीर पर चमक थी। भरे-भरे, फूलों गालों के बीच चमकती उसकी आंखों में शराब की मस्ती थी। अदा के साथ कूल्हे मटकाती हुई बोली—

—'इन्फार्मेशन [खबर]।'

चश्मे वाली नवयुवती उठी। और अपने साथ बैठी नवयुवती की पीठ थपकाती हुई बोली—'अच्छा, बाय डार्लिंग,···देखूं जरा क्या खबर है ?'

और जब वह अश्लील इशारे और गन्दे मजाक करतीं औरतों के करीब से गुजरी तो उनमें से एक ने उसका हाथ पकड़कर खींच लिया। वह एक गोद में जा गिरी। तभी तीन चार ने इसके गालों पर चपाचप चुम्बन ले डाले।

—'डियर—नोन्सेन्स !' गालियां बकती वह चश्मे वाली नवयुवती उठी और उठकर उसने तीन चार को लातें और घूंसे रसीद किये।

सबकी सब हंसती रहीं, ठिलठिलाती रही। और वह चल दी।

सुरंग का एक लम्बा सिलसिला लांघकर वह एक चौकोर कमरे में घुसी। यहां पन्द्रह बीस, एक से एक आला, हसीन नव युवतियां तथा लड़कियां मशीनों पर तथा यन्त्रों पर कार्यरत थीं।

सभी की सभी अपने आप में व्यस्त। खामोश। जैसे गूंगी हों।

चश्मे वाली नवयुवती पर नजर पड़ने ही कार्य में व्यस्त औरतों में से एक सिगरेट पीती इसके करीब आई। और इसकी तरफ उसने एक टाइपड पेपर बढ़ा दिया।

उसे उस नवयुवती ने पढ़ा। उसकी आंखें खुली की खुली रह गई। वह, बेहद गम्भीरता से सोचते हुये शनैः शनैः वहां से बाहर निकल गई।

× × ×

राबर्ट उस ऊंचे पूरे व्यक्ति के सामने खड़ा था जिसकी सूरत उसने आज तक नहीं देखी थी। उसने क्या उस गिरोह से संबंधित किसी व्यक्ति ने उसकी सूरत नहीं देखी थी। किसी में भी इतना साहस नहीं था कि बास का सामना कर सके।

राबर्ट के सामने उसका सर, बास या चीफ एक परछाईनुमा था। उसे सामने रखकर भी वह अन्धों की तरह था।

—'राबर्ट, यह काम तुम करोगे ?···आन्ली यू···एण्ड नो बडी। अण्डर स्टेण्डी।'

गर्दन झुकाये हुये राबर्ट ने कहा—

'एज युवर आर्डर सर ?'

'अब तुम जा सकते हो ! यस···यदि तुम अभी भी उस प्रोसीजर को नहीं समझ पाये हो, तो एकबार फिर समझ लो।'

'काम एकदम सीधा है।'

'ओ० के०···तुम्हारे लिये यह आखिरी चान्स है।'

इस वाक्य ने राबर्ट के भीतर शक सा बिठाल दिया। वह सिर झुकाये वहां से घूमा और एक छोटे से नजर आते दरवाजे से बाहर निकल गया। वह परछाई वहीं खड़ी रही। और उस दिशा में देखती रही जिस दिशा मैं राबर्ट गया था।

दरवाजा बन्द हो गया।

बन्द हो गये दरवाजे के बाहर राबर्ट पागलों की तरह खड़ा था। और बन्द हो गये दरवाजे पर उसकी नजरें फैली हुई थीं।

उसी समय उसके कन्धे रर किसी का स्पर्श पड़ा। वह चौंका उसने घूमकर देखा—

एक नाजनीन थी। जानता था वह, ये थी रोज ! इस गिरोह की खास सदस्य ! वह उसकी तरफ भांपने वाली नजरों से देख रही थी। उसने पूछा—

—'डियर, राब···ब···र्ट !' आवाज में शराब के नशे की लड़खड़ाहट थी—'व्हाट हेपन ? व्हाय आर यू वरीड ?'

'नाथिन्ग रोज···।'

'नो···नो···ये दरवाजा···और ये तुम्हारी मुर्दानी सूरत ! समथिंग इज श्योर ?'

राबर्ट इस था भी नहीं बोला।

—'कमआन···!' वह बोली—'कमआन···हर समस्या का समाधान है। और हां···मैं तुम्हारी हेल्प करूंगी।

जब राबर्ट ने उसकी ओर देखा—

वह मुस्करायी। शराब में डूबी आंखें उसने नचाकर कहा 'राबर्ट, आओ आज की रात···।'

'नो···नो रोज···नो···आय एम टू मेच···।'

रोज ने अपनी अंगुलियां उसके होंठो पर रख दीं। और फिर अपनी बाहों के घेरे में उसे लेते हुये बोली—

'मुझे बास ने तुम्हारे साथ को आपरेट करने को कहा है।'

'रियेली।' खुशी ये उछल पड़ा राबर्ट।

'य···स ?' वह बोली और राबर्ट ने तभी फुर्ती से रोज के होंठो पर अपने होंठ रख दिये।

रोज शराब के नशे में थी और उसके भीतर वासना मचल रही थी। ऐसे में दिमागी सिर्फ नहीं कुछ सोचता है जो चाहता है, जो उसे पसन्द होता है। अच्छा बुरा, स्तर अस्तर कुछ भी सुझाई नहीं देता।

जिस राबर्ट की सूरत उसे शुतुर मुर्ग का थोबड़ा नजर आता था आज उसमें उसे कुछ भी खोट समझ नहीं आता था।

दोनों एक दूसरे की बाहों में उलझते सुलझते एक हाल में प्रविष्ट हुये। एक धूमिल-धूमिल सी रोशनी में दसों जोड़े बैठे थे। सब अपने अपने में मस्त ! ठीक इस तरह जैसे किसी मध्यमवर्गीय होटल में बैठे हों। बिल्कुल होटल का वातावरण था। बाकायदे वेटर्स थी जो सर्व कर रही थी।

ये दोनों एक मेज घेरकर बैठ गये।

रोज ने एक वेटर को आवाज दी—'डा···लिग···।'

और उस वेटर के करीब आने के पूर्व ही वह आगे बोली—

'दो गिलास काकटेल।'

वेटर आगे बढ़ गई।

करीब दस मिनट बाद राबर्ट और रोज उठकर वहां से अंधेरी सुरंग में पुनः चल पड़े।

× × ×

बांड राबर्ट के कमरे से बाहर निकला तो उसे हसी आ गई। उसका दिल चाहा वह खिलखिलाकर हंस पड़े। लेकिन उसने अपने आपको जब्त रखा।

उस आलीशान कोठी के गेट पर खड़े होकर बांड ने भर नजर कोठी को देखा। उसे टैक्सी चालक की बात याद आई।

कोठी की नींव में सोने की ईंटें रखी गई हैं।

रिअली कोठी शानदार थी।

उधर हार्बर्ट अपने उस कमरे से उठकर एक दूसरे कमरे में चला गया। वहां अंधेरा था। वहां अंधेरे में उसकी अंगुलियां दीवार पर लगे एक स्विच से टकरायीं और लाल रोशनी की झीनी-झीनी सी चादर फैल गई। उस चादरनुमा रोशनी में वह कुछ दूरी तक तो जाता हुआ दिखलाई दिया लेकिन फिर वह अदृश्य हो गया।

बांड वापस टैक्सी के पास पहुंचा। चालक सिगरेट फूंकता बैठा था। बांड को देखते ही उसने दरवाजा खोल दिया। बांड बैठा और उसके बैठते ही चालक ने पूरी गति पर कार छोड़ दी।

बांड तेजी के साथ उस हसीना के बारे में सोच रहा था जो कैंडेनबरा के बाहर रहस्यमय ढंग से मिली थी। वह रहस्यमय ढंग एक सुनियोजित षडयन्त्र का अंग था। यकीनन सुनियोजित षडयन्त्र!

वह फिर उन रास्तों के बारे में सोचने लगा जिन पर यह वह उस हसीना के साथ-साथ गया था।

कहां था वह खण्डहर?

खण्डहर तो उसके मस्तिष्क में एक चित्र की तरह ज्यों का त्यों है, लेकिन वह है कहां?

वह इस बात पर लड़खड़ा जाता था।

—'सर अब कहां चलूं?'

—'हूं...!' बांड सैन्स में आया और उसकी बात को समझते हुये उसने कहा—'चले चलो।'

टैक्सी अब जिन रास्तों पर भाग रही थी। बांड की नजरें चारों तरफ के माहौल का जायजा उठा रही थीं।

यकायक उसने कहा—'लेफ्ट !'

और टैक्सी लेफ्ट हैंड की ओर घूम गई। दूर ब्लूसाइन होटल की मरकरी लाइट चमक रही थी। होटल के इसी तरफ बांड ने टैक्सी रुकवाई। उससे उतरा और उतरते हुए उसने चालक से करीब आकर कुछ कहा और चल दिया।

होटल ब्लूसाइन सस्ता और अच्छा होटल था। प्रायः सभी टाइप के आदमी यहां पहुंच जाते थे।

बांड ने प्रवेश किया। प्रवेश करते हुये बांड नें अपने सूट की जेबों पर अंगुलियां फिराकर अपनी स्थिति को फिट किया कि यदि मौका आ जाये तो वह मुकाबला करने में सक्षम हो।

हाल तक पहुंचते-पहुंचते उसकी आंखों के आगे उस नकली डाक्टर की आंखे वह कद भूल गया। जिससे उसने लकीली दो बातें कर ली थीं।

और फिर जिसका उसने पीछा किया था। पीछा करने में वहीं मिला था। मिल गया था कोई और जिससे बांड ने अपने विभाग की सदस्या को सौंप दिया था। वह इस समय इन्टैलीजेन्स पुलिस के संरक्षण में सेवा-भाव पैदा कर रहा था।

हाल में अधिक भीड़भाड़ नहीं थी। वह एक तरफ को जाकर बैठ गया। उसकी आंखें वहां बैठे लोगों को परख रही थीं।

कभी-कभी कैसा अजीब वाकया गुजरता है।

बांड जिस जगह बैठा था। उसके सामने, मुश्किल से दस गज की दूरी पर बने फैमिली केबिन में बैठा—

यकायक जार्ज चौंका। साथ ही गम्भीरता के साथ बोला—

'नैल्शन, इसे कहते हैं लक ! तुम ही नहीं अब मैं भी लकी हूं।' कहते हुये उसने जोश में उसका हाथ दबाया।

जार्ज के चेहरे के भाव परखकर नैल्शन ने केबिन पर झूलता परदा अंगुली से थोड़ा सा हटाया तथा देखा—

बांड बैठा था।

वह इस वक्त जिस पैतरे से तथा जिस मुद्रा में बैठा था उससे साफ था कि वह किसी इरादे से यहां आया है।

जार्ज तथा नैल्शन को यह भांपते देर न लगी कि कहीं लेने के देने न पड़ जायें।

वैसे जार्ज यह भी सोच रहा था—

कि कहीं हास्पिटल से यहां तक दोपहर उसका पीछा तो नही किया गया और उसे पता ही ना हो।

पींछा तो यकीनन किया गया था, तभी तो टैक्सी पर उसकी नजर पड़ी थी। तथा उसे नौ–दो ग्यारह का हिसाब जमाना पड़ा था। लेकिन किसी ने उसका पीछा भर किया था, यहां आकर उनके वीच की बातें नहीं सुनी थीं।

यकीनन सुनी थीं। वरना बांड इतनी सावधानी का सतर्कता के साथ यहां कदापि ना आंता।

—'क्या सोच रहे हो जार्ज ?'

जार्ज अपने विचारों से उभरते हुये बोला—'सोचना तो तुम्हें है नैल्शन ! मुझे नहीं।'

'क्यों···तुमने अभी तक मेरे पेमेन्ट की बात क्लियर नहीं की।'

'क्लियर कर दूंगा। लेकिन काम होने के बाद।'

'फिफ्टी परसेन्ट पहले एज मुवर प्रामिश !'

जार्ज ने कुछ सोचकर नोटों की मोटी गड्डी नैल्शन के सामने डाल दी। आंखें चमक उठीं उसकी। उसने नोटों की गड्डी झपटकर अपने पंजे की गिरफ्त में कर ली और जेब के हवाले करते हुये बोला—

—'अच्छा डियर, अब देखो मेरे रिवाल्वर का कमाल।'

—'जस्टवेट···।' जार्ज ने एकदम उसका हाथ पकड़ते हुये कहा—'पहले मुझे यहां से निकल जाने दो।'

—'क्यों ?

—'क्योंकि मैं नही चाहता कि बिना मतलब का तूल मेरे सिर पर तूफान बनकर मंडराये।'

—'ओ० के० एज यू लाइक !'

जार्ज फौरन उठा और बांड की ओर बिना देखे काउन्टर-गर्ल की ओर बढ़ गया।

बांड की नजर ज्योंही उस पर पड़ी, वह उठकर उसके पीछे लग गया। लेकिन जार्ज के पीछे चलते वक्त उसके मस्तिष्क में बाकायदा यह सवाल कायम था कि यदि वह अकेला होता तो कभी भी केबिन में घुसकर न बैठता।

अवश्य ही केबिन में कोई रुक गया है।

और यदि रुक गया है तो क्यों ? यकीनन उसकी नजरों से बचना चाहता है या फिर उसके कोई घातक इरादे हैं।

बांड भी काउन्टर के पास जाकर खड़ा हो गया। ठीक इस प्रकार जैसे उसे भी काउन्टर गर्ल से कोई प्राईवेट काम हो।

जार्ज पूरी तरह सतर्क था और चोरी-चोरी यह देख चुका था कि बांड भी काउन्टर के पास आकर खड़ा हो गया है।

पेमेन्ट करके जार्ज आगे बढ़ा तभी बांड ने भी खुले आम उसके पीछे अपने कदम डाल दिये वह पसीने-पसीने हो उठा था। अब वह होटल के बाहर की ओर जा रहा था।

उधर नेल्शन केबिन से बाहर निकल आया था और इन दोनों की ओर देख रहा था।

उसके होठों पर सिगरेट सुलग रही थी। और सुलगती सिगरेट से उठता धुआं उसकी आंखों के सामने परदा करने की कोशिश कर रहा था। उसका हाथ अपनी रिवाल्वर पर था। किसी भी क्षण एक झटके में रिवाल्वर हाथ में आकर आग के शोले उछालने के लिये बेकरार था।

जार्ज जब बाहर आ गया और उसने अब भी बांड को अपने पीछे देखा तो उसने साहस करके कहा—'मिस्टर, क्या चाहते हो ? देख रहा हूं तुम मुझसे उलझना चाहते हैं।'

बांड मुस्कराया।

—'आखिर तुम्हारा अभिप्राय: क्या है ?'

—'यदि जानना चाहते हो तो······मेरे साथ आओ।' बांड ने कहा—

—'मैं तुम्हें एक रहस्य बतलाना चाहता हूं।'

'रहस्य ? लेकिन मुझे किसी भी प्रकार के रहस्य रोमांश से मतलब नहीं है।'

'लेकिन मुझे है।'

'मुझ से मतलब ?'

'बहुत गहरा।'

बांड का चेहरा कठोर हो उठा। उसकी आवाज भी सख्त हो उठी। साथ ही उसने रिवाल्वर निकाल कर कहा—

'सीधे-सीधे मेरे साथ चले चलो वरना···।'

जार्ज ने बांड को घूरकर देखा और फिर साथ-साथ चलने लगा।

नैल्शन भी अब बाहर निकल आया था। और इन दोनों पर अपनी नजरें गड़ाये हुए था।

उसका हाथ एक बार फिर रिवाल्वर की तरफ गया। लेकिन इसी बीच वह दोनों बाहर निकल गये थे। फुटपाथ पर रेंगते हुए टैक्सी की तरफ जा रहे थे।'

बांड जार्ज के साथ चलता हुआ चौकस था। वह पीछे की ओर से पूरा सावधान था। उसे उम्मीद थी कि उसके पीछे कोई ना कोई बबाल जरुर ही चल रहा है।

सड़क पर आम दरफ्त खूब थी। फुटपाथों से लगी दुकानों में खरीद फरोख्त चल रही थी। लोग अपने अपने में निजी थे।

बांड चलते समय उसे कव्हर किये हुए था। जार्ज ने शायद इसीलिये किसी प्रकार की हरकत नहीं की।

अभी ये दोनो टैक्सी तक पहुंच ही सके थे कि—कुछ ही

गज के फासले पर होटल की बाउन्ड्री बाल पर एक व्यक्ति नजर आया। उसने तड़ातड़ पांच सात फायर किये।

जार्ज गिरा !

बांड ने उछलकर अपनी सेफ्टी की।

उसे ख्वाब में भी ऐसी उम्मीद नहीं थी कि फायर उस जगह से होगा। और अन्धा धुंध होगा। उसे तो आक्रमण की आशा पीछे की ओर से थी। लेकिन गोली चलाने वाला बुद्धिमान था। क्योंकि गोली चला कर वह विद्युत गति से दूसरी ओर कूद गया था।

बांड का रिवाल्वर उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सका था। वह जब जार्ज के पास पहुंचा तो वह खत्म हो चुका था।

सोचता रह गया बांड ?

फायर करने वाला यदि चाहता तो बांड को भी अपनी गोलियों का निशाना बना सकता था। लेकिन तमाम गोलियां जार्ज को ही लगी ?

अर्थात केबिन में कोई था जिसने जार्ज के साथ होते हुए भी उससे दुश्मनी निकाली।

आखिर ऐसा क्यों हुआ ?

इस सवाल ने बांड को झकझोर दिया। जार्ज को छोड़कर जब वह खड़ा हुआ तो उसका इरादा हुआ कि वह उस आदमी का पीछा करे। लेकिन क्षण बाद ही उसने सोचा अब तक वह काफी दूर निकल गया होगा ! और इसीलिए उसने गेट के बाहर आकर आक्रमण करने की बजाय बाउन्ड्री वाल के किनारे किनारे यहां आक्रमण करने का इरादा बनाया ताकि कूद कर इत्मीनान से वह निकल भागे।

अब बांड की आंखों के आगे वह व्यक्ति घूम रहा था जिसे जार्ज का पीछा करते समय पकड़ा था।

× × ×

नैल्शन फायर झोंक कर जिस इत्मीनान के साथ कूदा था उसी इत्मीनान के साथ वह एक कार की तरफ झपटकर पहुंचा और अन्धेरे का फायदा उठा कर उसने डिग्गी खोली और उसमें जाकर बैठ गया। लेकिन उसके कान सतर्क थे। हल्की से हल्की आहट पर उसके कान लगे थे।

उसने अब भी अपना रिवाल्वर हाथ में सम्हाल रखा था।

काफी देर बीत गई। उसके बाद वह डिग्गी खोल कर बाहर निकला। अभी वह खड़ा हो ही सका था कि करीब ही दरख्तों की छाव में खडी नजर आई वह हसीना जिसने थामसन को गिरफ्तार किया था। और उसकी आंखों के आगे विक्टर का काम तमाम किया था।

वह पाइप पी रही थी। और अपने बढ़े-बढ़े गिलासो वाले चश्में में से इसकी ओर देख रही थी। कुछ देर देखकर वह मुस्कराई और बोली—'जगह अच्छी है, बैठे रहो।'

वह ड्राईविंग सीट पर आकर बैठी।

और पूरी गति से गेट से बाहर निकल गई।

कार चलाते वक्त वह हसीना एकदम सौभ्य मूर्ति नजर आ रही थी। कोई भी उसे देखकर यह नहीं कह सकता था कि वह इस कदर खतरनाक भी हो सकती है।

उसके कार चलाने का ढंग अजीबो गरीब था। स्टेयरिंग व्हील पर उसके हाथ बडी ही लापरवाही के साथ रखे हुए थे। कभी-कभी वह पाइप हाथ में ले लेती थी।

साय···साय···साय की ध्वति वह सुन रही थी। बहुत ही शीघ्र लन्दन की व्यस्त सडकें पीछे छूट गई। और तब उसने सुरक्षित सा स्थान देखकर कार रोकी।

पीछे की ओर खिडकी से बाहर मुंह निकालकर देखते हुए उसने कहा—

'कम आन नेल्शन !'

उसने पाइप होठों पर रख कर कश खींचा। साथ ही बाजू के लगे मिटर पर भी उसने नजर डाली। लेकिन उसे कोई भी दिखलाई नहीं दिया।

उसने पुन: आवाज दी—

—नै···ल्श···न···कम आउट !'

लेकिन नो रिजल्ट जवाब ना पाकर वह कार का दरवाजा खोलकर बाहर आई। डिग्गी ज्यों की त्यों बन्द थीं। उसने खोला—

आश्चर्य से उसकी आंखे फटी की फटी रह गई।

डिग्गी में बैठा था ००७ जेम्स बांड ! उसकी नजरें उस हसीना को गौर से देख रही थी जिसके मुंह में अब भी पाइप दबा था। और होंठ कुछ-कुछ खुले रहे गये थे।

हसीना के पैरों के नीचे की जमीन निकल चुकी थी। इतना बड़ा धोखा वह कहां और कब खा गई ?

बांड के साथ का रिवाल्वर सायलैन्सर मुक्त था और आयटोमेटिक था जिसमें ट्रेगर की बजाय एक छोटा सा पुश बटन दबा होता था।

पुश बटन दबाते ही पचासों राउन्ड गोलियां निकल जाती थीं। बहुत मुश्किल था कि दुश्मन मौत से अपना दामन बचा सके।

वह ठगी सी खड़ी रह गई थी।

—'डोन्ट वरी, आंय एम बाण्ड······।'

—'बाण्ड···।'

बाण्ड मुस्कराया। धीरे से बोला—'लगता है, बाण्ड का नाम पहली बार सुन रही हो।'

'नो···इसके पहले भी सुन चुकी हूं।'

'तब भी मुझसे इस कदर डर रही हो।'

'डर !' इस शब्द के साथ ही गसने हिकारत से मुंह बिदकाया।

'मैं, हसीन औरतों और लड़कियों में इज्जत से पुकारा जाता हूं।'

'सुना है।'

'फिर भी…।'

'पहले ये रिवाल्वर…।'

'लगता है तुम्हें रिवाल्वर रखने का शौक नहीं है ?'

'नहीं।'

हंस पड़ा बाण्ड !

'मिस्टर बाण्ड, अधिक होशियारी अच्छी नहीं।'

'होशियार तुम हो। रिवाल्वर जैसी चीज रखती ही नहीं। तब तो जरूर कोई और व्यवस्था कर रखी होगी।'

'मिस्टर बाण्ड…!'

'गरज कर बात मत करिये।…वही तो मैं कहूं कि आप मुझसे एक निश्चित दायरे में ही क्यों खड़ी हैं।'

'क्यों खड़ी हूं ?'

'यह भी मैं, ही बतलाऊं…मिस या मैडम…जब रिवाल्वर सम्हालने का काम नाजुक हाथ सम्हालते हों ऐसे में पैरों को ही कष्ट दिया जाता है। गोया हरकत पैरों में है। कहीं आपने भी आटोमेटिक रिवाल्वर अपनी से पिंडलों में तो नहीं छुपा रखा ?'

वह नागिन की तरह फुफकार उठी।

तभी बाण्ड को पल भर का मौका मिला। वह डिग्गी में से उछला और सीधे उसके सीने पर, गर्दन पकड़ कर झूल गया।

नहीं सम्हाल पाई वह बाण्ड के बोझ को लड़खड़ाकर गिरी। और अब बाण्ड ने उस पर काबू कर रखा था।

—'आश्चर्य हो रहा होगा…।' बाण्ड बोला—'…कि मैं यहां कैसे ? और तुम्हारा यार मिस्टर नैल्शन कहां गायब हो गया ?'

—'बाण्ड, आखिर तुम इतनी उछल कूद कर किस बात पर

रहे और मुझसे तुम्हारा मतलब क्या है ?'

—'मतलब···कह नहीं सकता क्या था और क्या नहीं है। लेकिन जब से तुमने नैल्शन को प्यार के साथ बाहर आने के लिये कहा है—तब से मेरा दिल बेकरार हो उठा है। कितने प्यार से पुकार रही थीं डार्लिंग···काश ! ऐसा चांस मुझे भी नसीब होता।'

'सिस्टर बाण्ड···।'

'जस्टवेट···शराफत के नाते अपना नाम तो बतला ही दो।'

'मुझे···तुम···।'

'यस···यस···, एक्स···वाई···जैड···कुछ भी कह सकती हो। लेकिन निकले तुम्हारे मुख से।'

'माय नेम इज सेनी···नाट एक्स, वाई जैड ?'

'मिस सेनी···मिस्टर नैल्शन, आपका लवर···?'

'आपसे मतलब ?'

'मतलब है, वह तुम भी जानती हो।'

'आय एम सारी मैं कुछ भी नहीं जानती।'

'फिर तो मजबूरी होगी।'

'किस बात की ?'

'मुझ में एक खराबी है। किसी भी हसीना को फरेबी नहीं देख सकता। वह पाक साफ मेरी होगी, सिर्फ मेरी या फिर होगी ही नहीं।' कहते हुए बाण्ड ने एक झटके के साथ उसका मुंह अपनी ओर किया।

उसकी सूरत पर गौर करते हुए आगे बोला—

'सूरत और सीरत···दोनों ही अच्छी हैं। लेकिन दिल के मामले में···सोचना पड़ेगा। उसने एक जोरदार धक्का दिया। और वह कुछ दूरी पर बेलाग गिरी।

गिरते ही पता चला उसके सीधे पैर की सेन्डिल बतर चुकी थी धक्का देने के पूर्व बाण्ड ने अंगूठा ऐडी पर लगा दिया था।

बाण्ड ने प्रेन्डिल हाथ में लेकर उसे इधर-उधर किया और

जैसा कि उसे शक था सीधे पैर की सेन्डिल में ही रिवाल्वर था। वैसा ही रिवाल्वर जैसा बाण्ड के पास था। फर्क सिर्फ इतना था कि बाण्ड के पास हाथ में था और उस हसीना ने उसे सैण्डिल में फंसा रखा था। कि अंगूठे का इशारा पाते ही काम हो जाये बाण्ड ने उस रिवाल्वर का पुश बटन बेकार कर दिया। सैण्डिल उसकी ओर उछालते हुए बोला—

'कम आन···।' साथ ही उसने हाथ बढ़ाया सहारा देने के लिए। लेकिन वह धूल झाड़ती उठी। उसने बाण्ड का हाथ नहीं थामा।

—'ओ० के०, ओ० के०···।' कहते हुए बाण्ड ने उसकी बांह पकड़कर गाड़ी की सीट पर बिठाल दिया।

और स्वयं ड्राइविंग सीट पर बैठा।

वह खामोश रही। सामने, बियड स्क्रीन के पार देखती हुई।

बाण्ड ने कार स्टार्ट की। साथ ही पूछा—'कहां चलने का इरादा है ?'

'जहां भी आप उचित समझें।'

और बाण्ड ने कार पूरी गति पर छोड़ दी।

× × ×

राबर्ट और रोज एक कमरे में पलंग पर पड़े थे। इन्हें दीन दुनियां की जैसे खबर नहीं थी। एक दूसरे की बांहों में गुंथे हुए न जाने कितना वक्त हो गया था।

यकायक काल बैल बज उठी। इसकी घनन कानों को बड़ी ही मनहूश लगती थी। रोज ने अपने जिस्म पर पड़ी बर्फ सी सफेद चादर उछाल दी तभी उसकी नजर गई अपने आप पर और झपट कर उसने चादर अपने ऊपर खींच ली।

राबर्ट भी उसी दशा में लेटा था। लेकिन उसे होश नहीं था। वह चादर से बहुत कुछ ढाके रहने का प्रयास करती कपड़ों के पास गई। उसने कपड़े उटाकर पहिने और जल्दी से जल्दी उस कमरे से बाहर निकल गई।

कुछ ही पलों बाद वह एक कमरे में थी। जिसमें करीब आठ-दस नवयुवतियां तथा मर्द थे। उन्हीं में रोज भी जाकर बैठ गई।

सामने स्पीकर लगा था और उस स्पीकर के ठीक नीचे एक यंत्र था जिसके गोल मुख पर रैड विडिल घूम रही थी।

कुछ ही देर बाद एक आवाज गूंजी—

—'आप सब लोगों के लिए वही काम है जिस पर अभी तक अपना काम करते आये हैं। मिस रोज एण्ड राबर्ट आज से एक नये काम पर जा रहे हैं। फौरन जायें। उनका वक्त हो चुका है।

सब उठ गये और एक-एक करके वहां से गायब हो गये। रोज अलसाई हुई थी। उसके शरीर में खुमारी सी भरी थी। वह लचकती-भटकती कमरे में वापस आई।

राबर्ट एकदम फौजी की तरह आइने के सामने खड़ा अपने वस्त्र सही कर रहा था। रोज को देखते ही उसने बांहें फैला दीं और रोज भी उन बांहों में जाकर सिमट जाने के लिये बेकरार हो उठी। उछल कर उसकी बांहों में गई।

कुछ देर दोनों अपनी सांसों में गरमाहट भरते रहे, हांफते रहे और फिर दोनों व्यवस्थित होकर बाहर निकले।

रात का वक्त था। आकाश में यहां वहां बादलों के टुकड़े फैले हुए थे। हवा में खुनक सी थी। इस हवा से दोनों के मस्तिष्क कुछ सही हुए।

चट्टानी इलाका पीछे घुर रहा था। कार ड्राइव कर रही थी रोज। राबर्ट उसके हाथों का कमाल देख रहा था। वह एक निश्चित एंगिल से कार ड्राइव कर रही थी। कि उसे चट्टानों से कार को काटने में अधिक उछल कूद मचानी नहीं पड़ रही थी।

—'क्या देख रहे हो राबर्ट···?'

—'कुछ नहीं डार्लिंग···देख कुछ नहीं रहा, सोच रहा हूं।'

—'क्या ?'

—'लगता है तुमने आज मुझे बचा लिया है ।'

—'कैसे ?'

—'यह तो नहीं कह सकता, परन्तु मेरा तजुर्बा कहता है कि तुम्हीं ने मुझे बचा लिया । गाड नोज बचूंगा भी या नहीं ।'

'जब बचा लिया है तो बचोगे कैसे नहीं ?'

'मुझे उम्मीद नही है कि मैं टक्कर ले पाऊंगा ।'

'तुम्हारी उम्मीद मैं हूं, समझे ! नरबस होने की जरूरत नहीं ।'

'ओ० के० !'

'तो पहले पेइंग गैस्ट चलूं ।'

और कार पेइंग गैस्ट की ओर घूम गई ।

रात के आलम में लन्दन सिटी से कुछ हटकर जाते रास्ते पर भागती, सांय-सांय करती कार ! ऐसे में कार की ध्वनि बड़ी ही अजीब सी लगती है । राबर्ट का चेहरा कुछ पीला सा पड़ा हुआ था । उसके सामने बह सीन बार-बार आ रहा था कि वह कितने अजीबो-गरीब ढंग से ले जाया गया और फिर उसकी किस प्रकार दुर्गत बनाई गई ।

उसे पूरा विश्वास था कि कहीं ऐसा ना हो कि रोज की इस कार में उसकी लाश को रखकर वापस किया जाये ।

—'रोज...!' राबर्ट ने सूखे गले से कहा—'मुझे लगता है हम मुसीबत में फंसने जा रहे हैं ।'

'मर्द होकर घबराते हो ।'

।हां...'क्योंकि मैं हसीनाओं की हरकते देख चुका हूं ।'

वह कुछ नहीं बोली । हां, कार की गति कुछ और बढ़ गई । इस चुप्पी पर राबर्ट को शर्म सी हुई और अपनी भूल का एहसास करता हुआ चुप ही रहा ।

पेइंग गैस्ट में एक हलकी सी धुन बज रही थी । कुछ जोड़े चिकने फर्श पर थिरक रहे थे । थिरकते हुये जोड़े रोमांस की

सीमाओं को लांघ रहे थे ।

कुछ जोड़े संगीत की स्वर लहरियों को तिलांजली देकर अश्लील इशारों से एक दूसरे को मुग्ध कर रहे थे ।

कार पार्किंग में रुकते ही राबर्ट का चेहरा सफेद हो उठा । लेकिन मजबूरी थी वह, उतरा और बोला—'कम आन, डार्लिंग ।

दोनों काउन्टर की तरफ बढ़े । काउन्टर पर बैठी लड़की ने राबर्ट की तरफ देखा । यह वही लड़की थी जो उस समय भी बैठी थी जब राबर्ट को एक हसीना अपने इशारों पर नचाती ले गई थी । काउन्टर गर्ल का उसकी तरफ देखना जैसे जड़ों पानी डाल गया ।

दोनों एक मेज घेरकर बैठ गये । रोज एकदम फ्री थी । समझ में नहीं आ रहा था कि क्या उसे मौत का जरा सा भी भय नहीं है ।

वेटर ने करीब आकर सेवा पूछी और रोज ने बेहिचक कहा—'टू गिलास स्पेशल काकटेल !' वह अब भी उसी तरह फ्री थी, निर्भय थी ।

काकटेल के गिलास सामने आते ही उसने राबर्ट की तरफ एक बढ़ाते हुये कहा—

—'टेक इट् डियर ?'

राबर्ट की हालत अब तक एकदम खस्ता हो चुकी थी । उसी समय उसकी नजर ऊपर की ओर गई । जो पतला जीना उस प्रमुख हाल के चारों तरफ फैले केबिनों के पार से गया था । वहां चौथी मंजिल से मिस सेनी हाल में दे रही थी ।

उस पर नजर पड़ते ही राबर्ट के चेहरे से पसीना छलछला आया और तभी रोज ने भी ऊपर की ओर देखा । उसके मुख से निकला—'सेमी···!'

—'क्या तुम इसे जानती हो ?' राबर्ट ने अचकचाकर तथा सूखे गले को किसी तरह तर करते हुये पूछा ।

रोज ने राबर्ट की ओर देखा। उसने कुछ झांपना चाहा। फिर धीरे से बोली—'य···स, ये मेरी बहिन है।'

'ह्वाट ?'

'यस···माय यंगर सिस्टर ?'

राबर्ट को जैसे विश्वास नहीं आ रहा था कि सैनी, वह जिसने राबर्ट जैसा की पिंडलियों में पिघला हुआ शीशा उतार दिया था। वह रोज की यंगर सिस्टर है।

एक बार उसने ऊपर की ओर देखा।

वह गायब थी।

कहां गायब हो गई ये।

रोज ने कहा—'राबर्ट तुम यहीं बैठो। मैं अभी आती हूं। घबराओ नहीं और हां याद रखो···यदि किसी को अपनी तरफ घातक इरादों से बढ़ते देखो तो फौरन गोली मार देना।'

रोज सीढ़ियों की तरफ बढ़ गई।

राबर्ट उसके बारे में सोचने लगा—

यहां आने के पूर्व ही ये दिलेरी दिखा रही थीं और फिर हसीना को देखते ही अपनी बहिन बतलाना! आखिर इसकी वजह क्या है?

उधर बांड के सामने सैनी बैठी थी। उससे हंस-हंसकर बातें कर रही थी।

—'सैनी···।' बांड बोला—'···जो कुछ भी तुमने कहा है, क्या यह सच है?'

—'बांड मैंने उसे मर्डर के लिये नियुक्त किया था?'

—'सैनी, यह तो मैं मानता हूं, लेकिन यह नहीं मानता कि जार्ज ने तुम्हारा अपमान किया था और तुमने उसकी हत्या कराने के लिये नैल्सन को नियुक्त किया?'

—'ह्वाट, मिस्टर बांड······आखिर तुम्हारे कहने का मतलब?'

—'डार्लिंग···जार्ज के मर्डर के पीछे वजह कुछ और है?'

—'मेरे दिल में जो कुछ भी था मैंने कह दिया। आगे तुम्हारी मर्जी।'

—'हां...तुमने तो कह दिया, लेकिन तुम्हारे महारे कहने से मेरा काम पूरा नहीं हुआ ? बहरहाल इतना तुम भी सुन लो तथा समझ लो कि इस वक्त नैल्शन मेरे कब्जे में पहुंच चुका है और उससे ऐसा कुछ सही-सही उगलवा लेना, साधारण सी बात है।'

—'आफ कोर्स...मैं तुमसे झूठ बोलना अपनी त्यौहीन समझती हूं।'

बांड चौंका—'व्हाट ?'

—'मेरा नाम सेनी है बाण्ड, मैं एक शरीफ लड़की हूं और शातिर बदमाश भी। शरीफों के साथ शराफत से पेश आना मेरी आदत है और मेरे साथ बदमाशी दिखाने वाले को बदमाशी का रूप दिखाना मेरा शौक !'

और तभी बाण्ड ने एक झापड़ रसीद किया। तड़ाक की आवाज कमरे में गूंजी। साथ ही सेनी के मुंह से चींख फटी। और वह कुर्सी से फर्श पर लुढ़क गई।

तभी बाण्ड को ऐसा लगा कि कोई तो भी दरवाजे के पास से अभी-अभी हटा है।

वह उछला और उसने दरवाजा खोला। दरवाजा खोलकर हाल में निकली बालकनी में आकर जीने की तरफ झाक ही रहा था। कि उसकी नजर राबर्ट से टकरा गई। वह ऊपर की ही ओर देख रहा था।

इस हरकत पर बाण्ड को शंका हुई कि कहीं ये दो तो नहीं, सम्भव है एक ऊपर आया तो तथा दूसरा यहीं बैठा रहा हो। वरना इसे ऊपर देखने की क्या जरुरत थी ?

और फिर चौखटा भी इसका इसी टाइप का है।

बाण्ड फौरन ही वहां से हटना नहीं चाहता था। देखना चाहता था दूसरा कौन है ?

कुछ ही पलों बाद रोज, राबर्ट की इशारे से अपनी ओर बुला रही थी। राबर्ट नजरें झुकाये बैठा था। वह बांड को अच्छी तरह जानता था। और उसकी उपस्थिति के मतलब को भी अच्छी तरह समझता था कि यदि वह वहां है तो वहां कोई ना कोई भयानक रहस्य जरुर मंडरा रहा है।

जब राबर्ट ने रोज की ओर भूल कर भी नहीं देखा तो वह उसके पास आई। बाण्ड ने राबर्ट के पास एक खूबसूरत सी लड़की को बैठते देखा तो उसे समझते देर ना लगी कि यही वह थी जो दरवाजे के पास खड़े होकर भीतर देख रही थीं तथा भागी है।

यकीनन यही थी, बाण्ड के कानों में उसके वहां से आवाज जैसे गूंज रही थी।

तो क्या ये लड़की सेनी के साथ है। यदि ना होती तो यहां उसके होने का सवाल ही नहीं उठता। दूसरी बात ये बुलडाग जिसकी जुबान यकीनन किसी के पास गिरवी रखी है, इस वक्त इस गुलबदन के पास ना होता।

बांड जैसे इतनी देर के लिये भीतर गिरकर बेहोश हो गई सेनी की तरफ से कतई हट गया था ! याद आते ही वह उस कमरे की ओर दौड़ा। और दहलीज पर पहुंचते ही उसके होश उड़ गये। वह एकदम भाग कर खिड़की के पास पहुंचा।

दूर–दूर तक अन्धेरा ! वीरानगी ! रात का माहौल !

सेनी गायब हो चुकी थी !

बाण्ड के दिमाग में सेनी की बात गूंजी, उसके शब्द गूंजे–'मेरा नाम सेनी है बाण्ड, मैं एक शरीफ लड़की हूं और शातिर बदमाश भी। शरीफो के साथ शराफत से पेश आना मेरी आदत है। और मेरे साथ बदमाशी दिखाने वाले को बदमाशी का रूप दिखाना मेरा शौक !'

बाण्ड की आंखों में क्रोध की चिंगारियां चमकने लगी। वह कमरे से बाहर ठीक ऐसे निकला जैसे तीर !

लेकिन जब वह नीचे हाल में बैठे लोगों की तरफ देखा तो वह दोनों भी गायब थे।

इस वक्त इन तीनों, से मतलब है रोज, राबर्ट तथा सेनी। सेनी ने भी पहचान लिया था। राबर्ट साथ साथ था।

रोज ने कहा—'राबर्ट, मेरी यंगर सिस्टर एक लम्बे अर्से के बाद मिली है। मैं, उससे कुछ बात करना चाहती हूं।'

रोज की इस अनुनय विनय जैसी बात सुनकर सेनी का भावभंगिमा कुछ बिगड़ सी गई। उसने राबर्ट की तरफ देखा। और राबर्ट ठीक ऐसे रह गया जैसे पालतू कुत्ता !

सच है दहशत खाकर आदमी कहीं का नहीं रह जाता।

दूर हटते ही सेनी ने कहा—'बोल क्या बात है ?' ये काठ का उल्लू तेरे साथ कैसे ?'

'सेनी, ये भी गिरोह का ही आदमी है। यदि ये मेरे साथ ना होता तो आज में अपने काम में कामयाब भी ना होती।'

'वह कैसे ?'

'सिलसिले वार बाद में बतलाऊंगी। पहले जरुरी बात सुन लो।'

'क्या ?'

'पहली बात किसी सुरक्षित स्थान पर चलो।'

'दूसरी बात ?'

'पहले चलो ना···।'

हंस दी वह। साथ ही बोली—'मैं भी यही चाहती हूं क्योंकि अभी बाण्ड की होशियारी को धूल चटाकर आई हूं। हालांकि अभी उसने जो चाटा मेरे गाल पर मारा है उसका मजा चखान शेष है।'

'लेकिन—'

'रोज, कम आन···बातें इतनी हैं कि ना–ना कहते हुए भी बहुत देर हो सकती है।'

'लेकिन ये [राबर्ट···] इसे कहां···!'

'यह तो साथ ही रहेगा···हां···एक बात गौर से सुनिए··· मैंने तुम्हें अपना यंगर सिस्टर बतलाया है।'

इस बात पर सेनी ने उसकी ओर देखा। ऐसी जाने क्या बात हुई सेनी की आंखे सजल हो उठी। और वह तेजी के साथ रोज से लिपट गई।

रोज का दिल भी भर आया। दोनों की आंखों से आंसू टपक पड़े।

'ओह! यू मैड···।' सेनी ने कहा—'मैं तो तुझे शुरू से ही अपनी बहिन मानती आ रही हूं।'

'लेकिन सेनी···।'

'चल अब भाग सकें! यह जगह सेफ नहीं है। बाण्ड की घातक नजरें हमें यहां देख सकती हैं।'

रोज वापस हुई औरहा बर्ट के करीब आई धीरे से बोली

'क्या तुम एक दूसरे को जानते हो?'

'क्यों?'

'राबर्ट···जल्दी साफ-साफ बतलाओ···वरना हम किसी मुसीबत में भी फंस सकते हैं।'

'हां···यही तो है वो जिसने विक्टर को घटना स्थल पर ही कुचल कर खत्म कर दिया। फिर थामसन की लाश···।'

'ओह!···।'

'क्या हुआ डार्लिंग?'

'नथिंग राबर्ट···लेकिन···खैर! कोई बात नहीं। कम आन···।'

दोनों सेनी के पास आये।

'बड़ी देर तक प्लानिंग होती रही क्या बात है?'

राबर्ट इस सख्त आवाज से कांपा। वह चाह कर भी कुछ कह ना सका।

—'कम आन···।' सेनी ने ही कहा—'···पहले हमें किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना है।' सेनी ने एक बार फिर अपनी

बात दुहराई ।

तीनों वहां से निकल भागे पहले ये पेईंग गैस्ट के पीछे, बाउन्ड्री बाल लांघकर पहुंचे । कुछ देर अन्धेरे में वहां का वातावरण भापते रहे । फिर रेंगते हुए बाउन्ड्री बाल के किनारे-किनारे उस सड़क की ओर बढ़े जो इस होटल के सामने से गुजरती थी ।

रास्ते इस पार खड़े रहकर काफी देर तक ये अन्धेरे को घूरते रहे । कहीं कुछ भी नहीं !

ऐसा तो होने से कहा कि बाण्ड के हाथ से खूबसूरत मैना फुर्र से उड़ जाये और वह उस ओर देखे भी ना कि मैना कहां को उड़ गई ।

फिर भी---

इन तीनों ने एक के बाद एक तारकोल की सड़क की चौड़ाई को लांघा और जब ये तीनों सड़क की दूसरी ओर के अंधेरे में खो गये तब इनकी जान में जान आई ।

राबर्ट का दम ऊपर का ऊपर और नीचे का नीचे रह गया था । क्योंकि ये वही रास्ता था जिस पर कुछ देर पहले वह एक बार चल चुका था । उस वक्त उसके आगे-आगे एक हसीना थी। और इस वक्त उसके साथ दो हसीनाएं थीं । एक आगे तथा एक पीछे ।

उसका दिल, बड़ते हर कदम के साथ डूबता जा रहा था । बड़े-बड़े डरावने खयालात उसके जेहन में उठ रहे थे । और वह जीते जी मृत्यु को गले लगाने जैसी पीड़ा सहता आगे बढ़ रहा था ।

× × ×

बाण्ड बड़े ही इत्मीनान के साथ पेइंगगैस्ट के बाहर अंधेरे में खड़ा इन्हें देख रहा था ।

देख रहा था कि ये तीनों सड़क के दूसरी ओर अंधेरे में जाकर किस तरह समा गये ।

बाण्ड इनकी सतर्कता पर मुस्करा दिया। वह तेजी के साथ कार पार्किंग की ओर बढ़ी—

सेनी की कार ज्यों की त्यों रखी थी। वह ड्राइविंग सीट पर बैठा और स्टार्ट करके पेईंग गैस्ट से फौरन ही आउट हो गया।

खामोश सड़कों पर बाण्ड ने फुल स्पीड पर कार छोड़ दी थी सांय···सांय के सिवाय कोई आवाज उसने कान में नहीं पड़ रही थी।

थोड़ी ही देर बाद—

कार का रूख समुन्द्र की ओर उसने मोड़ दिया। थोड़ी ही देर में दहाड़ते समुद्र का किनारा आ गया। खुले आकाश के नीचे उसने सुरक्षित स्थान देखकर गाड़ी रोक दी। तथा उतर कर अपने चारों तरफ देखा।

फिर उसने अपने कोट की जेब से सिगरेट केश निकाला एक सिगरेट होठों पर घुमाई। लाइटर की जुगनू की तरह रोशनी लुपलुपाई तथा बुझ गई।

सिगरेट के साथ ही बाण्ड ने अपने मुंह से धुंआ छोड़ा। जो मुंह से निकलते ही हवा में फैल गयी। बाद ही लाइटर से कई की ध्वनि के साथ एरियल निकल कर चमकने लगा।

एरियल हवा में लहराते ही एक छोटा सा लाइट प्वायन्ट सिगरेट केश पर जलने तथा बुझने लगा।

और ज्यों ही वह बुझा बाण्ड ने कहा—'हैलो···हैलो···हैलो ००७ बाण्ड स्पीकिंग, ओवर।'

'हैलो हैडक्वार्टर···स्पीकिंग···ओवर !'

'हेण्ड ओवर टु एम···ओवर।'

'ओ० के० सर···आय हेण्ड ओवर टू एम···ओवर !'

'ओ० के०···।'

कुछ ही पलों बाद ट्रांसमीटर पर एम० की आवाज गूंजी—'हैलो···एम० दिस साइड···ओवर !'

बाण्ड स्पीकिंग सर···व्हाट इज इन्फार्मेशन सर ?' ओवर···

बाण्ड टेक इन कोड़, ओवर !

'ओ० के० सर···।' कहते हुए बाण्ड ने जेब से दो कटोरिया नुमा निकाली। जिनमें वायर अटैच्चड़ थे तथा उन वायरों के सिरों पर प्लग नुमा लगे थे। उन प्लगों को ट्रांसमीटर के पीछे छोटे-छोटे दो छिद्रों में लगाकर कटोरियों को कान पर चढ़ाकर बोला—'यस सर···।'

और फिर एक भनभनाहट सी ट्रांसमीटर के बाहर गूंजती सुनाई दी अतिरिक्त कुछ भी नहीं।

हां, बाण्ड बड़ी ही मायन्यूट्‌ली सुन रहा और सुनते वक्त उसके चेहरे की भावभंगिमा बड़ी ही तेजी के साथ बनवा बिगड़ रही थी।

काफी देर सुनने के बाद उसने यही कहा—

'ओ० के० सर, आय ओबे युवर आर्डर ! ओवर सर, ओवर एण्ड आल !'

इन शब्दों के साथ ही उसने रबर की कटोरियां, यानि कि रिसीविंग कैप्स कानों पर से उतारकर जेब के हवाले कीं ट्रान्स-मीटर कीं लाईटर में तब्दींल करके अपने आप ही बुदबुदाया।

'ओ० के०···तो यह बात है !'

यह वाक्य कहते हुये उसकी आंखें जल सी उठी थीं।

--'बट, हाऊ इट इज पासिबिल···!' वह आगे बुदबुदाया। साथ ही उसकी आखों के आगे वह दृश्य घूम गया। जब उसने जार्ज की एश पर से उठता हुए यह आशंका महसूस की थी कि दुश्मन भाग गया होगा। लेकिन तुरन्त बाद ही बांड का दिमाग घूम गया था। उसने टैक्सी चालक को कुछ समझाया और उसने सोचा—

क्यों ना जक बाव वह बाउन्ड्री बाल पर चढ़कर भीतर का जायजा उठाये और फिर उसे बाउन्ड्री बाल पर चढ़ने में अधिक देर नहीं लगी। पुलिस से सुपुर्द गाड़ी करके पीछे से चालक भी

आ गया था।

बाउन्ड्री वाल के किनारे-किनारे लगे दरख्तों की ओट में अपने आपको छुपाये हुये वह सिर्फ देखने के लिये खड़ा था।

उधर पुलिस ने टैक्सी के करीब इकट्ठी हो रही भीड़ को रफादफा करते हुए जार्ज को गाड़ी में डालकर ले भागी थी।

बांड ने तभी देखा था सेनी को भी नैल्शन की डिक्की खोलते ही उसे वहीं छुपे रहने की सलाह दे रही थी।

और ज्योंही वह कार की ड्राइविंग सीट पर पहुंची थी त्योंही बांड ने विद्युत गति से उतरकर डिक्की को थोड़ा खोलकर नैल्शन का जबड़ा मसोस लिया था। उधर सेनी ने कार स्टार्ट की थी। स्टार्टिंग की आवाज में नैल्शन की ना के बराबर हु···हा···मी दब गई थीं।

यह कारनामा टैक्सी चालक देख रहा था।

उसने बांड का अनुकरण किया था। उतरकर उसने उसे काबू में ले लिया था। साथ ही जमीन पर ही दूबक गया था।

कार ज्योंही हिचकोला लेकर आगे बढ़ी थी। त्योंही बांड ने डिक्की में अपने आपको छुपा लिया था।

तो इस समय बांड वीराने में खड़ा था। सोचता हुआ। उसके हाथ में ट्रांसमीटर कम सिगरेट केस कम लाइटर था और उसके आगे नाच रही थी तस्वीर नैल्शन की।

क्या सचमुच नैल्शन सही कह रहा है?

यदि हां तो फिर सेनी भी झूठ नहीं बोल रही है।

लेकिन यदि उसका कहना सही था तो फिर सेनी उसे चकमा देकर गायब क्यों हो गई?

दूसरी बात सेनी ने ही इस होटल में आने के लिये उसे प्रेरित किया था।

वैसे बांड यदि चाहता तो यहां ना भी आता। लेकिन वह आ गया था। जान बूझकर आ गया था। सिर्फ इसलिये कि सम्भव है यहां से उसे कोई और सुराग भी मिले।

'नैल्शन ने इतना तो बतलाया कि उसे जार्ज की हत्या करने के लिये नियुक्त किया, लेकिन क्यों ? किस वजह से सेनी ने जार्ज की हत्या करने का निश्चय किया ? यह बात नैल्शन ने घुमा दी। उसने स्पष्ट शब्दों में अपना अपराध कबूल किया और कहा —'कि इससे उसे कोई मतलब नहीं था कि वह किसी की हत्या क्यों कराती है ? उसे तो ऐसे जघन्य अपराध के लिये मोटी रकम चाहिये थी। जो वह उसे मिल चुकी थी।

तब ऐसी स्थिति में सेना का कहना क्या सही है कि उसने जार्ज का खून मात्र अपने अपमान के बदले के रूप में कराया ?

इस सवाल के सन्दर्भ में बांड का दिल सेनी के वक्तव्य के साथ मेल नहीं खाया।

नहीं वजह कुछ और है ?

और इस निर्णय के साथ, बांड कार की तरफ बढ़ गया।

× × ×

सेनी, राबर्ट तथा रोज के साथ जब अंधेरे में चल रही थी तभी राबर्ट तथा रोज ने देखा कि वह दोनों धीरे।धीरे परछाइयो के घेरे में घिरते जा रहे हैं। इन परछाइयों का मौन घिराव दहशत पैदा कर रहा था। खासकर राबर्ट की हालत एकदम पतली थी।

कुछ ही देर बाद राबर्ट को सेनी ने घूमकर कहा—

'तुम यहीं रुको, अभी कुछ देर बाद तुम्हें बुलाया जायेगा।'

वह रुक गया। साथ ही चार-पांच नाजनीनें उसके पीछे खड़ी हो गयीं।

राबर्ट ने वहां के वातावरण को परखने के लिये भरपूर आंखें फाड़कर देखा लेकिन समझ में कुछ भी न आया।

सेनी, रोज के साथ अब एक गुप्त रास्ते में चल रही थी। चलते हुए उसने कहा—'सेनी वह फार्मूला मिल सकता है।'

'मिलना ही चाहिये।'

'लेकिन एक शर्त है ?'

'नो···बिना शर्त !'

'पूरी बात सुनो···फिर प्राफिट सोचो···।'

'क्या ?'

'सुन लेने में कोई बुराई तो नहीं है।'

'बोलो···'

'सेनी उसका कहना है कि जमाना कोग्रापरेशन का है। फार्मूला वह दे सकता है लेकिन प्रोडोजान जो कुछ भी होगा उसे मार्केट में खपाने का काम दोनों खुफिमा दल, अपने-अपने ढंग से करेंगे और जो कुछ भी लाभ होगा वह बराबर-बराबर ढंग से बट जायेगा।

—'दिमाग खराब हो गया है क्या ? क्या कभी खुफिया गिरोह भी एक दूसरे के साथ मिलकर काम कर सकते हैं ?

—'सेनी···!'

—'रोज···क्या तुम्हें इसीलिये वहां भेजा गया था ? यह बतलाओ वह फार्मूला कहां है ?'

—'सेनी···बहुत मुश्किल है उस फार्मूले को पाना। और ना ही उसका कोई मूल्य है।'

—'रोज···!'

—'सेनी···सोच लो···?'

—'रोज हमारा दल क्या है ? उसकी क्या सामर्थ्य है, क्या तुम्हें पता नहीं है। क्या हम इतने घटिया गिरोह के साथ कोग्रापरेट कर सकते हैं। इस बात को लेकर कोग्रापरेट करने का मतलब है कि हमारे तमाम खुफिया कामों से दुश्मन को अवगत करा देना।'

'आज जो चीज उसके पास है, वह कुछ ही दिनों में उसे एक शक्तिशाली संगठित गिरोह के रूप में ख्याति दिला देगी।'

'यह मामला तर्कों का नहीं है।'

'फिर ?'

'फिर कुछ नहीं। यह काम चीफ की तरफ से मुझे सौंपा गया है और मैंने तुम्हें सौंपा···लेकिन नतीजा···नेहर माइन्ड मुझे ही कुछ करना होगा।' वह कुछ कठोर हो उठी।

इस पर रोज का चेहरा उदास हो उठा। फिर भी उसने पूछा—

'सेनी···क्या करोगी तुम ?'

'यह तो मुझे भी पता नहीं। लेकिन तू कितनी पागल है, तुझे क्या यह पता नहीं कि हम आर्डर सुनते हैं, उन पर अमल करते हैं। सलाह देना भी हमारे हक में नही है।'

रोज पसीने से नहा गई। वह अपने आपको कोसने लगी—

सचमुच यह उसे क्या हो गया ?

क्या हो गया उसे जो वह यह सब कुछ सोचकर यहां चली आई है। उसके विचारों में एक तूफान सा उठा। उसने उसे झकझोर दिया। झकझोर कर हवा में उड़ती रोज को, धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया। उसने कांपती हुई जुबान से कहा—

'मिस सेनी, आय एम सोरी, रिअली बाव हार्ट—आय एम सोरी एक चांस मुझे और दो। बस, आजीवन मैं तुम्हारी ऐहसानमन्द रहूंगी।'

सेनी ने इस पर रोज की तरफ देखा।

सचमुच वह भीतर ही भीतर सिकुड़ती सी चली गई थी।

—'जाने क्यों तुमसे मुझे कुछ अधिक ही प्यार है। ओ० के०···यू गो एण्ड कम्पलीट दिस वर्क !'

—'थैंक्यू मिस सेनी···थैंक्यू···।'

और वह वहां से जाना चाही तभी सेनी ने उसे रोका कहा — रोज, किसी भी सहायता की जरूरत पड़े तो मुझे इन्फार्म करना। लेकिन इस फार्मूले पर गास का एक छत्र राज्य होना चाहिसे।'

'स्योर सेनी···स्योर !'

'गुड लक···।'

रोज वहा से वापस हुई ।

राबर्ट ज्यों का त्यो खड़ा था । रोज को देखते ही वहां जो नाजनीनें राबर्ट को कवर किये थीं, वह सब पीछे हट गयीं थीं ।

अब दोनो वापस हो रहे थे, अपने आपमें खोये हुए। परेशान ! एक दो बार उस अन्धकूप में दोनों ने एक दूसरे की तरफ देखा, लेकिन दिखलाई कुछ भी नहीं दिया ।

× × ×

सेनी इस वक्त एक कमरे में थी और तीन--चार नाजनीनों के बीच बैठी शराब पीं रही थी । उसने आंखों पर से चश्मा उतार गिया था । उसकी आंखें अब और भी खूबसूरत लग रही थी । उनमें मस्ती छाती जा रही थी । होंठ रसीले हो रहे थे । शराब से तर होठों की चमक आकर्षक थी ।

—'तो आज तुम्हारा सामना बांड से हो गया ?'

—'हां'''और मजे की बात ये कि जो मैंने कहा वह मैंने कर भी दिखाया ।

—'क्या ?'

...'बतलाया ना, मैंने उससे एक बात को लेकर कहा था—मेरा नाम सेनी है बांड, मैं एकशरीफ लड़की हूं और शातिर बदमांश भी । शरीफों के साथ शराफत से पेश आना मेरी आदत है और मेरे साथ बदमाशी दिखाने वाले को बदमाशी का रूप दिखाना मेरा शौक !'

और इस बात पर सभी खिलखिलाकर हंस पड़ीं ।

तभी इनसे बीच एक आवाज गूंजी—

—'भूलती हो डार्लिंग सेनी'''।'

सब की सब चौंक पड़ीं । बुरी तरह चौंकी सेनी । यकायक उसने पूछा—'किसने बोला यह सब ?'

—'यहां तो हम सब ही हैं । उनमें से एक बोली—'यह सब हमसे नहीं बोला ।

—'फिर किसकी आवाज थी यह ?'

—'मिस सेनी यह बांड की आवाज है, ००७ जेम्स बांड की आवाज ! परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुमने अपने आपको बहुत अधिक होशियार समझ रखा है, लेकिन तुम मेरे सामने हुनरबाजी में बच्ची हो और यह बात कदम-कदम पर मैं तुम्हारे बारे में सिद्ध कर सकता हूं।'

सबके चेहरे पीले पड़ चुके थे। सबकी आंखों में भय तैर आया था। सबको ऐसा लग रहा था जैसे वहां आकर बांड खड़ा हो गया है और उन्हें घूरकर देख रहा है।

तमाम हसीनों की आंखें इस आवाज का पीछा कर रही थीं। लेकिन बांड की आवाज तो एक अदृश्य आत्मा की आवाज की तरह गूंज रही थी।

उसी सुरंगनूमा खुफिया अड्डे के एक कमरे में जहां सैकड़ों प्रकार के यन्त्र कार्यरत थे। और उन पर दसों जोड़ी हसीन आंखें चुस्ती और चालाकी के साथ लगी हुई थीं यकायक एक हसीना उनमें से चौंक पड़ी—

उसके सामने लगे यन्त्र के गिलास पर बार-बार एक रोशनी बिजली की तरह चमक जाती थी। उससे दूसरा यन्त्र अटैचड करते ही दिशा एवं दूरी का पता लग गया।

तुरन्त ही सुरंग में एक भगदड़ सी मच गई। करीब बीस हसीन नवयुवतियां जो इमर्जेन्सी रूम में बैठी थीं। आदेश पाते ही भागीं। और देखते ही देखते वह कमरा घेर लिया गया जिसमें सेनी अपनी सहेलियों के साथ बैठी शराब पी रही थी। और शराब पीते ही पीते नई मुसीबत का शिकार हो गई थी।

दरवाजे का पलड़ा आयटोमेटिक तरीके से बन्द था। एक नाजनीन ने प्रवेश किया। उसने भीतर का दृश्य देखा और हक्का बक्का रह गई। वह बोली कुछ भी नहीं।

सेनी ने उसे किसी प्रकार का संकेत दिया। जिसका मतलब सिर्फ वह नवयुवती समझी। उसने वापस होकर बाहर खड़ी नवयुवतीओं में से एक के कान में कुछ कहा—

वह भागी।

कुछ ही देर में वह उस रूम में थी जिस रूम में एक से एक खतरनाक यन्त्र फिट थे। आपरेटर जिसने पावरफुल माइक्रोफोन कम टी० बी० केमरे पर बातें करते सुना था उससे जाकर उसने कान में कुछ कहा।

सुनते ही उसने कहा—'ओ० के० !'

और वह उठकर फौरन ही एक दूसरे यन्त्र पर जा बैठी। उसके स्विचों को उसने तेजी के साथ आन किया। आन करते ही सामने लगा स्क्रीन झिलमिलाया और उस पर दृश्य उभरने लगे। एक बार उस आपरेटर ने लाल रंग का स्विच आन किया। ऐसा करते ही स्क्रीन पर एक गेंद के आकार की चीज नजर आई जो अधर में लटकी हुई थी।

एक दूसरी नाव से उसे हैण्डिल करते हुये वह उसे आकाश में मनचाही दिशा में विद्युतगति से डड़ाकर ले जाने लगी। इतनी ही तेजी के साथ टी० बी० स्क्रीन पर दृश्य उभरने लगे।

कभी आपरेटर की नजरें टी० बी० स्क्रीन पर जाकर ठिटक जातीं, कभी उस यन्त्र की सुईयों पर, जो बार-बार कांप रही थीं तथा दिशा एवं दूरी का ज्ञान कर रही थी।

कुछ ही देर में ब्राण्ड नजर आया—

वह सेनी की गाड़ी में ड्राइविंग सीट पर बैठा एक छोटे से टी० बी० पर सेनी तथा उसकी सहेलियों को देख रहा है, उनकी बातचीत सुन रहा है।

यह सीन नजर आते ही आपरेटर मुस्कराती है। वह बुद-बुदाकर कहती है—

—'लो डियर ब्रांड, सम्भालो इस मौत को।' शायद आज तुम्हारी मौत मेरे हाथों लिखी थी।

किसी ने सच कहा है जब सिकार की मौत आती है तो वह शहर की तरफ भागता है।

आज तुमने भी अपनी मौत का सामान सेनी के साथ ही भेज

दिया।

वह हंसी। और उसने एक स्विच और आन किया। ऐसा करते ही बड़ी ही तेज गूंजी···की ध्वनि विसिल की तरह यहां गूंजी। और स्क्रीन पर एक अण्डाकृति वाला कैप्सूल नजर आया। गूं की ध्वनि और भी तेज होती चली गई।

वह एक ऐसा बम था जो बांड और उस कार के परखचे उड़ा सकता था। यह सब उस आविष्कार की बदौलत सम्भव हुआ कि दस मील की रेन्ज के किसी भी स्थान पर विस्फोट कर के वहां के परखचे उड़ाये जा सकते थे।

वही था यह बम जो बांड की तरफ तेजी से उड़ा जा रहा था। आपरेटर की आंखें अपने यन्त्रों पर तेजी के साथ घूम रही थीं। वह क्षण करीब आ रहा था जब बांड और उस कार के परखचे उड़ जाने वाले थे।

तभी एक भयंकर धमाका हुआ!

टी० वी० पर वह दृश्य नजर आया जब एक कार के टुकड़े आकाश में काफी ऊंचाई तक उड़ते नजर आये।

खिलखिलाकर हंस पड़ी आपरेटर!

●●●

एम० अपने आफिस की मेज के पीछे लेदर की मूविंग चेयर पर बैठा था। आज उसने डार्क ब्लू रंग का सूट पहन रखा था। भीतर से आसमानी रंग की कमीज के कालरों में लाल रंग की टाई। जैसे गजब ढा रही थी। सिगार जलाकर उसने लम्बा कश खींचा तथा धुंआ उगलते हुये अपने आप ही बुद बुदाया—

—'यकीनन ये इसी का काम है। लेकिन इसे भी जाना ही होगा। मैं, हमेशा इससे धोखा नहीं खा सकता।'

वह सामने रखी मोटी फाइल के पृष्ठ उलटने लगा।

—'लेकिन इतनी जल्दी···दुश्मन अपना जाल यहां कैसे फैला सका?'

—'कहीं ऐसा तो नहीं दुश्मन यहां पहले से ही मौजूद रहा

हो। वहां की गतिविधियां वाच आउट करता रहा हो। और जिब्राल्टा में हुनर दिखलाता रहा हो ?'

उस रात बांड को हिप्टोना इज्ड करके रहस्यमय ढंग से उड़ाकर ले जाने वाली प्रेतनी 'जिब्राल्टा का प्रेत' का चक्कर नजर आता है।

हो सकता है जिब्राल्टा के प्रेत में भी हिप्टोनिज्मा का ही हाथ रहा हो।

एम०, बांड को लेकर चिन्तित था। और सैकड़ों सवालात, सैकड़ों समस्याओं ने उसे घेर रखा था। तभी सेक्रेटरी की आवाज गूंजी—'सर, मिस्टर बांड आपसे मिलना चाहते हैं।'

'भेजो···।'

कुछ ही पलों बाद बांड ने परदा हटाकर प्रवेश किया। बांड अभी अपने चीफ के सम्मान में कुछ कह पाता कि एम० ने कहा—'वेलकम, बांड।'

—'थैंक्यू सर···!'

बाण्ड के कपड़ों पर गौर करते हुये—'व्हाट हेयन, कुछ गड़बड़ हुई क्या ?'

और बाण्ड ने सारा किस्सा ब्यान कर दिया। साथ ही यह भी बतला दिया कि टी० वी० स्क्रीन के साथ अटैच्ड रडार ने आज उसे बचा लिया। वरना इस वक्त इस दुनिया से उसका नामोनिशान मिट चुका होता।

एम० गम्भीरता से सोचता रह गया।

इस घटना ने साफ जाहिर था दुश्मन किसी भी रूप में बांड को मिटाना चाहता है। जिब्राल्टा में उसकी हुई हार से लगता है गहरा धक्का लगाया है।

दुश्मन प्लानिंग में भी कम नहीं है। जिस वक्त बाण्ड की वापसी की स्टाफ खुशियां मना रहा था, उस वक्त दुश्मन अपने मकसद में कामयाब होने की पूरी-पूरी कोशिश कर रहा था।

पहले जहर से और अब बम से···उसने खत्म करने की

कोशिश की। इट मीन्स बाण्ड को अधिक होशियार रहने की जरूरत है।

"एम. ने सोचते हुए कहा—"बाण्ड, समझ तो तुम भी गये होगे कि यह षडयन्त्र क्या है?"

"जी हां, जिब्राल्टा का प्रेत यहां भी आ पहुंचा है। और उसके आने की वजह भी है।"

"क्या?" एम. ने एक प्रोफेसर की तरह बांड से पूछा!

"यही कि वहां का अड्डा हमेशा-हमेशा के लिए फना हो चुका है। और अब उसके तमाम लोग यही आ गये हैं।"

"मेरे ख्याल से···। एम. ने कहा—"वह लोग पहले से ही यहां मौजूद थे।"

"हां, आपका ख्याल सही है। यहां की व्यवस्था को देखते हुए यह कहा जा सकता है। एक बात और सर—?"

एम. ने बाण्ड की ओर अपना ध्यान पूर्णतः केन्द्रित करते हुए कहां।

बांड बोला—"इस गिरोह में भी लड़कियां ही हैं। जिब्राल्टा के प्रेत में भी लड़कियां ही थीं।"

—"यह तुम कैसे कह सकते हो?"

—"माइक्रोफोन कम टी. बी कैमरा मैंने सैनी की गैर जानकारी में उसके स्कर्ट की भीतरी तह में लगा दिया था। उसकी वजह से उसके खुफिया अड्डे का पता ही नहीं लग सका उसके साथियों का भी पता चला। सिवाय एक मर्द के और कोई मर्द नजर नहीं आया। वह भी ऐसा प्रतीत हुआ जैसे निशिक्रय सदस्य हो।" साथ ही बान्ड ने एक कागज एम की तरफ बढ़ा दिया।

उस कागज पर कुछ आंकड़े अंकित थे। साथ ही आंकड़ों के अनुसार वह खुफिया अड्डा पेइंग गेस्ट के सामने की ओर था। क्योंकि पेइंग गेस्ट के सामने से शुरू होने वाला इलाका आगे जाकर सख्त चट्टानों से भरे एक इलाके से मिला हुआ था और

वह इलाका समुंदर तक गया था।

कुछ देर बाण्ड खुफिया बातें करके उठ गया ? उठते वक्त बाण्ड को एम. ने कुछ संकेत और भी दिए तथा उन पर अमल करने की सख्त हिदायत दी।

बाण्ड आज अपने को कुछ थका सा महसूस कर रहा था। मतलब साफ था की अभी उसकी वीकनैस गई नहीं थी।

सेक्रेट्री रूबी की आंखें थकान से बोझिल हो रही थीं। और आंखों वाली रूबी ने जब बाण्ड की ओर देखा तो बाण्ड ने देखते ही सीने पर हाथ फिराया और बोला—

—"गये काम से ?"

—"व्हाट, मिस्टर बाण्ड ?"

—"नथिंग डार्लिंग······अफसोस है।"

—"कैसा अफसोस ?"

—"सायलाट नाइट, कितनी खूबसूरत है। लेकिन बकवास, मेरा दिल इसे मनहूस मानता है।"

"मिस्टर बान्ड,···।"

"नो···नो डार्लिंग······ऐसा मत सोचो···मेरी हर बात को मजाक मत समझो। मैं, सच कह रहा हूं ऐसी रात में तो तुम्हारे जैसी गर्ल फ्रेन्ड ही······।"

"आज से स्टाप इट्···अन्डरस्टेण्ड !"

"मारे गये !···बट् वन थिंग···।"

"नो···नो वन थिंग !" वह कहते हुए उठी। और फाइलों को उठाकर आलमारी की ओर चली गई।

बाण्ड उसके कूल्हों को देखता रहा। चलते वक्त उन मटकते कूल्हों की हरकत देखने काबिल थी। बान्ड ने धीरे से विस्लिंग की। साथ ही गोल-गोल होंठ बनाये।

इस पर बफर उठीं रूबी। झुंझलाकर बोली—"मिस्टर बांड,

—"य···स डार्लिंग रूबी···।"

बांड की इस अदा पर रूबी को गुस्से के साथ प्यार भी आ गया।

—"हाय········।" बांड बोला—"आय विन दा गेम।"

—"शट अप···कैसा गेम ?"

—"ए. गेम आफ लव।"

बांड की तरफ वह झपटी और बांड फौरन ही लम्बे कदमों से बाहर निकल गया।

—"सिली,···।" उसके नजरों से ओझल होते ही वह बोली—"ए. नो टी."

बांड ने तभी दरवाजे पर झूलता परदा थोड़ा सा हटाकर झांकते हुए कहा—"···थेंक्यू ?"

"ओह ! यू !" और उसने पेपर वेट उठा फेंका।

बांड इसके बाद ही गायब हो गया। काफी देर तक रूबी बुदबुदाती रही।

× × ×

वह छोटा-सा माइक्रोफोन मय टी. वी. कैमरा, जिसे बांड ने उसके स्कर्ट में छुपा दिया था इस वक्त सेनी के हाथ में था। उसे वह गौर से देख रही थी। उसके करीब दस-बारह नव-युवतियां और भी बैठी थी जो गम्भीर थीं और इसी समस्या पर विचार कर रही थीं।

—"मुझे विश्वास है बांड मरा नहीं होगा। जब वह मुझे बेवकूफ बना सकता है······।"

अभी वह बोल ही सकी थी कि दूसरी ने बात काटते हुए कहा—

"डार्लिंग, यह सच है कि बांड को धोखा देना बहुत असम्भव है। और यदि उसे कोई धोखा देता है तो इसका मतलब साफ है कि वह स्वयं कहीं ना कहीं धोखा खा रहा है। मैंने तो तुम्हारे मुंह से सुनते ही कही थी। नतीजा सामने है।"

—"खैर ! ······!" सेनी बोली—"······अब कए

डाउन्सता आते ही रहते हैं। लेकिन अब सवाल यह है कि बान्ड की नजरों में यह हमारा खुफिया अड्डा आ गया है। यह अंडर स्टुड है कि उसने यह खुफिया अड्डा जानने के लिए ही यह चाल चली। यह मेरी भूल थी कि मैं उसे बेवकूफ बनाकर अपनी काबलियत जाहिर करना चाहती थी। मेरा ख्याल है हमें यह जगह फौरन ही छोड़ देनी होगी।"

"लेकिन हमें इसके लिए वक्त चाहिए।"

—"यकीनन······। इस बात को छोड़ दो क्या चाहिए, कितना चाहिए। और काम स्टार्ट करो।"

"तब हम एक बार फिर वही पहुंचेंगे जहां से शुरू हुए थे।"

"नेव्हर मान्ड······हां मैं, हैड क्वार्टर को खबर कर दूं।" सेनी उनके बीच से उठी और तेजी के साथ उस कमरे की ओर बढ़ गई जहां बहुत सी नवयुवतियां मशीनों तथा यन्त्रों पर कार्यरत थीं।

× × ×

दूर दराज रेत के लम्बे चौड़े भू–भाग के नीचे जहां विशेष प्रकार के प्लेन ने जैसे प्रवेश किया था। और जिस प्लेन से एक खूबसूरत पायलाट उतरी थी। तथा जिसके साथ एक आपरेटर थी।

वह दोनों, इस समय इत्मीनान से बैठी शराब पी रही थीं। बीच में उनके एक छोटी-सी तिकौना मेज थी। मेज पर दो-तीन कीमती शराब की बोतलें थीं। चारों तरफ रेत थी। फर्श हर रेत, दीवारें रेत कीं छत रेत की! चारों तरफ······जहां भी नजर आती।

यकायक मेज नीचे रखा ट्रांसमीटर कम ट्राजिस्टर पीं···पीं पीं···की ध्वनि बिखेरने लगा। उसने जो आपरेटर थी फौरन ही उठाया। और उसकी एक नाब निश्चित दिशा में घुमाकर इन्तजार करने लगी। कुछ ही पलों बाद—

—"हैलो···हैलो···हैलो······।"

—"हैलो···हेडक्वार्टर स्पीकिंग, ओवर ! हैलो···हैडक्वार्टर स्पीकिंग···ओवर ! हैलो···हैलो···हैलो······

और फिर कोड में बातें होने लगी ।

ओपरेटर की भावभङ्गिया देखकर ही यह अन्दाजा लगा लेना आसान था कि कोई ऐसी वारदात गुजर गई है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी ।

यह खबर क्या थी, जले पर नमक के पानी का छिड़काव था । वह दोनों ट्रान्समीटर को आफ कर वहां से चल दी । और अब काफी लम्बे चौड़े अन्धेरे मैदान नुमा स्थान के एक ओर ऊंचे सिंहासन पर कोई बैठा था ।

उस आसन नुमा मंच से करीब दस गज दूर, सामने कुछ परछाटेयां बैठी नजर आ रही थीं । सभी कुछ परछाईयों के रूप में दिखलाई•देता था ।

उन परछाइयों में वह पायलट नवयुवती भी थी और उसके साथ वाली आपरेटर भी । सभी की नजरें मंच पर लगी थी ।

देखते ही देखते मंच पर रोशनी का एक बिन्दु आंखों को चुंधिया देने वाली चमक से साथ प्रगट हुआ ।

इस आंखों को चुंधिया देने वाले प्रकाश बिन्दु को देखते ही सभी की सासे थमने लगीं । भीतर ही भीतर सभी सशंकित हो उठी ।

वह प्रकाश बिन्दु निरन्तर बड़ा होने लगा । वहां का जर्रा-जर्रा तेज प्रकाश से प्रकाशित होने लगा ।

मंच पर समझा जा रहा था कि कोई बैठा है लेकिन वास्तव में वह कोई व्यक्ति विशेष नहीं था । वह एक काले रंग की विशाल प्रतिमा थी । जिसकी खूनी आंखे वहां बैठी नयुवतिओं को देख रही थी । प्रतीत होता धा उन आंखों में ऐसी शक्ति है कि वे सभी के दिल का हाल पढ़ रही हैं । उन आंखों से किसी का कुछ भी छुपा नहीं है ।

बाहर को भूल आई खूनी जिव्हा से रक्त टपकने के लिये

तैयार था। मूर्ति के सामने चमकता प्रकाश बिन्दु अब जमीन से उठकर देवता के सिर के पीछे जाकर स्थिर हो गया। देवता की विकराल मूर्ति के पीछे, सिर के पास चमकता प्रकाश बिन्दु अब देवता में आस्था भर रहा था।

सभी अपनी-अपनी सांसें रोके बैठे थे। लेकिन नजरें उसी प्रकाश बिन्दु पर स्थिर थी। देवता पर स्थिर थी। तभी एक आवाज गूंजी—

दुश्मन बहुत चालाक है। और उसका पासा सीधा पड़ रहा है। लेकिन मेरी बच्चियो हम अपनी शांति में अपने ऐशो आराम में कभी भी दुश्मन का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जिब्राल्टा का काम फिलहाल बन्द कर देना पड़ा। दुश्मन इसे अपनी सफलता समझा। उसने समझा, जिब्राल्टा का प्रेत मर गया। लेकिन वह बेवकूफ भूल गया कि जिब्राल्टा का प्रेत कभी भी नहीं मर सकता। वह हमेशा जीवित रहेगा।

मेरी बच्चियो जब तक यह हमारा दुश्मन ००७ जेम्स बांड जीवित है, तब तक हम अपने किसी भी काम में सफल नहीं हो सकते। इसे समाप्त करना ही होगा लेकिन इस सिलसिले में हमारा नाम ना खुले इस बात का ध्यान रखना है।

आज मैं, एक खास मकसद से तुम लोगो के सामने प्रगट हुआ हूं। वह मकसद क्या है, सुनकर तुम लोग आश्चर्य चकित रह जाओगी तुम सबको पता है हमारा एक और भी दुश्मन है वह दुश्मन है, स्याग उसने अपना अड्डा आज कल हमारे करीब ही समुद्री टापुओं में कहीं बना रखा है। इतना ही नहीं उसकी गति विधियों से हमें पता चला है कि वह हम पर नजर रखे हुये है।

सम्भावना है कि जिस मकसद को लेकर हम यहां पड़े हुए हैं वह भी कहीं, उसी मकसद के लिये तो यहां अपने पैर मजबूत नहीं कर रहा है? वरना स्याग चीन छोड़ कर यहां कदापि ना आता।

खैर ! स्याग के इस गिरोह की खबर ब्रिटिश सरकार के पास पहुंच चुकी है। और वहां से एम के हेयड ओवर की जा चुकी है। जहां तक मैं सोचता हूं एम. बाण्ड को ही यहां पहुंचायेगा। उस वक्त हमें उसकी मदद करनी होगी। दुश्मन की मदद दुश्मन को खत्म करने के लिए।

उधर जिब्राल्टा में काम फिर शुरू हो गया है। तलाश जारी है। जिब्राल्टा में लोगों को बसाने का काम सरकार ने पुनः शुरू किया है। साथ ही प्रचार भी कर रही है कि जिब्राल्टा का प्रेत कुछ भी नहीं था। वह सिर्फ एक गिरोह था।

असल में अमेरिकन सरकार को भी खबर लग चुकी है कि चीन का कोई शिप यहां डूब गया जिसमें हीरे जवाहरातों के साथ-२ अरबों रुपये का सोना भी था। वरना सदियो से वीरान पड़े टापू पर अपने देशवासियों को बसाने की लालसा क्यों जागी इस बसने बसाने के चक्कर में अमेरिकन गोताखोरों न अपना काम भी शुरू किया लेकिन चोरी छुपे।

हमने यदि प्रेत काण्ड प्रारम्भ ना किया होता तो सम्भव है उन गोताखोरों ने अब तक उस शिप को ढूंढलिया होगा लेकिन बाण्ड ने आकर सब कुछ स्वाहा कर दिया।

बहरहाल बस्ती फिर बसाई जा रही हैं ! कुछ दिनों बाद ही, सुना है, गोताखोरों का एक नया दल फिर यहां आ रहा हैं।

दूसरी ओर स्याग चीन से आकर यहां जम गया है। वह भी इस शिप को तलाश कर माल हड़पना चाहता है।

अब देखना यह है मेरी बच्चियों कि हम क्या करते हैं। हमारे सामने दो दुश्मन हैं, एक तो ब्रिटिश स्पाय बाण्ड, जिसे अमेरिकन सरकार ने नियुक्त किया है तथा दूसरा चीनी स्याग !

तुम लोगों का विचार पहले जानना चाहूंगा उसके बाद अपनी राय व्यक्त करूंगा। लेकिन तुम लोगों की एकमत राय चार घन्टे के अन्दर आ जानीं चाहिये।

अच्छा, मेरी प्यारी बच्चियों मौज करो !

इन शब्दो के ही देवता की विशाल मूर्ति के पीछे आंखों को चुंधिया देने वाली रोशनी जिसका आकार काफी बड़ा था वह काफी बड़ा था वह फिर से बिन्दु में परिवर्तित हुआ और बुझ गया।

फिर वही अन्धेरा ! और अन्धेरे में डूब गया सभी कुछ ! उस अन्धेरे मैं रेत पर चलती हुई परछाईयां। एक से एक हसीन नवयुवतियां !

इन्हें देखकर लगना स्वाभाविक है कि जैसे दुनिया के तमाम खूबसूरत मुल्कों से चुनचुन कर यहां लाया गया हो और तब यह हसीन गुलदस्ता बना हो।

●●●

खुफिया पुलिस कस्टडी में नैल्शन को जब विभिन्न तरीकों से सही बात उगलवाने की कोशिश की गई तो उसने बतलाया कि पहले जार्ज ने ही उसके सामते ००७ जेम्स बाण्ड को गोली मारने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन जार्ज बेहद लालची तथा टुच्चा आदमी था लिहाजा उसने जार्ज को आग्राह किया था कि वह सूर्य ढलने के पूर्व निश्चित की गई राशि भेज दे तो वह काम कर देगा अन्यथा काम ना कराने की स्थिति में कुछ रकम देनी होगी।

उक्त बात जार्ज ने मान ली थी। बल्कि उसने अपने मुंह से कह कर दुहराया था कि वह काम ना कराने की स्थिति में इतनी रकम निःसंकोच देगा।

उधर जिस सरकारी हास्पिटल मैं बाण्ड का उपचार किया जा रहा था। उसमें एक नर्स नैल्शन की गर्ल, फ्रेन्ड थी। उसने सहयोग करने तथा निश्चित राशि लेने को तय किया। और नैल्शन ने भी उसके साथ यह तय किया कि यदि पार्टी ने यह काम ना भी कराया तब भी जो रकम वह देगी उसका दस प्रतिशत उसे मिलेगा।

उसी नर्स ने नैल्शन को खबर दी कि जार्ज ने एक नर्स की मदद लेकर बाण्ड को खत्म करने की कोशिश की लेकिन बच निकला है।

और इस बात की खबर पाते ही नैल्शन होटल ब्लूसाइन में दाखिल हुआ। आवेश में उसने रिवाल्वर अड़ा दिया। लेकिन अपने को जब्त कर गया।

फिर मामला पूरी तरह नैल्शन पर ही आधारित हुआ कि वही इस काम को करेगा। और अपने तरीके से करेगा। लेकिन नैल्शन ने खुले शब्दों में यह शर्त रखी कि वह डबल पेमेन्ट लेगा और काम से पहले लेगा।

वह जब जार्ज से तय करके बाहर आया तो उसके दिमाग में एक बेचैनी थी जिसे वह भुला देना चाहता था।

मुकर्रर टाइप पर नैल्शल पहुंचा, जार्ज अभी वहां नहीं था तभी उसके आदमी ने यह खबर दी कि कोई मिलना चाहता है। और वह उठकर होटल के पीछे चला गया।

होटल के पीछे खड़ी थी सेनी। सेनी के बारे में उसे पता था कि वह किसी गिरोह में है। लेकिन उसे आज भी यह पता नहीं है कि वह किस गिरोह में है।

उससे बात हुई तो उसने पूछा कि क्या वह बाण्ड का खून कर सकता है?

इस पर उसने कहा कि हां वह ऐसा कर सकता है और यह इस वक्त ऐसी पोजशन में है भी।

'ऐसी पोजीशन उसकी क्यों है?' सेनी ने पूछा तो उसने कहा—

'मिस सेनी···यह बिजनैस है। एक बिजनैस मेन को दूसरे बिजनैस मेन से ऐसी बातें नहीं पूछनी चाहिए। वैसे एक रास्ता है।'

—'क्या?' सेनी ने पूछा।

—'पहले चन्द बातों का जवाब आप देंगी।'

—'यदि मैं, उपयुक्त समझूंगी तब ?'

'क्या तुम यह काम कराना ही चाहती हो।'

'जरूर।'

'क्या मिलेगा ?'

'जो तुम कहोगे ?'

'तब सुनिये'''जार्ज ने मुझसे सौदा किया है। वह केश लेकर आने ही वाला है। एक पंथ दो काज, बोलिए आप क्या देती हैं ?'

'जो वो देगा। लेकिन अब थोड़ा सा परिवर्तन चाहूंगी।'

'क्या ?'

'गोली बाण्ड को नहीं लगेगी।'

'फिर ?'

'गोली जार्ज को छलनी करेगी।'

वह उसका मुख देखता रह गया था और उसने सोचा था इसमें बुराई ही क्या—बूढ़ा मरे या जवान, हत्या से काम ! गोली गलती से बाण्ड को न लगकर, जार्ज का भेजा फाड़ सकती है।

कुछ ही देर बाद उसने अपना जौहर दिखाया था।

बाण्ड को जब यह खबर लगी तो उसकी खोपड़ी एक बार घूम गई।

आखिर सेनी ने ऐसा क्यों किया ? यदि वह उसका खून करांने के लिये आई थी तो फिर उसने अचानक ही अपना इरादा क्यों बदल दिया।

तो क्या उसकी अपेक्षा जार्ज का खून होना ज्यादा अहमियत रखता था।

दूसरी बात, जार्ज भी उसका यानि कि सेनी का दुश्मन था।

तो जार्ज का गिरोह कोई और है। वह गिरोह जिसने बांड पर गोलियां बरसाईं तथा दूसरा गिरोह वह जिसे वह स्वयं जिब्राल्टा के प्रेत से सम्बन्धित मानता है और जिस गिरोह में

औरतें काम नहीं करती हैं।

बाण्ड को अमेरिकन सरकार पर क्रोध था। वह उन्हें मक्कार और बेईमान ठहरा रहा था। उसे एक लम्बे समय के बाद अब आकर पता चला था कि यहां कोई चीनी शिप डूब गया था या डुबो दिया गया था—जिसमें कई अरब के हीरे तथा सोना लदा था और शिप चोरी छुपे कहीं यह माल सप्लाई करने जा रहा था।

यह बात उसे पता चलते ही वह समझ गया था कि दुश्मन इतनी मुस्तैदी से उन वीरान टापुओं में क्यों झक मार रहा था। जबकि यह यही समझ रहा था कि अमेरिकन सरकार इन टापुओं को आबाद करके आबादी के बढ़ते बोझ को कुछ हल्का करना चाहती है। साथ ही उसका यह भी विचार था कि प्रेत प्रेत कुछ नहीं...केवल तस्करी करने वालों की बदमाशी होगी। क्योंकि उनके काम में इन बस्तियों के बसते ही अड़ंगा पड़ेगा।

शिप जिब्राल्टा समुद्र की किन गहराईयों में जाकर समा गया था। कुछ भी निश्चित नहीं था। ऐसी स्थिति में जरूरी था कि तलाश करने वालों के लिए एक लम्बा समय चाहिये तथा तामझाम चाहिये। ऊपर से ये लोग अवैध धन्धा करने वाले।

उधर अमेरिकन सरकार स्वयं अरबों खरबों का माल हड़प लेना चाहती थी लेकिन किसी को कानों-कान खबर नहीं लगने देना चाहती थी। इसीलिये तो उसने बस्तियां बसाने का प्रोग्राम बनाया था ताकि इसकी ओट में वह अपना काम भी जारी रख सके।

जब से बाण्ड को पूरी जानकारी दी गई थी तब से वह कुछ और ही सोच रहा था।

× × ×

राबर्ट और रोज पेइंग गैस्ट में ही रुके हुए थे। दोनों एक-दम मौन थे। परेशान थे। कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि ये क्या करें? रोज ने राबर्ट को यह कहकर टाल रखा था कि

सेनी उसकी बहिन निकली ऐसी स्थिति में वह परेशान है कि करे तो करे क्या ?

साथ ही वह यह भी सोच रही थी कि राबर्ट यदि उसका साथ दे तो—राबर्ट की स्थिति खराब हो चुकी थी। इधर बास ने उसे आखिरी मौका दिया था। उधर सेमी का गिरोह पूरी तरह उसके पीछे पड़ गया था और कभी भी उसे खत्म कर सकता था। यह बात तय हो चुकी थी।

राबर्ट ने आखिरकार डूबते हुए मन से कहा—

—'रोज, तुमने मुझे बचा लिया है। मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा है कि मैं क्या करूं ? अब तो जो तुम उचित समझो। मुझे राय दो मैं, वही करूंगा।'

और रोज ने अपना मंतव्य व्यक्त कर दिया। राबर्ट, रोज का साथ देने के लिये तैयार हो गया। लेकिन उसने अपनी शर्त रखी कि वह इस काम के साथ ही यहां से प्रर्याप्त दूर चला जाना चाहेगा और साथ में होगी रोज !

रोज इस बार शरमा उठी थी।

तभी दोनों ने बाथरूम में जाकर अपने को फ्रेश किया और अभी सज संवर कर मेज पर बैठे नाश्ता कर ही रहे थे कि दरवाजे पर दस्तक पड़ी।

दरवाजा खोला राबर्ट ने और दरवाजा खुलते ही राबर्ट चीखा। रोज कम चालक नहीं थी उसने फर्श पर बैठे ही बैठे छलांग लगा दी। लेकिन राबर्ट को गोली मारने वाले ने रोज को नही छुआ शायद इसलिये कि वह निरर्थक ही बबाल में फंसना नहीं चाहता था।

रोज भागकर बाहर आई। उसने देखा आक्रमण करने वाला गायब हो चुका था। वह राबर्ट की तरफ दौड़ी। लेकिन राबर्ट औंधे मुंह पड़ा था। उसकी आंखें खुली थी। वह मर चुका था। उसके करीब ही एक लिफाफा पड़ा था। उसे उसने उठा कर खोला।

भीतर के कागज पर लिखा था—

मिस रोज, तुम जिस गिरोह के हो हमें पता चल चुका है। तुम पर मुझे पहले ही शक था। तभी तो तुम्हें कभी गिरोह के अन्दरूनी मामलातों से दूर ही रखा गया। हां···तुम्हारे लाकिट में सिर्फ ट्राण्समीटर नहीं है जिस पर तुम मुझसे बात किया करती थी। बल्कि उसके साथ माइक्रोफोन कम टी० वी० कैमरा भी फिट है जो इस वक्त भी तुम्हारी हरकतें मुझ तक भेज रहा है।

आश्चर्य कर रही होगी मिस रोज कि मेरे आदमी ने जहां अपने ही आदमी का खून किया वहां एक गोली तुम्हारे खूबसूरत सीने में धड़कते दिल में भी क्यों ना उतार दी ?

नहीं···जिस तरह मुझे अपने आदमी का खून अपने ही आदमी के हाथों कराना पड़ा—उसी प्रकार तुम्हारा खून भी तुम्हारे गिरोह का ही कोई आदमी करेगा।'

तुम्हारी सेवाओं के लिए—शुक्रिया !

कुछ देर के लिये रोज के हाथों के तोते उड़ गये। वह ठगी सी खड़ी रह गई। भावुकता ने उसे आ दबोचा। लेकिन वह फौरन ही सम्भली और वहां से निकल भागी।

× × ×

कल की अपेक्षा बांड आज अधिक अपने आपको स्वस्थ्य अनुभव कर रहा था। उसने बांड के बाद पिछले दिनों की अपेक्षा डबल नाश्ता किया था। डबल पैग शराब के पिये थे। और अब भी कुछ इच्छा कर रही था कि काकलेट के कुछ पैग पिये। तभी—

फोन की घण्टी बजी। उसने बाजू में, मेज पर रखे फोन रिसीवर को उठाया। साथ ही बोला—

'बांड दिस साइड !'

'बांड···क्या कर रहे हो ?'

'ओह ! चीफ···गुड मार्निग···मैं नाश्ते के बाद अब आपके ही पास आने की सोच रहा था।'

'गुड ! आयएम वेटिंग फार यू !'

'ओ० के० सर'''आयएम कामिंग !'

एम० के रिसीवर रखते ही बांड ने रिसीवर रखा तथा कुर्सी छोड़कर खड़ा हो गया। उसने खड़े होकर शराब की तीनों बोतलों में से एक-एक घूंट भरकर गटका तथा बाहर निकलते हुये बुद-बुदाया—'बन गई काकटेल !'

बाहर धूप सुहावनी थी। वह सीधे अपनी रैड कलर कार में बैठा और फुल स्पीड पर उसने कार छोड़ दी।

तारकोल की सड़कों पर भागती गाड़ियों की कतारें। फुट-पाथों पर आते जाते लोगों के बीच कभी-कभी चमक जाते मन पसन्द चेहरे।

वह गाड़ी भगाये जा रहा था।

यकायक एक मोड़ पर उसकी नजरें अपनी गाडी के शीशे पर पडी। एक कार पीछा कर रही थी। वह चौंका। उसने अपनी नजरें गडा दीं।

देखा—

वह, सेनी थी जो उसके पीछे आ रही थी।

बाण्ड ने फौरन ही गाडी को किनारे पर लेकर ब्रेक लगा दिये। और गाडी से उतरकर बीच सडक पर पूरी तैयारी के साथ खडा हो गया। उसकी नजरें सेनी पर लगी थीं।

गाड़ी करीब आई और बांड की गाड़ी के पीछे रुक गई। अब सेनी इत्मीनान से बांड की ओर देख रही थी। उसने अब भी आंखों पर चश्मा चढ़ा रखा था जो उसे खूब फबता था। पाइप होंठो में दबा था और उससे हल्का-हल्का धुंआ उठ रहा था।

बाण्ड की समझ में नहीं रहा था कि वह, ख्वाब देख रहा है या हकीकत !

लेकिन इस दिलेर नाजनीन का इस तरह हेकड़ी के साथ सामने आना आखिर क्या मायने रखता है ?

बांड की नजरें इस नाजनीन सेली को देख रही
सोचते हुये बांड की नजरें इस नाजनीन सेली को देख रही थीं। देख रही थी नख से शिख तक उसके जिस्म की गोलाईयों को जिनमें गाड ने ब्यूटी ठूंस-ठूंस कर भरी थी।

बांड की तरफ उसने अंगुली का इशारा किया साथ ही बोली—'कमआन डियर!'

बांड सीधे उसके पास पहुंचा। लेकिन बोला कुछ भी नहीं... सिर्फ घूरकर देखता रहा। उसने भी बांड के शरीर पर नजरें फिराई। फिर एक ठण्डी सांस लेकर, पाइप का कश खींचकर, धुआं छोड़ते हुए बोली—'मिस्टर बांड, लगता है आपने अभी तक अपने दिमाग में उस चकमेबाजी का बुरा मान रखा है। लेकिन मेरी एक आदत है मैं उस आदमी को चकमा जरूर देती हूं जो अपने आपको बहुत अधिक होशियार समझता है। लेकिन नहीं तुम सचमुच में गुरू आदमी हो। जानकर गुस्सा आया अपने आप पर और तबियत खुश हुई तुम पर कि तुमने मुझे किस कदर बेवकूफ बनाया।...आपको थैंक्स बोलने के लिये हाजिर हुई हूं।'

—'बोल चुकी?'

—'क्यों? क्या...तुम भी कुछ बोलोगे? मैं तो समझी थी कि ००७ जेम्सबांड सिर्फ घूरकर देखना जानता है।'

—'मिस सेली...!'

—'मिस्टर...बांड...क्या...छोटे लोगों की तरह बात करते हैं? हम कोई गिरहकट या उठाईगिरे तो हैं नहीं। आइये जवां-मर्दी के साथ मिलें।...बोलिये कहां चलेंगे?'

'तुम्हें मेरे साथ पहले जेल चलना है।'

वह हंस दी। बोली—'बांड, क्या बच्चों की सी बातें करते हो? क्या मैं बच्ची हूं? इतना भी नहीं समझती कि मैं ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के टायमोस्ट स्पाय ००७ जेम्सबांड से मिल रही हूं और वह मुझे सीधे तो सीधे वरना टेढ़े भी चाहे जहां ले जा सकता है।'

'देन [तब] ?'

'तब यह कि मेरे पास इतनी व्यवस्था है कि तुम मुझे मेरी मर्जी के खिलाफ चन्द कदम भी नहीं ले जा सकते।'

सचमुच बांड की जासूस नजरों ने जब अपने करीब का वातावरण देखा तथा भांपा तो उसने देखा जैसे अनजाने ही कुछ कारें कुछ-कुछ दूरी पर आकर रुक चुकी थीं। और उनमें बैठी जवान -जवान छोकरियां रस ले लेकर देख रही थीं।

—'आखिर तुम चाहती क्या हो ?'

—'नथिंग···कुछ भी नहीं।'

—'फिर ये घिराव किसलिये।'

—'घिराव ? नहीं···ये घिराव नहीं है।'

—'फिर क्या है ?'

—'मेरी व्यवस्था है ? लेकिन इस व्यवस्था से हमारे काम में किसी प्रकार की रुकावट नहीं पड़ेगी।'

—कैसा काम ?'

—'ओह ! यू···बांड, बन्द करो ना यह बकवास। आओ कहीं बैठकर प्यार भरी दो बातें करें ?'

—'प्यार···मीन्स लव।'

—'यस···।'

वह जिस ढंग से बेवकूफ बना रही थी। समझकर बांड को बड़ा ही गुस्सा आ रहा था। उसने भी उसी ढंग से मुस्कराकर कहा—

'ओ० के० कमआन···!' वह अपनी कार की तरफ बढ़ा।

'मैं, इस कार को यहीं छोड़ देती हूं।'

यह तक तर्क भी था और सरलता भी।'

—'ओ० के०···ओ० के० !' बांड ने लापरवाही से उसकी बात को टाल दिया। वह गाड़ी में बैठे और चल दिये। लेकिन बाण्ड की नजरें उस घिराव को देख रही थीं जो चारों तरफ से अपना एरिया कव्हर किये था।

—'यकीनन इसके पास माइक्रोफोन कम टी० वी० सूक्ष्म कैमरा होगा जिसकी वजह इसकी सहेलियां, या खतरनाक हसीनों की टोली सुनकर देख रही होगी।

बाण्ड ने मन ही मन यह तय किया कि अब इन लोगों की कोई भी चाल उसके साथ कारगर साबित नहीं होगी।

और बाण्ड ने कार को एक बार फिर पेइंग गैस्ट की तरफ मोड़ दिया। ऐसा करते ही सेनी ने कहा—'बाण्ड क्या बात है, पेइंगगैस्ट बहुत पसन्द है ?'

'हमारी तुम्हारी मुहब्बत का एक दिलचस्प पहलू इसी होटल में घटा हैं। भला मैं इसे कैसे भुला सकता हूं। सम्भव है आज भी कोई अविश्मरणीय घटना घटे।'

वह हंसी और अदा के साथ बोली—'नाटी···।'

बाण्ड की कार की गति पर्याप्त तेज थी। हवा से बातें करती बाण्ड की कार जब पेइंग गैस्ट में दाखिल हुई तो अन्य पांच या छै कारों ने भी आगे पीछे बाज और गिद्धों की तरह मंडराकर प्रवेश किया।

बाण्ड ने इस हरकत पर कंधे उचकाये ! साथ ही कार से बाहर आते ही सेनी की कमर में उसने हाथ डाल दिये।

दोनों होटल में दाखिल हुए।

दिन में रौनक नजर नहीं आ रही थी। फिर भी हाल में कुछ हसीन जोड़ों की बेतकल्लुफी पूर्ण हंसी के दौर गूंज रहे थे। सेनी ने तभी बाण्ड का हाथ दबाकर कहा—'बाण्ड, क्या तुम मुझे इस घेरे से निकाल सकते हो ?'

'क्या ?' बाण्ड चौंका। चौंकने की वजह भी थी अभी तक जो सेनी शेरनी बनी हुई थी। इस वक्त एकदम अपना रूप बदल कर बात करने लगी थी।

—'यस मिस्टर बाण्ड, मेरी बात पर विश्वास करो। मैं तुम्हें इनके असली खुफिया अड्डे का पता बता सकती हूं।'

बाण्ड अब भी अविश्वास भरी नजरों से देख रहा था। सेनी

ने चारों तरफ का माहौल शंका भरी नजरों से देखते हुये धीमे कहा—'लेकिन मेरी एक शर्त होगी कि तुम मुझे सही सलामत हिन्दुस्तान भेज दोगे।'

'क्यों ?'

वहां मैं सुरक्षित रह सकूंगी ?'

'सेनी, अब मैं तुम्हारे जाल में फंसने वाला नहीं।'

'बाण्ड, मैं तुमसे मुहब्बत करती हूं। यकीन करो···वरना तुम उसी दिन परलोक सिधार जाते, जिस दिन नैल्शन ने गोलियां बरसाकर जार्ज को खत्म किया था।'

'हां, मुझे पता है नैल्शन ने सीक्रेट पुलिस को अपने बयान में यह बताया है कि तुमने जार्ज को मेरे एवज में खत्म करवा दिया।

'सोचो मैंने ऐसा क्यों किया था ?'

'इसमें भी तुम्हारी कोई चाल होगी।'

'मैं तुम्हारे साथ चलकर इनके अड्डे का पता बता देती हूं, तुम जाकर इनके अड्डे का सफाया कर दो। उस वक्त तक मैं तुम्हारी जेल में कैद रहूंगी।'

'और ये जो घेरा डाल रखा है।'

'इसे मैं मिनट भर में तोड़ दूंगी।'

'कैसे ?'

'यह तुम्हें पता चल जायेगा।'

'एक बार फिर सुन लो···मेरा काम बाण्ड है। दुनियां के बड़े–बड़े बदमाशों के होश ठिकाने लगा चुका हूं। मुझे झूठ से सख्त घृणा है। तुम कितनी ही खूबसूरत सही लेकिन यदि मेरे साथ धोखा किया तो याद रहे, मैं तुम्हारी गर्दन मरोड कर तोड़ दूंगा। मैं इस मामले में इन्सान नहीं, शैतान को भी मात करने में नहीं हिचकता।'

पल भर के लिये सेनी की सूरत का रूख परछाईं की तरह डोल गया। उसने सम्हल कर कहा—

'बाण्ड, रिग्रली, बाय यू'''मैं इसे घेरे से, इस खतरनाक खेल से बुरी तरह ऊब चुकी हुं। लगता है ये जिन्दगी—

'ओ० के०'''।'

'बाण्ड, इन लोगों के लिये मैंने इतना किया कि ये लोग मेरी किसी भी बात को गलत नहीं समझ सकते। मैं इनसे कहे देती हूं कि तुमसे खुफिया राज प्राप्त करने के लिये आठ दस दिन साथ-साथ रहूंगी। इस बीच हम किसी भी दिन मौका पाते ही उड़ जायेंगे।'

'यह मुझ पर छोड़ो।'

'ओ० के०'''आओ केबिन में बैठते हैं। मुझे बिठालकर तुम यूरीनल तक हो आना।'

बाण्ड ने कुछ भी नहीं कहा। वे केबिन में जा बैठे। दो गिलास काकटेल का आर्डर देकर बाण्ड यूरीनल में चला गया। उसके जाते ही सेनी ने अपने रिस्टवाच को ट्रान्समीटर में बदल कर कहा—'यस'''नाऊ आप एम० ओ० के०।'

और जब तक बाण्ड यूरीनल से लौटे तब तक घिराव टूट चुका था। वह सबकी सब गायब हो चुकी थीं। बाण्ड ने केबिन में प्रवेश करते हुये देखा—वह पाइप पी रही थी। देखते ही बोली—'बाण्ड, तुमने बहुत अच्छा किया। तुमने मेरी बात मान कर मुझ अभागिन पर दुनिया का सबसे बड़ा उपकार किया है।'

वेटर ने काकलेट के गिलास रखे। बाण्ड ने एक उठाकर उसे दिया। दूसरा उठाकर उसके जाम से टकराते हुये बोला—'हमारी दोस्ती की शुरुआत के नाम पर।'

वह मुस्कराया। और दोनों ने करीब-करीब एक ही सांस में गिलास खलास किये। बांड ने कहा—'कमआन डार्लिंग'''

क्विक !'

आधे ही मिनट बाद—बांड उसके साथ अपनी कार में तीर की सी गति से भाग रहा था। एक दो बार तो सेनी भी इस गति से घबरा गई। उसे लगा कि बाण्ड तो मरेगा ही लेकिन साथ में उसे भी चाट जायेगा।

लेकिन ऐसा हुआ नहीं। और जब कार रुकी तो सेनी चाह कर भी इस बात का पता ना लगा सकी कि वह लन्दन के किस एरिये में है। यह पक्का था कि वह बंगला आलीशान था। और बांड की कार पहचानते ही बंगले के गेट आदि ठीक इस ढंग से खुलते चले गये थे जैसे आटोमेटिक हों।

सेनी ने उस आलीशान बंगले की बैठक में प्रवेश किया। बांड ने उसे आराम करने के लिये कहा और बाहर निकल गया। सेनी कुछ भी समझ नहीं सकी। सिवाय इसके कि बाण्ड जो कुछ भी करना चाहता है उसमें दुश्मन को सम्भलने का मौका नहीं देना चाहता।

× × ×

सेनी ने काफी देर बाद जब बाहर का जायजा लिया तो उसने अपने आपको सचमुच एक किस्म से कैद में पाया।

थोड़ी देर बाद ही बांड वापस हुआ। उसने खुफिया अड्डे के सन्दर्भ में पूछा। सेनी ने एवज में कहा—'मिस्टर वाण्ड, तो क्या मैं आपके साथ नहीं चल रही हूं।'

'नो मिस सेनी···तुम्हें एक सुरक्षित स्थान में पहुंचा दिया

भायेगा। सिर्फ तुम्हारे बतलाये अनुसार मैं, उस अड्डे को तबाह करूंगा।'

सेनी भीतर ही भीतर मुस्कराई ! काश ! इस वक्त वह अपनी खुशी व्यक्त कर सकती। वह तो स्वयं चाहती थी ऐसा। क्योंकि अपने खुफिया अड्डे के नाम पर वह श्यांग के खुफिया अड्डे का सफाया करने के लिये बाण्ड का इस्तेमाल करना चाहती थी। और श्यांग का अड्डा उसे तो क्या उसके गिरोह की उन सदस्याओं को भी पता नहीं था जो अपने स्पेशल प्लान के साथ इस अड्डे की तलाश में सैकड़ों हथकण्डे अपना चुकी थी।

सेनी ने उसे श्यांग का अड्डा, जहां सम्भावना थी वहां का निर्देश कर दिया।

× × ×

सारे दिन बांड सेनी के साथ शराब पीता रहा। बन्द कमरे में उसके साथ रोमांश लड़ाता रहा। और फिर रात्रि में जब वह शराब पीते-पीते बेहोश हो गई। बाण्ड उसे चन्द खुफिया पुलिस के आफिसरों की जिम्मेदारी पर कुछ निर्देश देकर बाहर निकल गया।

रात को ठीक बारह बजे। एक स्पेशल विमान से बाण्ड ने जिब्राल्टा के करीब उन छोटे-छोटे टपुओं की ओर प्रस्थान किया— जिनमें से किसी एक पर श्यांग छुपा बैठा था और वह भी इस चीनी शिप को खोजना चाहता था। लेकिन बांड इसे इन हसीनाओं का गिरोह समझकर सफाया करने जा रहा था। साथ ही सोच रहा था—

ये जिब्राल्टा का प्रेत, अब की बार जिन्दा नहीं बचेगा। किसी भी हालत में नहीं बचेगा।

× × ×

फिर भी सैकड़ों सवाल अब भी विद्यमान थे—?

—मिस्टर हार्बर्ट वास्तव में कौन था ? क्या था ?

—वह नवयुवती जो के डैनबरा की आलीशान इमारत के विशेष हाल के बाहर उसका इन्तजार कर रही थी। वह कौन थी ? क्या सचमुच प्रेतनी थी ?

—इन हसीनों के इस गिरोह का असली मकसद क्या था ? और ये क्या करते थे ?

—किसी धातु को सोने में बदलने वाला फार्मूला, वास्तव में किसने ईजाद किया था ? और वह राबर्ट के बास के पास कैसे पहुंचा ? और क्या सेनीं का गिरोह उसे हथियाने में कामयाब हुआ ?

—ऐसे सैकड़ों सवालात हैं जिनके विषय में आप जानना चाहेंगे ? आप जानना चाहेंगे कि सेनी, क्या बाण्ड को खुफिया पुलिस की कैद में रह सकी।

—क्या बाण्ड ने श्याग के खुफिया अड्डे का सफाया किया ?

—क्या बाण्ड को यह पता चल सका कि यह चीनी स्याग का खुफिया अड्डा था।

समाप्त

नोट :—इस उपन्यास में कथा, कथानक, पात्र, स्थान आदि सब काल्पनिक है।

बांण्ड की गुमनाम रातें

'एक बार फिर सुन लो···मेरा नाम बांड है। मैं बड़े-बड़े बदमाशों के होश ठिकाने लगा चुका हूं। मुझे झूठ से सख्त घृणा है। तुम कितनी ही खूबसूरत सही लेकिन यदि मेरे साथ धोखा किया तो याद रहे, मैं तुम्हारी गर्दन मरोड़ कर तोड़ दूंगा ? मैं इस मामले में इन्सान नहीं, शैतान को भी मात करने में नहीं हिचकता।'

अमर पाकेट बुक्स
३३, हरी नगर मेरठ २